नवबिहार टाइम्स

निष्पक्ष एवं निर्भीक हिन्दी दैनिक

• बोकारो, मंगलवार, 5 अगस्त 2025 • वर्ष : 09 • अंक : 80 • पृष्ठ : 12 • मूल्य : 3.00 रु. • RNI No. : JHAHIN2017/72655 • बोकारो व औरंगाबाद से प्रकाशित

देश और दुनिया के इतिहास में आज की प्रमुख घटनाएं

1960: अफ़्रीकी देश बुर्किनाफासो ने स्वतंत्रता की घोषणा की।

1963: रूस, ब्रिटेन और अमेरिका ने मॉस्को में परमाणु परीक्षण निषेध संधी की।

1991: न्यायमूर्ति लीला सेठ दिल्ली उच्च न्यायालय में पहली महिला न्यायाधीश बनीं।

2011: नासा के वैज्ञानिकों ने मंगल ग्रह पर पानी होने का साइंस पत्रिका में दावा किया।

झारखंड निर्माता दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री एवं दिशोम गुरू के नाम से मशहुर शिबू सोरेन का सोमवार सुबह निधन हो गया। यह जानकारी उनके पुत्र और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने खुद 'एक्स' पर पोस्ट कर दी है। उन्होंने लिखा कि 'आदरणीय दिशोम गुरुजी हम सभी को छोड़कर चले गए हैं। आज मैं शून्य हो गया हूं।' दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में शिबू सोरेन ने आखिरी सांस ली। बता दें कि श्री सोरेन पिछले डेढ़ महीने से अस्पताल में भर्ती थे। उन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ था। इससे उनके शरीर के बायीं ओर पैरालिसिस हो गया था। वे पिछले एक महीने से लाइफ सपोर्ट सिस्टम पर थे। न्यूरोलॉजी, कार्डियोलॉजी और नेफ्रोलॉजी के डॉक्टरों की टीम उनका इलाज कर रही थी। उन्हें डायबिटीज थी और हार्ट की बायपास सर्जरी भी हो चुकी थी। बीते कुछ दिनों से उनकी हालत गंभीर बनी हुई थी। पूर्व मुख्यमंत्री और झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक शिबू सोरेन का पार्थिव शरीर आज शाम छह बजे झारखंड लाया गया। सरकारी सूत्रों के मुताबिक सोमवार को उनका पार्थिव शरीर सबसे पहले रांची के मोरहाबादी स्थित आवास पर लाया जाएगा। मंगलवार सुबह झामुमो के पार्टी कार्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा जाएगा। इसके बाद पार्थिव शरीर को झारखंड विधानसभा ले जाया जाएगा जहां जनप्रतिनिधि और अधिकारी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करेंगे। अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव रामगढ़ जिले के नेमरा में मंगलवार को किया जाएगा। इसमें कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी शामिल होंगे। शिबू सोरेन के निधन पर पूरे देश में शोक की लहर है। देश के विभिन्न नेता उनके निधन पर दुख जता श्रद्धांजलि अर्पित कर रहे हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त किया और

कहा कि उनका निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। राष्ट्रपति ने कहा कि सोरेन ने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने एक्स पर साझा एक पोस्ट में कहा, 'शिबू सोरेन जी का निधन सामाजिक न्याय के क्षेत्र में एक बड़ी क्षति है। उन्होंने आदिवासी पहचान और झारखंड राज्य के गठन के लिए संघर्ष किया। जमीनी स्तर पर अपने काम के अलावा, सोरेन ने झारखंड के मुख्यमंत्री, केंद्रीय मंत्री और सांसद के रूप में भी योगदान दिया।' उन्होंने कहा, 'लोगों, विशेषकर आदिवासी समुदायों के कल्याण के लिए किए गए कामों से उन्हें हमेशा याद रखा जाएगा। मैं उनके पुत्र और झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, परिवार के अन्य सदस्यों और प्रशंसकों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करती हूं।' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन पर दुख व्यक्ति किया और ट्वीट करते हुए लिखा, 'शिबू सोरेन एक जमीनी नेता थे, जिन्होंने जनता के प्रति अटूट समर्पण के साथ सार्वजनिक जीवन में तरक्की की। वे आदिवासी समुदायों, गरीबों और वंचितों को सशक्त बनाने के लिए खास तौर पर प्रतिबद्ध रहे। उनके निधन से दुख हुआ। मेरी संवेदनाएं उनके परिवार और समर्थकों के साथ हैं। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन जी से बात की और संवेदना व्यक्त की। ओम शांति।' केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शिबू सोरेन के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने राज्य में आदिवासी समुदाय के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए दशकों तक संघर्ष किया। एक्स पर साझा एक पोस्ट में अमित शाह ने लिखा, सोरेन के निधन की खबर बेहद दुखद है। उन्होंने झारखंड में आदिवासी समुदाय के अधिकारों और सशक्तिकरण के लिए दशकों तक संघर्ष किया। अपने सरल व्यक्तित्व और विनम्र स्वभाव से वे आम जनता से जुड़े रहे। ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल सोरेन परिवार और उनके प्रशंसकों व समर्थकों को इस दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। शांति, शांति, शांति।' कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा, शिबू सोरेन ने न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज के लिए संघर्ष किया। आज पूरा देश उन्हें याद कर रहा है। शिबू सोरेन के निधन पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने कहा कि 'मैंने कल्पना जी (कल्पना सोरेन) को मैसेज किया है। यह हम सभी के लिए बहुत दुखद समाचार है। हम उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करते हैं, हमारी प्रार्थनाएं उनके साथ हैं।' झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने भी शिबू सोरेन के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, शिबू सोरेन जनजातीय समाज के सशक्त स्वर थे। उनका जाना एक युग का अंत है। वे एक आंदोलनकारी और संघर्षशील नेता रहे। पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास ने कहा कि शिबू सोरेन का पूरा जीवन संघर्ष से भरा रहा। एक समाज सुधारक और आंदोलनकारी नेता के रूप में वे हमेशा याद किए जाएंगे। उनके मुख्यमंत्री कार्यकाल में मुझे मंत्री बनने का मौका मिला। वे गरीब और आदिवासी बच्चों के लिए रात्रि पाठशाला खोलने के पक्षधर थे। वे सिर्फ झारखंड नहीं, बल्कि पूरे देश में आदिवासी समाज की पहचान थे। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने झारखंड के अपने पूर्व समकक्ष को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की और पड़ोसी राज्य की राजनीति में उनके महत्वपूर्ण योगदान को याद किया। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, 'झारखंड की राजनीति में उनका महत्वपूर्ण योगदान स्मरणीय है। उनके निधन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश के राजनीतिक और सामाजिक क्षेत्र को अपूरणीय क्षति हुई है। मैं ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति और उनके परिवार एवं प्रशंसकों को इस दुःख की घड़ी को धैर्यपूर्वक सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना करता हूं।' राजद नेता लालू प्रसाद यादव ने कहा, 'शिबू सोरेन दलितों और आदिवासियों के एक महान नेता थे और मेरे उनसे अच्छे संबंध थे। मुझे दुख है। ईश्वर उनकी आत्मा को शांति दे।

तीन दिनों का राजकीय शोक

दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर तीन दिनों का राजकीय शोक घोषित किया गया है। मंत्रिमंडल सचिवालय एवं निगरानी विभाग की ओर से बताया गया है कि पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर राज्य सरकार ने 4 से 6 अगस्त तक तीन दिनों तक राजकीय शोक मनाने का फैसला लिया है। इस दौरान राष्ट्रीय ध्वज आधे झुके रहेंगे और किसी तरह का राजकीय समारोह आयोजित नहीं होगा। साथ ही 4 और 5 अगस्त को राज्य के सभी सरकारी कार्यालय बंद रहेंगे। साथ ही अन्य सरकारी आयोजन नहीं किए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

सड़क हादसे में एमआर की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। डोमचांच थाना क्षेत्र में मेहता भवन के पास रविवार की देर रात एक सड़क दुर्घटना में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। युवक रांची में एक दवा कंपनी में मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव के रूप में कार्यरत था। मृतक की पहचान कालीमंडा निवासी राज सिंह के रूप में हुई है।

एम्बुलेंस से टकरा बाइक सवार किशोर की मौत

जामताड़ा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के नारायणपुर थाना क्षेत्र के पबिया स्थित कोलहर पेट्रोल पंप के पास सोमवार को एंबुलेंस से टकरा बाइक सवार 13 वर्षीय किशोर शहाबुद्दीन अंसारी की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। बाइक चला रहा युवक अशरफ अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

सड़क दुर्घटना में छात्र की मौत

कोडरमा(नबिटा ब्यूरो)। जिले में एक दुखद घटना सामने आई है। जयनगर थाना क्षेत्र के अंतर्गत कंपिटेंट पब्लिक स्कूल तेतरौन के कक्षा तीन के छात्र सागर कुमार (10) की सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। सोमवार को सागर अपने गांव मतौनी से साइकिल पर स्कूल जा रहा था। तेतरौन मस्जिद के समीप उसकी साइकिल अनियंत्रित हो गई और वह सड़क पर गिर पड़ा। घटना की सूचना मिलते ही परिजन तुरंत घटनास्थल पहुंचे। घायल सागर को सदर अस्पताल कोडरमा ले जाया गया। चिकित्सकों की कोशिशों के बावजूद इलाज के दौरान उसकी मृत्यु हो गई।

विधानसभा का मानसून सत्र अनिश्चितकाल तक स्थगित

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

रांची। झाखंड विधानसभा के मानसून सत्र की कार्यवाही को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया है। झारखंड के पूर्व सीएम शिबू सोरेन के निधन के कारण स्पीकर ने यह सत्र को स्थगित किया है। मानसूत्र सत्र के दूसरे दिन की कार्यवाही गुरुजी के निधन से जुड़े शोक संदेश के साथ अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दी गई। कार्यवाही शुरु होते ही 'शिबू सोरेन अमर रहे' के नारों से सदन गूंज उठा। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने भारी मन से कहा कि बाबा नहीं रहे। विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि आज का दिन हम सभी के लिए अत्यंत दुख और शोक का दिन है। यह बताते हुए हमें गहरा दुख हो रहा है कि झारखंड के महान नेता, समाज के मार्गदर्शक और अलग झारखंड राज्य आंदोलन के पुरोधा, झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, पूर्व केंद्रीय मंत्री, वर्तमान राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन का स्वर्गवास हो गया। झारखंड के वंचित समाज को अंधकार से निकालकर हक के प्रकाश को उज्ज्वल करने वाले शिबू सोरेन हमारे बीच नहीं रहे। उनका जाना न केवल झारखंड के लिए बल्कि संपूर्ण भारतवर्ष के लिए अपूरणीय क्षति है। राजनैतिक जगत में, सामाजिक जगत में अन्याय के खिलाफ अनवरत प्रतिवाद के लिए जाने जाते थे। हम बहुत दुखी हैं। बाबा नहीं रहे। उनकी यादें, उनकी बातें, उनकी प्रेरणा और उनका आंदोलन और उनका झारखंड बाबा हमेशा हमलोगों के बीच रहेंगे। इस दुख की घड़ी में सभी की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की जाती है। सदन में सभी नेताओं ने 'शिबू सोरेन अमर रहें' के नारे लगाए। इसके साथ ही सभी नेताओं ने नम आंखों से शोक व्यक्त किया।

पलामू में तीन शातिर चोर गिरफ्तार

मेदिनीनगर(नबिटा ब्यूरो)। पलामू पुलिस ने शहर में बढ़ती चोरी की घटनाओं पर कड़ी कार्रवाई करते हुए तीन शातिर चोरों को गिरफ्तार किया है। ये चोर सड़क से लेकर ट्रेन तक चोरी की घटनाओं को अंजाम देते हैं। एसपी के निर्देश पर टीओपी टू प्रभारी के नेतृत्व में रेलवे स्टेशन क्षेत्र में छापेमारी अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान रेलवे कॉलोनी से टीओपी टू जाने वाले मार्ग पर एक संदिग्ध व्यक्ति प्रमोद पाण्डेय को रोककर तलाशी ली गई। पूछताछ में प्रमोद ने अपने दो साथियों अनिकेत तिवारी और संजीत ओझा के साथ मिलकर कई ट्रेनों और शहर में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने की बात स्वीकार की। पुलिस ने आरोपियों के पास से दो मोटरसाइकिल, एक डेल कंपनी का लैपटॉप और विभिन्न कंपनियों के आठ मोबाइल फोन बरामद किए हैं। गिरफ्तार आरोपियों में प्रमोद पाण्डेय, अनिकेत तिवारी और संजीत ओझा शामिल हैं।

प्रेमी युगल की हत्या, पांच गिरफ्तार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

मेदिनीनगर। पलामू जिले के तरहसी थाना अंतर्गत टरिया गांव में शुक्रवार की रात एक प्रेमी जोड़े की हत्या कर दी गई। इसका खुलासा तब हुआ जब रविवार की देर रात पानी भरे कुएं से युवक-युवती की लाश बरामद की गई। पुलिस ने इस मामले में लड़की की मां समेत पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया है। मृतकों में भंडरा के वीरेंद्र सिंह के पुत्र सुभाष कुमार उर्फ कारू मेहता (22) और टरिया गांव के उपेंद्र सिंह की पुत्री विभा कुमारी (22) शामिल हैं। कारू मेहता ट्रैकर चालक था। कारू शुक्रवार से लापता था। परिजनों ने इसकी सूचना पुलिस को दी थी। दरअसल, यह कुआं विभा के घर से मात्र 100 मीटर की दूरी पर स्थित है। दोनों के शरीर पर गहरे जख्म के निशान पाए गए थे। प्रेमी जोड़े की लाश मिलने के बाद पुलिस लड़की के परिजनों को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही थी। इसके बाद

आरोपियों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया। पलामू एसपी रीष्मा रमेशन के अनुसार प्रेमी युगल की हत्या ऑनर किलिंग है। इस मामले में सोमवार को लड़की के पिता उपेन्द्र महतो, चाचा जनेश्वर महतो, विमलेश महतो उर्फ राजेश महतो, राकेश महतो और मां कलावती देवी को गिरफ्तार कर लिया गया है। युवती के पिता उपेन्द्र महतो और मां कलावती देवी ने पूछताछ में यह स्वीकार किया कि उनकी बेटी विभा कुमारी का सुभाष कुमार के साथ प्रेम संबंध था। लगभग डेढ़ माह पूर्व परिजनों द्वारा दोनों को समझाया गया था लेकिन उनका संबंध जारी रहा। एसपी के अनुसार शुक्रवार की रात योजनाबद्ध तरीके से बेटी को बहला कर प्रेमी सुभाष को बुलवाया गया और फिर पिता, मां और चाचा ने मिलकर दोनों की हत्या कर शव को छुपाने के उद्देश्य से दीपन महतो के कुएं में फेंक दिया था। हत्या में प्रयुक्त लाठी और लोहे का रॉड बरामद कर लिया गया है।

पीवीयूएनएल ट्रांसमिशन लाइन का कटिया ग्रिड से सफल रिचार्ज

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पतरातु। कटिया ग्रिड से रविवार की देर शाम पीवीयूएनएल की ट्रांसमिशन लाइन का सफलतापूर्वक रिचार्ज किया गया। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की जानकारी ट्रांसमिशन जोन, हजारीबाग के महाप्रबंधक राजलाल पासवान ने दी। उन्होंने बताया कि फिलहाल 24 घंटे तक लाइन पर लोड रखा जाएगा, उसके उपरांत पीवीयूएनएल के निर्देशानुसार लोड डालकर सिस्टम को व्यवस्थित किया जाएगा। यह कदम यूनिट-1 के सफल संचालन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। इस

अवसर पर पीवीयूएनएल के सीईओ ए.के. सहगल, सीजीएम (प्रोजेक्ट) अनुपम मुखर्जी, जीएम (ओएंडएम) मनीष क्षेत्रपाल, जीएम (प्रोजेक्ट) विष्णु दत्त दास, जीएम (टीएस) संगीता दास, जीएम (एसएलडीसी) अरुण कुमार, जीएम (ट्रांसमिशन, डाल्टनगंज) उमेश कुमार सिंह, डीडीएम परवीन राम, सीनियर मैनेजर सुनील कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

नदी में डूबने से बुजुर्ग की मौत

गोड्डा(नबिटा ब्यूरो)। जिले के हनवारा थाना क्षेत्र में रामकोल घारण्डी पुल के पास नदी में डूबने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। मृतक की पहचान रामकोल निवासी 65 वर्षीय सुलेमान आलम के रूप में की गई है। परिजनों के अनुसार, सुलेमान खेत देखने गए थे। खेत के बगल में नदी थी। इसी दौरान वे फिसलकर नदी में गिर गए और करीब 200 मीटर तक बह गए। उनका शव बांस के पेड़ में अटका मिला। स्थानीय लोगों ने घटना की जानकारी हनवारा पुलिस को दी।

ईंट व्यवसायी के बेटे को अगवा करने के मामले में चार धराये

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जमशेदपुर। सरायकेला के एक ईंट व्यवसायी के बेटे को अगवा कर दो करोड़ रुपये की फिरौती मांगने के सनसनीखेज मामले में पुलिस ने बड़ी कामयाबी हासिल की है। मानगो के जवाहर नगर में हुई एक नाटकीय छापेमारी में पुलिस ने एक युवती समेत चार अपराधियों को धर दबोचा। इस दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर गोलियां भी चलाईं, लेकिन पुलिस की जवाबी कार्रवाई में वे पस्त हो गए। मौके से दो हथियार भी बरामद हुए हैं। सरायकेला के सीनी इलाके से 20 जुलाई को अगवा किए गए ईंट व्यवसायी खुर्शीद के 20 वर्षीय बेटे हसन के मामले में पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। मानगो के जवाहर नगर में एक मकान में छिपे अपहरणकर्ताओं को जब पुलिस ने घेरा तो उन्होंने फायरिंग शुरू कर दी। हालांकि, पुलिस ने बहादुरी का परिचय देते हुए एक युवती समेत चार अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार लोगों में आदित्यपुर का कुख्यात अपराधी कलीम खान भी शामिल है।

सावन की अंतिम सोमवारी पर भक्तों की लंबी कतार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

देवघर। सावन की आखिरी और चौथे सोमवार पर देवघर में आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। पिछली तीन सोमवारियों की तरह आज भी लाखों कांवड़िये बाबा धाम पहुंचे। सुबह सरकारी पूजा के बाद 4:10 बजे आम भक्तों के लिए मंदिर के पट खोल दिए गए। वहीं, झारखंड के सभी शिवालयों में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी है। रांची स्थित पहाड़ी मंदिर में भी सुबह से भक्तों की भीड़ लगी हुई है। भगवान भोले के जलाभिषेक के लिए श्रद्धालु कतार में खड़े होकर आगे बढ़ रहे हैं। पुलिस प्रशासन ने भी सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। आम भक्तों के लिए मंदिर का पट खोलने से पहले विशेष पूजा-अर्चना की गई। बाबा को सबसे पहले कांचा जल स्नान कराया गया। इसके बाद षोडषोपचार के साथ

पूजा की गई। इसके बाद जलार्पण शुरू हुआ। मेले की अंतिम और चौथी सोमवारी होने की वजह से जिला प्रशासन अलर्ट मोड पर है। श्रावण माह को हिंदू धर्म में बेहद पवित्र माना जाता है। मान्यता है कि इसी माह में समुद्र मंथन हुआ था, जिसमें निकले हलाहल विष को महादेव ने ग्रहण किया था। महादेव के कंठ में जलन होने पर उन्हें गंगाजल और बेलपत्र दिया गया था। तब से श्रावण माह में भगवान भोलेनाथ को जल अर्पण कर बेलपत्र चढ़ाने की परंपरा चली आ रही है। देवघर का यह मेला सबसे लंबी दूरी वाला माना जाता है। कांवड़िये बिहार के सुल्तानगंज की उत्तर वाहिनी गंगा से जल लेकर 108 किलोमीटर की पैदल यात्रा करते हैं। इसके बाद वे देवघर पहुंचकर बाबा भोलेनाथ पर जलार्पण करते हैं। सोमवारी के दिन कांवड़ियों की कतार मंदिर से लगभग 5 से 8 किलोमीटर दूर तक पहुंच जाती है। आज भी कांवड़ियों का निरंतर आगमन जारी है और पूरा बाबा नगरी हर-हर महादेव के जयकारों से गुंजायमान है।

FOR REGISTRATION : ISO, TRADE MARK, PATENT

DESIGN AND COPYRIGHT, ATTORNEY

GLOBAL VISION

(A Complete Solution in Professional Services)

: Regd. Office/ Head Office :

Manaitand, Near Water Tank

Dhanbad, Jharkhand- 826001

Command Office : Jagat Trade Centre, Patna

Contact No.- 9835333441, 8210823092

E-Mail : globalvision96@yahoo.in

लाल निशान पार कर चुकी गंगा अभी और उफनाएगी

बिहार में भीषण बाढ़ की आशंका से खौफ, धान-सब्जी सब बर्बाद

बक्सर, एजेंसी। बिहार के बक्सर जिले में रविवार को गंगा का जलस्तर खतरे के लाल निशान को पार कर चुकी है। जिससे शहर के सभी 32 घाट जलमग्न हो गए हैं। रामरेखाघाट सहित हर घाट के किनारे गंगा का पानी अब तटवर्ती घरों के करीब पहुंच गया है। जिससे तटवर्ती इलाके में संकट गहराने लगा है। शिवपुरी मठिया मोड़ के समीप मृत नहर व आसपास तक पानी का दबाव बढ़ गया है। वहीं, सहायक नदियों के साथ नहरों का रूप विकराल हो गया है। बक्सर-कोईलवर तटबंध के कई जगहों पर पानी का दबाव बढ़ने लगा है। जिससे प्रभावित क्षेत्र के लोगों को जानमाल की चिंता सताने लगी है। केंद्रीय जल आयोग के मुताबिक, जिले में झमाझम हो रही बारिश और गंगा के ऊपरी जलग्रहण क्षेत्रों में जलस्तर में बढ़ोत्तरी जारी है। रविवार की सुबह 11 बजे गंगा का जलस्तर 60.32 मीटर के खतरे के निशान को पार कर गई। सुबह 01 सेमी प्रतिघंटे की दर से गंगा का जलस्तर बढ़ रहा है। महज सात घंटे में ही गंगा का पानी खतरे के निशान से 17 सेमी उपर पहुंच गई है। इधर, जिला प्रशासन द्वारा जारी सूचना के अनुसार, आगामी 05 अगस्त की दोपहर 12 बजे तक गंगा का जलस्तर 60.85 मीटर तक पहुंचने का अनुमान है। प्रशासन के स्तर से किसी भी आपात स्थिति में सहायता के लिए 06183-223333 दूरभाष संख्या जारी किया गया है।

बाढ़ के पानी से घिरा जवहीं दियर, लोग भयभीत : गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से जवहीं दियर पंचायत के लोग खौफजदा हैं। बक्सर-कोइलवर तटबंध के किनारे बसे गांव बाढ़ की चपेट में हैं। खासकर, जवहीं दियर पंचायत का महाजी डेरा पानी से घिर चुका है। खेतों में पानी भरने से धान और सब्जी की फसल बर्बाद होने लगी हैं। पंचायत के बीडीसी मुन्ना यादव ने बताया कि जवहीं दियर का महाजी डेरा हर साल बाढ़ की मार झेलता है। बाढ़ से प्रभावित लोग प्रशासन से राहत शिविर चलाने, नाव की पर्याप्त व्यवस्था कराने और बर्बाद फसलों का मुआवजे देने की मांग की है। बाढ़ का पानी बढ़ने से ग्रामीणों में भय एवं दहशत का माहौल कायम है।

सहम हुए हैं दियारा के लोग

गंगा नदी के जलस्तर में हो रही लगातार बढ़ोतरी के बाद दियारावासी एक बार फिर बाढ़ को लेकर सशंकित हैं। 08 साल पहले आई प्रलयकारी बाढ़ ने तटीय इलाके के लोगों को बड़े पैमाने पर जान-माल की क्षति पहुंचाई थी। बाढ़ का वो लम्हा उनके लिए किसी काल से कम नहीं था। प्राकृतिक आपदा के खौफनाक मंजर को याद कर लोगों की रूह आज भी कांप जाती है। इधर, एक बार फिर गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी होने पर ग्रामीणों में भय एवं दहशत का माहौल कायम है। बाढ़ की आशंका को भांप लोग अभी से ही एहतियाती कदम उठाने शुरू कर दिए हैं, ताकि कुदरत के कहर से होने वाले नुकसान को कम किया जा सके। जिस रफ्तार से गंगा का पानी बढ़ रहा है, उससे बाढ़ की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता।

बाढ़ में घिर जाते है दर्जनों गांव : बाढ़ के दौरान प्रखंड क्षेत्र के श्रीकांत के डेरा, लाल सिंह के डेरा, बेनीलाल के डेरा, गर्जन पाठक के डेरा, रामदास के डेरा, अभिलाख डेरा, दली डेरा, तिलक राय के हाता, भिक्षुक के डेरा व गुरूदेव नगर सहित चक्की एवं ब्रह्मपुर प्रखंड के दर्जनों गांव पानी में विलीन हो जाते हैं। चूंकि, वो सभी गांव गंगा नदी के गर्भ में बसे हुए हैं। ऐसे में बाढ़ आने के बाद गंगा की उफनती धाराएं वहां तेजी से अपना पांव पसारने लगती है। बाढ़ के दौरान सबसे भयावह स्थिति रामदास के डेरा एवं श्रीकांत के डेरा गांव की होती है। बाढ़ के खतरे का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि गंगा नदी का पानी तिलक राय के हाता गांव के उत्तर नाले में पहुंच चुका है। सनद रहे कि, अगस्त 2016 में आई प्रलयकारी बाढ़ ने गंगा के तटीय गांवों में जमकर तांडव मचाया था। जान-माल की बड़े पैमाने पर क्षति पहुंची थी।

कर्मनाशा नदी का भी जलस्तर बढ़ा : गंगा और कर्मनाशा के जलस्तर में तेजी से वृद्धि होने से गंगा नदी का पानी अपने तटीय इलाके से आगे बढ़ते हुए दूर तक खेतों में फैल गया है। जिससे फसलें डूब गई हैं। कर्मनाशा का पानी भी बनारपुर और सिकरौल गांव के निचले हिस्से और रास्ते में पसरने के बाद अब चौसा-मोहनिया मार्ग पर चढ़ गया है। रविवार को बाढ़ का पानी चौसा गोला और बनारपुर गांव के बीच स्थित एक पुलिया पर लगभग दो सौ मीटर की दूरी तक एक-डेढ़ फ़ीट की ऊंचाई तक फैल गया है। सीओ उद्धव मिश्रा ने बताया कि बाढ़ की स्थिति पर नजर रखी जा रही है। यदि सड़क पर पानी का बढ़ना जारी रहा तो यहां बैरिकेटिंग लगाकर छोटे-बड़े वाहनों की आवाजाही बंद कर दी जाएगी। लोगों की आवाजाही के लिए नाव की व्यवस्था की जाएगी।

एसडीएम ने लिया तटबंध का जायजा

गंगा नदी के बढ़ते जलस्तर के बाद रविवार को डुमरांव एसडीओ राकेश कुमार, बीडीओ लोकेन्द्र यादव व सीओ भागवती शंकर पांडेय अपने मातहतों के साथ बक्सर-कोइलवर तटबंध पर स्थित सूचित राय के डेरा, कोयलावीर घाट व गंगौली घाट का निरीक्षण। अधिकारियों ने नाविकों और राहगीरों को नाव पर सफर के दौरान सावधानी की सलाह दी। नाव पर बाइक नहीं ले जाने की सख्त नसीहत दी। एसडीएम ने तटबंध पर जगह-जगह रूक कर गंगा के गर्भ में बसे गांवों के हालातों का भी जायजा लिया और अधीनस्थ पदाधिकारियों को बाढ़ प्रभावित लोगों को हर संभव मदद पहुंचाने का निर्देश दिया। जांच के बाद एसडीएम का कारवां चक्की प्रखंड के जवहीं दियर होते हुए ब्रह्मपुर प्रखंड के नैनीजोर की तरफ प्रस्थान कर गया।

संक्षिप्त समाचार

बांका में ऑटो-बाइक की टक्कर में युवक की मौत : दूसरा गंभीर रूप से घायल

बांका, एजेंसी। बांका में रविवार रात विक्रमपुर मोड़ के पास लहसुन की बोरी लदी ऑटो और बाइक की आमने-सामने टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार लखपुरा गांव निवासी चुटारी दास की मौके पर ही मौत हो गई। उनके साथ सवार विश्वकर्मा कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना पंजवारा थाना क्षेत्र के भेड़ामोड़-पंजवारा मुख्य मार्ग पर हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, दोनों युवक बाइक पर पंजवारा की ओर जा रहे थे। इसी दौरान विपरीत दिशा से तेज गति में आ रही ऑटो से उनकी सीधी टक्कर हो गई। घटना की सूचना मिलते ही पंजवारा थाना की डायल 112 टीम और थानाध्यक्ष मनीष कुमार मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घायल को एम्बुलेंस से अतिरिक्त प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पंजवारा पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद उसे बेहतर उपचार के लिए बांका सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। मृतक चुटारी दास की मौत की खबर गांव पहुंचते ही कोहराम मच गया। उनकी पत्नी और अन्य परिजन अस्पताल पहुंचे। मृतक पांच बच्चों के पिता थे। इनमें चार बेटियां और एक बेटा शामिल है। थाना अध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए बांका भेजा गया है। पुलिस मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गाड़ी से गिरा कावड़िया, दूसरे वाहन ने सिर कुचला

शेखपुरा, एजेंसी। शेखपुरा-शाहपुर मुख्य सड़क मार्ग पर रविवार की रात खखरा गांव के पास अज्ञात वाहन ने कावड़िया को कुचल दिया। हादसे में 35 वर्षीय युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही कुसुंभा थाना के थानाध्यक्ष सह पुलिस सब इंस्पेक्टर अमरेश कुमार सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। पुलिस ने मृतक के शव को जब्त कर रातों रात सदर अस्पताल पहुंचाया। थानाध्यक्ष अमरेश कुमार सिंह ने बताया कि मृतक देवघर से शिवलिंग पर जलाभिषेक करके वापस लौट रहा था। वह किसी कावड़िया वाहन से इस मुख्य सड़क मार्ग होकर राजगीर की ओर जा रहा था। तेज गति में आगे बढ़ रहे कावड़िया वाहन से वह नीचे सड़क पर गिर पड़ा। घटना के समय अन्य कावड़िया वाहन पर सो रहे थे। उन्होंने बताया कि सड़क पर गिरे कावड़िया को किसी अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में मृतक का सिर बुरी तरह क्षत-विक्षत हो गया। इस कारण उसकी पहचान नहीं हो पाई है। पुलिस ने मृतक के पास से गांजे की कुछ पुड़िया भी बरामद की है। थानाध्यक्ष ने बताया कि मृतक के शव की पहचान के लिए उसे अगले 72 घंटों तक सदर अस्पताल में सुरक्षित रखा जाएगा।

26 अगस्त से पूर्णिया एयरपोर्ट से टिकट बुकिंग होगी शुरू : सांसद पप्पू यादव

पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के लोगों के लिए एक खुशखबरी है। सांसद पप्पू यादव की मानें तो पूर्णिया एयरपोर्ट से विमानों के लिए टिकट बुकिंग जल्द शुरू होगा। पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव ने रविवार को एक बार फिर पूर्णिया एयरपोर्ट का दौरा किया और यहां चल रहे निर्माण कार्यों का गहन निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने एयरपोर्ट की घेराबंदी और सड़क मार्ग की कनेक्टिविटी में हो रही देरी पर नाराजगी जताई और सीधे तौर पर बिहार सरकार को जिम्मेदार ठहराया। सांसद ने कहा कि नागरिक उड्डयन मंत्रालय के स्तर पर एयरपोर्ट का इंफ्रास्ट्रक्चर तैयार किया जा चुका है और 26 अगस्त से इंडिगो की तीन जगहों के लिए टिकट बुकिंग शुरू हो जाएगी। उन्होंने विश्वास जताया कि ÷सितंबर माह में हर हाल में पूर्णिया एयरपोर्ट से फ्लाइट उड़ान भरना शुरू कर देगी, जो पूर्णिया की जनता की जीत होगी।

मुजफ्फरपुर में आवासीय प्रमाण पत्र पर मुख्यमंत्री की फोटो: नीतीश कुमार की छवि खराब करने का आरोप

राजनीतिक षडयंत्र के एंगल पर पुलिस कर रही जांच

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। मुजफ्फरपुर में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गलत आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का प्रयास हुआ है। इसके पीछे राजनीतिक षडयंत्र को लेकर पुलिस जांच कर रही है। सरैया अंचल के राजस्व अधिकारी अभिषेक सिंह ने इस मामले में 29 जुलाई को एफआईआर दर्ज कराई है। जबकि, ये मामला 3 अगस्त को सामने आया है। अधिकारी का आरोप है कि मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल करने के लिए इस तरह की साजिश रची गई थी। जो सत्यापन के दौरान ही पकड़ा गया। अब ऑनलाइन आवेदन करने वाले साजिशकर्ता की पुलिस तलाश कर रही है। शिवहर के सलेमपुर निवासी राजस्व अधिकारी अभिषेक सिंह ने एफआईआर में कहा है कि 29 जुलाई को ऑनलाइन आवासीय प्रमाण पत्र को पूरा कर रहा था। इस क्रम में पाया कि एक आवेदन मुख्यमंत्री नीतीश कुमारी, पिता लखन पासवान, माता लकिया देवी के नाम का है।

आवेदक की तस्वीर की जगह मुख्यमंत्री की तस्वीर

आवेदन में आवेदक की तस्वीर की जगह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तस्वीर लगी हुई थी। आवेदन देखकर इसकी जांच शुरू की। जांच के क्रम में पाया गया कि अज्ञात व्यक्ति ने मुख्यमंत्री की छवि को धूमिल करने और प्रशासनिक काम के सवालों के घेरे में लाने के लिए इस तरह का आवेदन किया गया है। थाना अध्यक्ष सुभाष मुखिया ने बताया कि एफआईआर दर्ज कर छानबीन की जा रही है। एसआई अनिल कुमार को जांच अधिकारी बनाया गया है। बता दें कि हाल में ही एक कुत्ते की आवासीय प्रमाण पत्र बनाने का मामला वायरल हुआ था। जिसको लेकर देश स्तर पर बिहार में प्रशासन पर सवाल खड़ा हुआ था। साथ ही आवासीय प्रमाण पत्र के नाम पर चल रहे खेल पर सवाल उठा था। इस घटना के बाद से सूबे में आवासीय प्रमाणपत्र के ऑनलाइन आवेदन की गहन जांच की जा रही है। इसी क्रम में सरैया में मुख्यमंत्री की तस्वीर के साथ उनके गलत नाम पर आवासीय बनवाने की साजिश का पर्दाफाश हुआ है।

4 पौधों की क्रॉस ब्रीडिंग से तैयार आम का पेड़, बागवानी में करते कई तरह के नवाचार

सीवान के किसान अशोक सिंह ने इसके लिए नहीं ली ट्रेनिंग

सीवान, एजेंसी। आमतौर पर एक पेड़ एक ही किस्म का फल देता है, लेकिन सीवान के अशोक सिंह ने एक ऐसी मिसाल कायम की है, जो बागवानी के क्षेत्र में एक नजीर बन सकती है। उन्होंने आम की एक ऐसी प्रजाति विकसित की है, जिसमें एक ही पेड़ पर चार अलग-अलग किस्मों के आम लगते हैं।

न ट्रेनिंग, न वैज्ञानिक मदद, फिर भी बना डाला चमत्कारी पेड़ : बसंतपुर प्रखंड के नगौली गांव निवासी अशोक सिंह ने बिना किसी तकनीकी प्रशिक्षण या वैज्ञानिक मदद के यह कमाल कर दिखाया है। उन्होंने आम्रपाली, ऑल टाइम, दशहरी और मल्लिका किस्मों की क्रॉस ब्रीडिंग कर एक नई हाइब्रिड प्रजाति तैयार की है। इस पेड़ पर हर किस्म के आम का रंग, स्वाद और आकार अलग-अलग होता है।

4 साल पहले शुरू किया था प्रयोग : अशोक सिंह ने बताया कि उन्होंने चार साल पहले यह प्रयोग शुरू किया था। आज उनके पास ऐसे 10 पेड़ तैयार हैं, जिनसे वे आम की अच्छी फसल भी ले चुके हैं। इस प्रजाति को उन्होंने अब तक कोई नाम नहीं दिया है, लेकिन इसकी मांग तेजी से बढ़ रही है।

दो साल में फल देने लगता है पेड़ : अशोक सिंह ने बताया कि यह नया पौधा सिर्फ दो साल में फल देना शुरू कर देता है, जबकि पारंपरिक आम के पौधों में यह प्रक्रिया 4-5 साल लेती है। इस वजह से कई किसान अब उनसे पौधे खरीद रहे हैं।

नर्सरी में 500 से ज्यादा फलों और फूलों की प्रजातियां : अशोक सिंह ने अपने आठ एकड़ पुश्तैनी जमीन को हार्टिकल्चर जोन में तब्दील कर दिया है। यहां वे 500 से ज्यादा प्रजातियों के पौधे उगा रहे हैं। बंगाल से लाकर वे थाइलैंड का ह्वाइट वाटर एपल, मियां जाकी आम और दुर्लभ मसालों के पौधे भी उगा रहे हैं।

बागवानी को बनाया करियर और कारोबार : अशोक सिंह भूगोल में एमए पास हैं। उन्होंने पढ़ाई के दौरान मिट्टी और जलवायु पर विशेष ध्यान दिया। कोलकाता की उन्नत नर्सरियों से प्रेरणा लेकर उन्होंने बागवानी को ही अपना करियर बना लिया। अब उनकी आमदनी भी अच्छी हो रही है और गांव के दूसरे किसान भी उनसे प्रेरित हो रहे हैं।

जलवायु की सीमाएं तोड़ने वाला बागवान : अशोक सिंह पहाड़ी फलों की खेती भी मैदानी इलाके में कर रहे हैं। उन्होंने आड़ू (सतालू), सेब और सफेद जामुन की खेती कर यह साबित किया है कि मेहनत और प्रयोग से जलवायु की सीमाएं भी बेमानी हो सकती हैं। अशोक सिंह आज सीवान ही नहीं, पूरे बिहार के किसानों के लिए प्रेरणा बन चुके हैं। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के उन्होंने जो कर दिखाया है, वह साबित करता है कि इच्छाशक्ति, अध्ययन और लगातार प्रयोग से खेती को भी नवाचार का क्षेत्र बनाया जा सकता है।

बिहार में पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव, टूटे खिड़कियों के कांच

मुजफ्फरपुर, एजेंसी। बिहार में एक बार फिर वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को निशाना बनाया गया है। मुजफ्फरपुर-नरकटियागंज रेलखंड पर असामाजिक तत्वों ने रविवार की शाम एक बार फिर पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पथराव कर दिया। घटना शाम 05:50 बजे के करीब मेहसी व चकिया के बीच चकिया स्टेशन के आउटर सिग्नल के समीप की है। हालांकि उक्त घटना में किसी यात्री को कोई चोट नहीं आयी है, इसके चलते गाड़ी भी डिटेन नहीं हुई है। ट्रेन चकिया स्टेशन पर लाइन क्लियर नहीं होने के चलते कुछ देर के लिए रुकी हुई थी। पथराव में गाड़ी संख्या 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत एक्सप्रेस के कोच संख्या सी -3 के सीट संख्या 50, 51 व 52 के पास का कांच क्षतिग्रस्त हो गया है। आरपीएफ पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद ने बताया कि सूचना पर असामाजिक तत्वों की पहचान व गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है।

पथराव के खिलाफ किया था जागरूक

आपको बता दें कि गोरखपुर-पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन पर बढ़ी पत्थरबाजी की घटनाओं ने रेल प्रशासन की नींद उड़ा दी है। घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से हाल ही में बापूधाम मोतिहारी रेलवे सुरक्षा बल के पोस्ट कमांडर भरत प्रसाद ने जागरूकता अभियान शुरू किया था। पोस्ट कमांडर के नेतृत्व में सोमवार को बंजरिया के झखिया मध्य विद्यालय सहित रेलवे ट्रैक के बगल के दर्जनों विद्यालयों में अभियान चलाकर स्कूली बच्चों को जागरूक किया गया था। ट्रेन आगमन के समय बच्चों को रेलवे ट्रैक से दूर रहने की सलाह दी गई थी। साथ ही चलती ट्रेनों पर पत्थर नहीं फेंकने तथा यात्रा के दौरान गाड़ियों में अनाधिकृत रूप से चेन पुलिंग नहीं करने के बारे में बताया गया था।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पहले भी पथराव

इससे पहले जुलाई के महीने में गाड़ी संख्या 26501 पाटलिपुत्र-गोरखपुर वंदे भारत ट्रेन पर सेमरा व सुगौली स्टेशन के बीच असामाजिक तत्वों ने पत्थरबाजी की थी। इस पत्थरबाजी में सी-06 बोगी की सीट संख्या 28 व 29 के पास की खिड़की का शीशा क्षतिग्रस्त हो गया था। पश्चिम चंपारण के चनपटिया स्टेशन पर भी वंदे भारत ट्रेन पर पथराव की घटना सामने आई थी। इसमें ट्रेन के गेट और खिड़की के शीशे टूट गए थे। इस मामले में आरपीएफ ने चार लोगों को गिरफ्तार भी किया था।

लापता अधेड़ का शव तालाब में मिला : नालंदा में पैर फिसलने से डूबने की आशंका

नालंदा, एजेंसी। नालंदा में शनिवार शाम से लापता अधेड़ का शव सोमवार को तालाब से बरामद किया गया है। मामला बिंद थाना क्षेत्र के सतकपुर गांव का है। मृतक की पहचान सतकपुर के रहने वाले ओम प्रकाश उर्फ छोटी महतो (42) के रूप में की गई है। घटना के संबंध में बताया जाता है कि सोमवार की सुबह जब गांव के लोग शिव मंदिर के पास बने तालाब के पास पहुंचे, तो ओमप्रकाश का शव पानी में उपलाया हुआ था। इसके बाद घटना का खुलासा हुआ। परिजन आशंका व्यक्त कर रहे हैं कि शौच करने के बाद पानी छूने के क्रम में पैर फिसल जाने के कारण डूबने से ओमप्रकाश की मौत हो गई। परिजन शनिवार देर शाम से ही खोजबीन में जुटे हुए थे। लेकिन ओम प्रकाश का कहीं अता-पता नहीं चल रहा था। ओम प्रकाश पिछले 10 सालों से रहुई बाजार में सपरिवार रहकर गुमटी की दुकान से जीविकोपार्जन कर रहे थे। वह 2 दिन पहले अपने गांव आए थे। शव मिलने की सूचना जैसे ही घरवालों को मिली।

पांच साल तक ट्रांसफर नहीं, साल में दो बार तबादले के लिए आवेदन का मौका

बिहार में टीचरों के लिए नए नियम

पटना, एजेंसी। नियुक्ति की तिथि से पांच साल तक बिहार के सरकारी स्कूलों के शिक्षकों का तबादला नहीं होगा। इस अवधि के पहले असाध्य और गंभीर बीमारी जैसी विशेष परिस्थिति में ही ट्रांसफर हो सकेगा। शिक्षा विभाग राज्य के करीब 6 लाख स्कूली शिक्षकों के तबादले को लेकर नई नियमावली तैयार कर रहा है। इसमें तबादले को लेकर स्पष्ट प्रावधान किये जा रहे हैं। नई तबादला नियमावली के प्रारूप को अंतिम रूप दिया जा रहा है। जल्द ही इसे कैबिनेट से मंजूरी लेकर लागू किया जाएगा। नई नियमावली लागू होने पर जिला स्तरीय शिक्षकों का तबादला जिलाधिकारी की अध्यक्षता में 8 सदस्यीय कमेटी करेगी। इस कमेटी में उप विकास आयुक्त, एडीएम स्तर के एक अधिकारी और जिला शिक्षा पदाधिकारी होंगे। प्रधानाध्यापक सहित प्रमंडल स्तर के शिक्षकों के तबादले को प्रमंडलीय आयुक्त की अध्यक्षता में 6 सदस्यीय कमेटी बनेगी। इसमें क्षेत्रीय शिक्षा उप निदेशक (आरडीडीई) सहित प्रमंडल स्तर के अधिकारी होंगे। कमेटी की अनुशंसा के आधार पर शिक्षकों का तबादला होगा। विशेष परिस्थिति में इस आकलन के आधार पर भी शिक्षकों का तबादला पांच साल के पहले हो सकेगा, जब एक स्कूल में सृजित पद की तुलना में अधिक शिक्षक पदस्थापित हैं, जबकि दूसरे स्कूलों में शिक्षकों की कमी है। तबादला की पूरी प्रक्रिया ई-शिक्षा कोष पोर्टल के माध्यम से होगी। तबादला चाहने वाले शिक्षक ई शिक्षा कोर्ष पोर्टल के माध्यम से साल में दो बार मई और नवंबर में आवेदन कर सकेंगे। अभी राज्य में विभिन्न कोटि के शिक्षकों के तबादला के लिए स्पष्ट नियमावली नहीं है। इसलिए विभाग सभी कोटियों के शिक्षकों, मसलन पुराने शिक्षक, विशिष्ट शिक्षक, विद्यालय अध्यापक, प्रधानाध्यापक और प्रधान शिक्षकों के लिए समेकित तबादला नियमावली बना रहा है। 2006 से राज्य में नियोजित शिक्षकों की बहाली के बाद से ही शिक्षकों के तबादला को स्पष्ट नियमावली नहीं तय हो सकी है। विभाग द्वारा अलग-अलग नियमावली बनायी भी गई थी, लेकिन लागू नहीं हो सकी। पिछले एक साल से शिक्षकों के तबादला के लिए कई निर्णय और आदेश निकलते रहे हैं। हाल में एक लाख शिक्षकों का तबादला अलग-अलग आधार पर किया गया।

नई तबादला नीति से फायदा

- नियुक्ति के बाद पांच साल तक शिक्षक एकाग्र होकर स्कूल में कार्य करेंगे
- सभी के लिए एक समान तबादला नियम होगा
- बीमार और विशेष परिस्थिति वाले शिक्षकों के तबादला में अचड़न नहीं होगी
- दो बार तबादला के लिए आवेदन कर सकेंगे
- जून और दिसंबर में तबादला होगा
- स्कूलों में पढ़ाई बाधित नहीं होगी

सिंघरावां मोड़ अंडरपास ढलाई में आई दरार, गुणवत्ता पर उठे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड के सिंघरावां मोड़ स्थित जीटी रोड पर सिक्स लेन परियोजना के अंतर्गत बन रहा अंडरपास लापरवाही और घटिया निर्माण का प्रतीक बनता जा रहा है। चार वर्षों से चल रहे इस निर्माण कार्य में अब तक एक भी लेन पूरी तरह से तैयार नहीं हो सकी है, जिससे स्थानीय लोगों में आक्रोश है। हाल ही में अंडरपास के ऊपर से आंशिक रूप से वाहनों का

आवागमन शुरू किया गया था, लेकिन महज एक सप्ताह में ही ढलाई में दरारें आने के कारण इसे बंद करना पड़ा। दरारें दो ढलाई खंडों के बीच स्पष्ट रूप से नजर आ रही हैं, जो इस निर्माण की गुणवत्ता पर बड़ा प्रश्नचिन्ह खड़ा करती हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि निर्माण कार्य में गंभीर अनियमितताएं और गुणवत्ता की अनदेखी की गई है। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि निर्माण पूरा होने के बाद इस मार्ग पर 100 टन से अधिक भार वाले वाहन गुजरेंगे, तो सड़क की सुरक्षा पर संकट आ सकता है। बताया जा रहा है कि एनएचएआई द्वारा ठेकेदार को दबाव देकर जल्दबाजी में काम शुरू कराया गया, जिसके चलते अधूरे निर्माण पर ही ट्रैफिक चालू कर दिया गया, और अब तकनीकी खामियां सामने आ रही हैं। **जनप्रतिनिधियों की मांग** मुखिया संघ अध्यक्ष बीरेंद्र रजक समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने एनएचएआई और जिला प्रशासन से इस मामले में अविलंब संज्ञान लेने की मांग की है। उनका कहना है कि यदि समय रहते जांच और मरम्मत नहीं हुई, तो यह चौपारण, सिंघरावां समेत एनएच-19 पर यात्रा करने वाले हजारों लोगों के लिए जानलेवा साबित हो सकता है। स्थानीय जनता अब प्रशासन की ओर टकटकी लगाए बैठी है कि आखिर कब इस गंभीर समस्या पर कार्रवाई होगी और कब यह अधूरी परियोजना सही मायनों में लोगों के लिए सुरक्षित साबित होगी।

शिवालयों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब, शिवभक्ति में डूबे भक्त

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हिलसा। सावन मास की अंतिम सोमवारी के अवसर पर हिलसा नगर व ग्रामीण अंचलों में शिवभक्ति की अद्भुत छटा देखने को मिली। बाबा अभयनाथ धाम, माता महाकाली मंदिर, श्री श्री गौरी दुर्गा धाम, बाबा नंदेश्वर स्थान, काली स्थान, कोर्ट परिसर शिवालय, प्रखंड कार्यालय परिसर और धर्मपुर गांव स्थित नंदेश्वर मंदिर समेत सभी प्रमुख शिवालयों में तड़के 1 बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। हर-हर महादेव और बोल बम के गगनभेदी जयघोषों से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना रहा। फतुहा गंगा घाट से सैकड़ों शिवभक्तों ने बैंड-बाजे के साथ करीब 25 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर विभिन्न मंदिरों में जलाभिषेक किया। वहीं व्रती महिलाओं ने पवित्र स्नान के बाद बेलपत्र, धतूरा, फूल, धूप-दीप व अगरबत्ती के साथ विधिवत पूजा-अर्चना की। अंतिम सोमवारी होने के कारण दिनभर रुद्राभिषेक, भजन-कीर्तन और पूजा का क्रम चलता रहा। श्रद्धालुओं का जत्था देवघर और बराबर स्थित शिवधामों की ओर भी लगातार रवाना होता रहा। श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए विभिन्न स्थलों पर सेवा शिविरों का आयोजन किया गया, जहां पानी की बोतलें, दवाइयाँ, फल व अन्य सामग्री वितरित की गई। डियावां रेलवे हॉल्ट पर प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार यादव के नेतृत्व में श्रद्धालुओं के बीच सेवाएं प्रदान की गईं। इस दौरान शंकर कुमार, उत्पल कांत, संजय कुमार, छोटू कुमार, नितीश कुमार, गौतम कुमार और तेजू कुमार जैसे युवाओं ने सक्रिय योगदान दिया। शहर के प्रमुख मंदिरों में पुलिस बल की तैनाती की गई थी ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो। सभी मंदिर परिसरों में विधि-व्यवस्था बनाये रखने के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतज़ाम किए गए थे। आचार्य संजय पांडेय ने बताया कि सावन मास शिव-शक्ति की उपासना का सबसे पवित्र काल होता है।

जहानाबाद समाहरणालय परिसर बना रणक्षेत्र महिला ने पति और बहू की कर दी पिटाई

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

जहानाबाद। जहानाबाद समाहरणालय परिसर सोमवार को बना रणक्षेत्र। जमीनी विवाद को जिलाधिकारी के समक्ष सुलझाने आए परिवार में जमकर हुई मारपीट।बताया जाता है कि सोमवार को समाहरणालय परिसर में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जिलाधिकारी के समक्ष जमीनी विवाद को सुलझाने आए एक परिवार ने आपस में ही मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान टेनी बिगहा गांव की एक महिला ने अपने पति और बहू की जमकर पिटाई कर दी, जबकि वहां कार्यालय के कर्मचारी तमाशबीन बने रहे और उनमें से कुछ लोग मोबाइल से वीडियो बनाते दिखे। प्राप्त जानकारी के अनुसार, जहानाबाद नगर थाना क्षेत्र के टेनी बिगहा गांव

का एक परिवार जमीनी विवाद को सुलझाने के लिए डीएम कार्यालय के भू- अर्जन विभाग पहुंचा था। जिसमें महिला, उसका पति, बेटा और बहू शामिल थे। महिला का आरोप है कि उसका पति धीरे-धीरे सारी जमीन एक बेटे और उसकी बहू के नाम लिख रहा है, जबकि दूसरे बेटे को कुछ नहीं दिया जा रहा है। इसी बात को लेकर विवाद बढ़ गया और कार्यालय परिसर में ही महिला ने अपने पति और बहू की पिटाई शुरू कर दी।

इस घटना के दौरान कार्यालय के कर्मचारी बाहर निकलकर मारपीट का तमाशा देखते रहे, लेकिन किसी ने बीच-बचाव की कोशिश नहीं की। कुछ लोगों ने घटना का वीडियो भी बनाया। आज के समय में ऐसे दृश्य विचलित तो करते ही हैं मगर सच्चाई यह भी है कि संपत्ति के लोभ लालच में व्यक्ति रिश्तों को तार- तार कर रहा है।इस घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।

मंत्री श्रवण कुमार ने किया 30 लाख से अधिक की योजनाओं का लोकार्पण

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

बिहारशरीफ। राजगीर प्रखंड के विभिन्न गांवों और नगर परिषद क्षेत्र में सोमवार को ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार ने लगभग 30 लाख रुपये की लागत से पूर्ण की गई विकास योजनाओं का लोकार्पण किया। मंत्री ने नाहुब गांव में सांसद मद से 6 लाख रुपये की लागत से बनी सीढ़ी घाट का उद्घाटन किया। लोदीपुर के ताड़ पर महादलित टोला में 4.75 लाख रुपये से महेंद्र रविदास से इंद्रिस मियां होते हुए वारिस तक नाली और पीसीसी सड़क का कार्य पूरा किया गया। वहीं, गोरौर के छबिलापुर में 7.65 लाख रुपये की लागत से शैलेन्द्र यादव के घर से प्राथमिक विद्यालय तक ईंट सोलिंग व पीसीसी का कार्य सम्पन्न हुआ। इसके अलावा नगर परिषद राजगीर के वार्ड संख्या 15

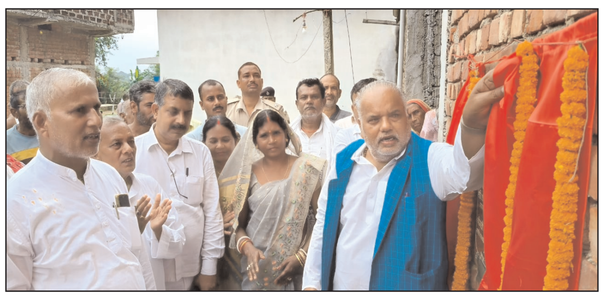

में नेकपुर स्थित बजरंग बली मंदिर के समीप 3.65 लाख रुपये की लागत से सामुदायिक भवन का उद्घाटन किया गया। इसी वार्ड में 6.72 लाख रुपये से शत्रुघ्न प्रसाद के घर से कारू प्रसाद के घर तक पेवर ब्लॉक सड़क का निर्माण भी सम्पन्न हुआ। लोदीपुर के कतलपुरा में मनरेगा योजना से 4.98 लाख रुपये की लागत से रैमा यादव से सुरेंद्र नेता के घर तक ढक्कनयुक्त नाला व पीसीसी ढलाई कार्य का उद्घाटन किया गया।

इस अवसर पर मंत्री श्रवण कुमार ने कहा नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार तेज़ी से प्रगति कर रहा है। गांवों को स्मार्ट बनाने की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। आज गांव भी शहर जैसे नज़र आने लगे हैं– जहां नल का जल, बिजली, सड़क और शिक्षा जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। उन्होंने कहा कि नीतीश सरकार ने समाज के हर वर्ग, विशेषकर महिलाओं, किसानों, विद्यार्थियों और बुजुर्गों के कल्याण के लिए कई ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। महिलाओं को आरक्षण देकर उन्हें नेतृत्व की मुख्यधारा से जोड़ा गया है। शिक्षा के क्षेत्र में विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति और प्रोत्साहन राशि दी जा रही है।

मंत्री ने यह भी कहा कि बिहार के पर्यटन स्थलों का तेजी से विकास हो रहा है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के प्रयासों से अब बिहार में गोवा से अधिक पर्यटक पहुंचते हैं। किसानों को सरकार अनुदान पर बीज, खाद और आधुनिक कृषि उपकरण दे रही है। वहीं, जीविका समूहों के माध्यम से महिलाएं आत्मनिर्भर बन रही हैं और कई महिलाएं अब बिहार से बाहर जाकर भी प्रशिक्षण का कार्य कर रही हैं। शराबबंदी को लेकर भी मंत्री ने कहा कि इससे समाज में सकारात्मक परिवर्तन आया है। लोगों की जीवनशैली में सुधार हुआ है, परिवारों में आर्थिक स्थिरता आई है। कार्यक्रम में जदयू प्रखंड अध्यक्ष जयराम सिंह, वरीय नेता मुन्ना कुमार, नगर सभापति जीरो देवी, उप सभापति मुन्नी देवी, नगर अध्यक्ष राकेश कुमार, नेता सुबेन्द्र राजवंशी, वार्ड पार्षद श्यामदेव राजवंशी, श्याम नारायण प्रसाद, देवेंद्र कुशवाहा, रानी देवी, कुमार वेदनिधि, पैक्स अध्यक्ष अजीत कुमार वर्मा, अजय पासवान, बिरजू यादव सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे। मंत्री ने अंत में कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव में जनता एक बार फिर नीतीश कुमार के नेतृत्व में पूर्ण बहुमत की सरकार बनाएगी।

बुढ़वा महादेव में सावन की अंतिम सोमवारी पर 61 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने किया जलाभिषेक, टूटा पिछला रिकॉर्ड

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बड़कागांव (हजारीबाग)। झारखंड के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल महुदी पहाड़ पर स्थित 751 फीट ऊंचे बुढ़वा महादेव मंदिर में सावन की अंतिम सोमवारी पर आस्था का अभूतपूर्व सैलाब उमड़ा। इस वर्ष करीब 61,000 श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक कर पिछले वर्ष के 50,000 श्रद्धालुओं के रिकॉर्ड को तोड़ दिया। श्रद्धालुओं का जत्था न सिर्फ बड़कागांव प्रखंड से बल्कि झारखंड के विभिन्न शहरों से पहुंचा था। रामगढ़ जिले के रजरप्पा स्थित

भैरवी नदी से 26 अखाड़ों के हजारों श्रद्धालुओं ने जल उठाकर 108 किलोमीटर की पदयात्रा करते हुए बुढ़वा महादेव में जलार्पण किया। इस दौरान हर-हर महादेव के जयघोष से वातावरण गुंजायमान हो उठा। अखाड़ों द्वारा निकाली गईं मनमोहक झांकियों ने श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। धार्मिक उत्साह के साथ-साथ प्रसाद वितरण हेतु भंडारा का भी आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में समाजसेवियों ने हिस्सा लिया और सेवा कार्य में योगदान दिया। प्रशासन और स्थानीय समितियों द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध किए गए थे। आयोजन की भव्यता और श्रद्धालुओं की आस्था ने इस बार के सोमवारी को ऐतिहासिक बना दिया।

डूबने से 10 वर्षीय बालक की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पकरीबरावां (नवादा)। पकरीबरावां प्रखंड की एरुरी पंचायत अंतर्गत रेवार गांव में सोमवार को 10 वर्षीय बालक की पईन में डूबने से मौत हो गई। मृतक की पहचान हरेराम सिंह के पुत्र ईशु कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार ईशु अपने घर के अन्य बच्चों के साथ गांव के पास बहने वाले पईन की ओर गया हुआ था। इसी दौरान खेलते समय उसका पैर फिसल गया और वह गहरे पानी में जा गिरा। जब तक आसपास के लोग कुछ समझ पाते, वह पानी में डूब चुका था। घटना की सूचना मिलते ही पंचायत के मुखिया विनय कुमार मौके पर पहुंचे और बालक के शव को खोजने के लिए ग्रामीणों की मदद से लगभग 30-40 लोगों की टीम गठित कर दी।

बच्छई मुखिया ने किया फुटबॉल वितरण, खेलों को लेकर युवाओं में दिखा उत्साह

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

चौपारण (हजारीबाग)। प्रखंड अंतर्गत बच्छई पंचायत भवन डुमरी में सोमवार को एक विशेष कार्यक्रम के तहत स्थानीय युवाओं के बीच फुटबॉल का वितरण किया गया। इस आयोजन का उद्देश्य ग्रामीण खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करना और खेल संस्कृति को बढ़ावा देना था। कार्यक्रम का नेतृत्व पंचायत के मुखिया बिरेन्द्र रजक और पंचायत समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव ने संयुक्त रूप से किया। फुटबॉल वितरण ग्राम सेवई, डुमरी, चक और बच्छई के चयनित युवा खिलाड़ियों के बीच किया गया। इस अवसर पर समाजसेवी देवल यादव, सुरेन्द्र यादव समेत कई स्थानीय जनप्रतिनिधि और ग्रामीण मौजूद थे। मुखिया बिरेन्द्र रजक ने खेलों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि खेल युवाओं के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने यह भी घोषणा की कि आगामी 15

अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर पंचायत के छह गांवों के बीच फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। पंचायत समिति सदस्य सहदेव प्रसाद यादव ने कहा कि खेल न सिर्फ युवाओं को अनुशासित बनाते हैं, बल्कि उन्हें नशा और अपराध जैसे सामाजिक बुराइयों से भी दूर रखते हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि पंचायत स्तर से हर संभव सहायता खिलाड़ियों को दी जाएगी।

दिशोम गुरु उदार प्रवृत्ति के नेता थे, उनका जाना सम्पूर्ण झारखंड वासियों की निजी क्षति : चंद्रनाथ भाई पटेल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

विष्णुगढ़। झारखंड मुक्ति मोर्चा के संस्थापक सह झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री सह पूर्व केंद्रीय मंत्री सह झारखंड राज्य आंदोलन के नेतृत्वकर्ता दिशोम गुरु शिबू सोरेन का सोमवार को नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया, लंबे समय से बीमार चल रहे दिशोम गुरु ने सोमवार की सुबह अंतिम सांस ली, उनका निधन झारखंड की राजनीति के एक युग का अंत है। उनके निधन पर झारखंड आंदोलनकारी चंद्रनाथ भाई पटेल ने शोक व्यक्त करते हुए आंदोलन के दौर के समय को याद किया और बताया कि झारखंड अलग राज्य आंदोलन के उस दौर में उन्होंने झामुमो नेता सह पूर्व सांसद कृष्णा मार्डी से मिलकर गुरु जी यानि शिबू सोरेन के संदेश को पहुंचाया था। ये दोनों नेता व शिवा महतो एकीकरण के पक्ष में नहीं थे, फिर मैंने कहा हम लोगों का एक मात्र लक्ष्य झारखंड अलग राज्य है और झारखंड राज्य हित में पार्टी को एक किया जाए। तब जा कर पार्टी का एकीकरण हुआ। आगे चंद्रनाथ भाई पटेल ने बताया कि मेरे योगदान को सम्मानित करते हुए गुरु जी के द्वारा मुझे झारखंड मुक्ति मोर्चा का केन्द्रीय सचिव बनाया गया था। उन्होंने गुरु जी के साथ राजनीति का एक लंबा समय व्यतीत किया है, गुरु जी उदार प्रवृत्ति के नेता थे। अपने सन्देश के समापन में उन्होंने कहा कि दिशोम गुरु का जाना सम्पूर्ण झारखंड वासियों की निजी क्षति है, उनके संघर्ष और बलिदान को यह राज्य हमेशा याद रखेगा।

झारखंड के पुरोधा के निधन पर विधायक प्रदीप प्रसाद ने व्यक्त की गहरी शोक संवेदना

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हजारीबाग। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद वरिष्ठ नेता एवं जननायक शिबू सोरेन 'गुरुजी' के निधन पर हज़ारीबाग़ सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने अपने शोक संदेश में कहा कि गुरुजी का जाना केवल एक राजनेता की नहीं, बल्कि एक युग की समाप्ति है। उन्होंने जिस साहस, समर्पण और संघर्ष के साथ आदिवासी समाज की आवाज़ को राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाया, वह हमेशा प्रेरणा देता रहेगा। वे झारखंड के राजनीतिक इतिहास के एक स्तंभ थे, और उनके योगदान को शब्दों में समेटना असंभव है। विधायक प्रदीप प्रसाद ने आगे कहा व्यक्तिगत रूप से मैं उन्हें एक प्रेरणादायी जननायक के रूप में मानता रहा हूँ। वे सादगी, संघर्ष और सेवा की प्रतिमूर्ति थे। उनका जीवन जनसेवा और सामाजिक न्याय के लिए समर्पित रहा। प्रभु से प्रार्थना करता हूँ कि दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवार को यह असीम दुःख सहने की शक्ति दें। गुरुजी के निधन से न केवल झारखंड, बल्कि पूरे देश की राजनीति में एक गहरी रिक्तता उत्पन्न हुई है, जिसे भर पाना कठिन है।

बाढ़ के प्रकोप से दियारा की तीन पंचायतों का संपर्क टूटा, घरों तक घुसा गंगा का पानी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

छपरा/डोरीगंज (सारण)। गंगा, सरयू (घाघरा) और सोन–सारण की तीनों प्रमुख नदियों के जलस्तर में लगातार बढ़ोतरी से जिले में बाढ़ की स्थिति गंभीर होती जा रही है। छपरा से सोनपुर तक गंगा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है, जिससे सदर प्रखंड के दियारा व तटीय इलाकों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। सदर प्रखंड के रायपुर बिंदगांवां, कोटवापट्टी रामपुर व बरहरा महाजी पंचायतों का संपर्क आरा-छपरा बृज से पूरी तरह से कट गया है। बाढ़ के पानी से रास्ते डूब चुके हैं और स्थानीय लोगों का घर से निकलना भी दूभर हो गया है। गंगा के बढ़ते जलस्तर के कारण तटीय गांवों में पानी घरों तक पहुंच चुका है। चिरांद की दलित-महादलित बस्तियों में बाढ़ का पानी घुस चुका है। भैरोपुर

पंचायत, डुमरी पंचायत के सिंगही, मूसेपुर पंचायत के नेहाला टोला और पिपरा टोला, तथा पूर्वी बलुआं क्षेत्र के दर्जनों गांव जलमग्न हो गए हैं। अवतारनगर थाना से बोधा छपरा तक मुख्य सड़क (एमएच) के किनारे भी गंगा का पानी फैल गया है। बाढ़ से मक्का और सब्जियों की फसलें बर्बाद हो चुकी हैं, जबकि मवेशियों के चरागाह भी जलमग्न हो गए हैं, जिससे पशुपालकों की समस्या और बढ़ गई है। गंगा का जलस्तर वाराणसी, गाजीपुर और बक्सर की ओर भी लगातार बढ़ रहा है, जिससे खतरा अभी टला नहीं है। बाढ़ का असर अंतिम संस्कार की प्रक्रिया पर भी पड़ा है। डोरीगंज का मुख्य श्मशान घाट पिछले 15 दिनों से डूबा हुआ है। वैकल्पिक रूप से उपयोग में लाया जा रहा तिवारी घाट भी अब जलस्तर की चपेट में आने वाला है, ऐसे में अब शवों का अंतिम संस्कार एनएच-19 (राष्ट्रीय राजमार्ग) के किनारे किया जा रहा है। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की ओर से अब तक कोई ठोस राहत या बचाव कार्य शुरू नहीं किया गया है। नाव, राहत शिविर और भोजन-पानी की व्यवस्था अभी तक नहीं पहुंची है। बहरहाल, बाढ़ की स्थिति को देखते हुए प्रशासन को अविलंब राहत सामग्री, मेडिकल सहायता और नावों की व्यवस्था करनी होगी। ताकि प्रभावित लोगों को तत्काल मदद मिल सके।

पूर्व रेलवे

खुली निविदा सूचना सं. 18-एसडीएसटीई-एएसएन-2025-26, दिनांक 01.08.2025 के तहत ई-निविदा; वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूरसंचार अभियंता, पूर्व रेलवे, आसनसोल मंडल, स्टेशन रोड, आसनसोल, पिन-713301 द्वारा निम्नलिखित कार्य के निष्पादन के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं: कार्य का नाम/स्थान: "आसनसोल मंडल-1) खाना-सीतारामपुर (अप-I एवं डाउन-I)-टीएसपी(पी)-8.010 टीकेएम, 2) टीटीआर (एफएस+टीडब्ल्यूएस+डब्ल्यूसीएमएस) -57 सेटों के संबंध में संकेत एवं दूरसंचार ट्रैक नवीनीकरण कार्य"। निविदा मूल्य: रु. 59,31,501.69; बयाना राशि: रु. 1,18,600; कार्य समापन अवधि: एलओए के जारी किए जाने की तारीख से 12 महीने। निविदा बंद होने की तारीख एवं समय: 26.08.2025 को अपराह्न 02.00 बजे। वेबसाइट का विवरण: http://www.ireps.gov.in/ (ASN-143/2025-26)
निविदा सूचनाएं वेबसाइट www.er.indianrailways.gov.in/ www.ireps.gov.in पर भी उपलब्ध है
हमें अनुसरण करें: @EasternRailway @easternrailwayheadquarter

इच्छा की अभिव्यक्ति
आद्रा मंडल में 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' योजना के लिए

भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु इच्छुक पार्टियों से मुहरबंद लिफाफों में "इच्छा की अभिव्यक्ति" आमंत्रित की जाती है: **कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में बिष्णुपुर- प्लेटफॉर्म-2 एवं 3 (स्टॉल), इंद्रबिल, अनारा, गढ़बेता, मधुकुंडा, पुरुलिया-प्लेटफॉर्म-4 (ट्रॉली) स्टेशनों पर 'एक स्टेशन-एक उत्पाद' योजना का परिचालन (01 स्टॉल एवं 05 ट्रॉली)। **कार्य का स्थान :** आवेदित स्टेशन। **अनुबंध की अवधि:** एक पारी में 15 दिन (रोस्टरवार एवं प्राथमिकतावार)। दस्तावेजों सहित भरे हुए आवेदन पत्र जमा करने की अंतिम तारीख **09.08.2025 को दोपहर1:00 बजे तक** है और इसे संबंधित स्टेशन प्रबंधक के कार्यालय में रखे गए ड्रॉप बॉक्स में **09.08.2025 को दोपहर 1:00 बजे तक** जमा करना होगा। उक्त बॉक्स **09.08.2025 को अपराह्न 3.00 बजे** खोला जाएगा। इच्छा की अभिव्यक्ति प्रपत्र दक्षिण पूर्व रेलवे की वेबसाइट **www.ser.indianrailways.gov.in** से डाउनलोड किया जा सकता है।

(PR-477) **वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, आद्रा**

दक्षिण पूर्व रेलवे
मुस्कान के साथ सेवा

दक्षिण पूर्व रेलवे - निविदा

ई-निविदा सूचना सं.: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-50-56-25, दिनांक: 01.08.2025। भारत के राष्ट्रपति के लिए तथा उनकी ओर से मंडल रेल प्रबंधक (अभियांत्रिकी), दक्षिण पूर्व रेलवे, आद्रा नीचे उल्लिखित विवरणों के अनुसार पोर्शन, यार्ड, आरयूबी/सबवे, एफओबी एवं विविध कार्यों के लिए 07 अदद ई-निविदायें आमंत्रित करते हैं: **क्रम संख्या:** 1। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-50-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में नवीनतम आरडीएसओ दिशानिर्देशों के अनुसार आरडीएसओ अनुमोदित एटी वेल्ड पोर्शन की आपूर्ति द्वारा ट्रैक के रखरखाव के लिए 60 किग्रा. 90 यूटीएस/60ईआई-आर260 के लिए एलुमिनो थर्मिट वेल्डिंग पोर्शन की आपूर्ति तथा एटी वेल्डिंग का सम्पादन। **निविदा मूल्य:** ₹ 2,79,93,757.95। **क्रम संख्या:** 2। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-51-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडलः आद्रा मंडल में (1) एसएसई/पी.वे/पुरुलिया के अधिकार क्षेत्र के अधीन यार्ड का सुधार एवं (2) एसएसई/पी.वे/चांडिल के अधिकार क्षेत्र के अधीन यार्ड का सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹ 3,45,49,771.92। **क्रम संख्या:** 3। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-52-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में कुसतौर-छर्रा (केएसयू-सीएचआरए) खंड के बीच किमी. 311/29-31 पर प्रहरी युक्त समपार फाटक संख्या जेसी-12 के उन्मूलन के लिए आरयूबी/सबवे का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 8,18,26,702.33। **क्रम संख्या:** 4। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-53-25। कार्य का विवरण:** (1) आद्रा मंडल: एसएसई (पी.वे)/कोटशिला के अधिकार क्षेत्र के अधीन यार्ड का सुधार। (2) एसएसई (पी.वे)/ बोकारो स्टील सिटी के अधिकार क्षेत्र के अधीन यार्ड का सुधार। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,41,04,237.57। **क्रम संख्या:** 5। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-54-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल में बांकुड़ा-छतना के बीच किमी. 237/26-28 पर प्रहरी युक्त समपार केए-99 के स्थान पर आरयूबी का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 7,56,30,600.92। **क्रम संख्या:** 6। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-55-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल के झंटीपहाड़ी (जेपीएच) स्टेशन पर अप एवं डाउन मेन लाइन क्रॉस ओवर तथा एक अप पैसेंजर प्लेटफॉर्म तथा एक गुड्स शेड लाइन की डिस्मैंटलिंग कार्य के सम्बन्ध में दो अदद ईआई भवन, ड्रेन का निर्माण, विंग वाल सहित पुल का विस्तार तथा पी.वे कार्य का सम्पादन। **निविदा मूल्य:** ₹ 5,81,47,766.69। **क्रम संख्या:** 7। **निविदा संख्या: ई-डीआरएम-ईएनजीजी-एडीआरए-56-25। कार्य का विवरण:** आद्रा मंडल के झंटीपहाड़ी (जेपीएच) स्टेशन पर अप एवं डाउन मेन लाइन क्रॉस ओवर तथा एक अप पैसेंजर प्लेटफॉर्म तथा एक गुड्स शेड लाइन की डिस्मैंटलिंग कार्य के सम्बन्ध में पैदल ऊपरी पुल का निर्माण। **निविदा मूल्य:** ₹ 4,51,95,217.66। **ई-निविदा बंद होने की तारीख और समय:** 01.09.2025 को अपराह्न 3:00 बजे (क्रम संख्या 1 से 7 प्रत्येक के लिए)। उपर्युक्त ई-निविदाओं के विवरण के लिए कृपया वेबसाइट: www.ireps.gov.in देखें। (PR-476)

New page 4_page 12 29.05.2025.qxd 04-08-2025 21:35 Page 1

एनएच 319 पर चल रही नाव

गंगा पहुंची खतरे के निशान से उपर

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

बक्सर। गंगा में आई बाढ़ के कारण ठोरा और कर्मनाशा नदियों में भी उफान की स्थिति बन गई है। इसके कारण चौसा प्रखंड के बनारपुर और आसपास का इलाका, सदर और इटाढ़ी प्रखंड में ठोरा नदी के दोनों तरफ के गांव, सिमरी, चक्की और ब्रह्मपुर प्रखंड में बक्सर-कोईलवर तटबंध और गंगा के बीच बसी बस्तियां प्रभावित हो गई हैं।

बक्सर-मोहनिया एनएच 319ए के चौसा-मोहनिया खंड पर बनारपुर गांव के पास सड़क पर नाव चल रही है। इस रास्ते से वाहनों का आवागमन बंद हो गया है। दूसरी तरफ सिमरी प्रखंड के कई गांवों में आने-जाने के लिए अब केवल नाव का ही सहारा बचा है। जिला मुख्यालय में गंगा के बिल्कुल किनारे बने घरों और ताड़का नाला के आसपास के करीब 50 घरों में भी इसका असर है।

पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश के मिजार्पुर जिले के नारायणपुर में गंगा के जलस्तर ने अब तक का अपना रिकार्ड ध्वस्त करते हुए सोमवार की शाम तीन बजे 74.94 मीटर का सार्वकालिक उच्च स्तर दर्ज किया है। यह वहां वर्ष 2013 में दर्ज किए गए उच्चतम स्तर से अधिक है।

इस तरह देखें तो इस बार गंगा में बाढ़ का असर बीते कुछ वर्षों की अपेक्षा अधिक दिख रहा है। जिले में गंगा का जलस्तर बढ़ते हुए खतरे के निशान से करीब 39 सेंटीमीटर ऊपर पहुंच चुका है। शाम तीन बजे गंगा का जलस्तर 60.71 मीटर पर पहुंचने के बाद लगभग स्थिर है। बीते 24 घंटे में गंगा का जलस्तर 16 सेंटीमीटर बढ़ा है।

केंद्रीय जल आयोग से प्राप्त जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह चार बजे से छह बजे के बीच जलस्तर 60.55 मीटर पर स्थिर बना रहा था। इसके बाद सात बजे 60.57 मीटर, आठ बजे 60.59 मीटर तथा नौ बजे 60.61 मीटर दर्ज किया गया। दोपहर 12 बजे 60.65 मीटर तथा शाम तीन बजे 60.71 मीटर दर्ज किए जाने के बाद शाम चार बजे भी इतने पर ही स्थिर बना रहा।

इस बीच शहर के तटवर्ती भागों में बसे अनेक लोगों के मकान बाढ़ के पानी से घिर गए हैं और लोग घरों से बाहर निकलने की जुगत लगा रहे हैं, तो दूसरी ओर शहर की छू मंतर गली में कई दिनों से 50 से अधिक घरों में बाढ़ का पानी प्रवेश कर गया है। हालांकि, अब जल्द ही इससे राहत मिलने की उम्मीद प्रबल होती जा रही है।

गाजीपुर और वाराणसी में जलस्तर बढ़ने की रफ्तार धीमी पड़ती जा रही है। वहीं, प्रयाग में गंगा तथा नैनी में यमुना की रफ्तार थम जाने की सूचना है। इससे अनुमान किया जा रहा है कि एक से दो दिनों में जलस्तर में वृद्धि रुक सकती है और इसके बाद पानी नीचे खिसकने लगेगा। हालांकि यह इस बात पर भी निर्भर करेगा कि मध्य प्रदेश में चंबल, केन और बेतवा के जल ग्रहण क्षेत्र में अगले एक-दो दिन वर्षा नहीं हो या नियंत्रित हो।

मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

बोलबम के नारों से गूंजा पूरा शहर, भक्तिमय हुए लोग

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गयाजी। सावन की अंतिम सोमवारी पर सोमवार को शहर एवं जिले भर के शिवालयों में शिवभक्तों की भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही शिवालयों में शिवभक्तों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। खासकर महिलाओं में पूजा-अर्चना को लेकर काफी उत्साह देखा गया। शहर समेत ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में दिनोंभर शिवभक्तों का तांता लगा रहा।

इस दौरान महिला व पुरुष श्रद्धालुओं ने शिवालय पहुंचकर भगवान भोलेशंकर पर फल, फूल, नैवेद्य, भांग, धथुरा, बेलपत्र आदि चढ़ाकर पूजा-अर्चना किया। इसके साथ ही शिवलिंग पर जलाभिषेक कर अपने पूरे परिवार की मंगल कामना की। पूजन के दौरान शिवभक्त हर-हर महादेव के जयकारे लगा रहे थे। पूरे शहर हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा। शहर से लेकर गांव तक लोग शिव की भक्ति में लीन दिखे।

पूजन को लेकर शहर के मारकंडेय महादेव मंदिर, पितामहेश्वर मंदिर, परपिता महादेव मंदिर फलकलेश्वर महादेव मंदिर, स्फटिक महादेव, पातालेश्वर महादेव मंदिर, मनोकामना मंदिर समेत ग्रामीण क्षेत्र के शिवालयों में पूरे दिन श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी रही। अंतिम सोमवारी को लेकर मंदिर कमेटी द्वारा लाइट लगाकर आकर्षक ढंग से सजाया गया था। शिवालयों की खूबसूरती देखते बन रही थी। पूजन को लेकर शिवभक्तों में काफी उत्साह देखा जा रहा था।

सावन माह में सोमवार को भगवान शिव की पूजा-अर्चना का अलग महत्व है। ऐसी धारणा है कि सावन माह में भगवान भोले शंकर अपने पूरे परिवार के साथ शिवालय में विराजमान रहते हैं।

पंडितों ने कहा कि सावन का अंतिम सोमवार शुक्ल पक्ष में होता है। इस पक्ष देवता का होता है, जबकि कृष्ण पक्ष पितरों का होता है। इस कारण अंतिम सोमवार को श्रद्धालु भगवान भोलेशंकर की पूजा-अर्चना कर जलाभिषेक अधिक संख्या में करते है। खासकर सोमवारी व्रत करने वाले भक्तों पर खुश होकर भगवान शिव उनकी सभी मनोकामनाएं पूरी करते हैं। वहीं सावन की अंतिम सोमवारी का व्रत करने वाले भक्तों को आर्थिक संकट से मुक्ति मिलती है। सावन के अंतिम सोमवारी पर सबसे अधिक शिव भक्तों की भीड़ मारकंडेय मंदिर में देखी गई है। जहां सुबह से श्रद्धालुओं के तांता लगा था। कतार में लगकर श्रद्धालु भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक एवं पूजा-अर्चना कर रहे थे।

मंदिर के पुजारी पप्पू गिरि ने कहा कि सावन के अंतिम सोमवारी को लेकर सुबह से लेकर शाम तक श्रद्धालुओं की भीड़ देखी गई। करीब 15 हजार श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना किए। सुबह से लेकर रात तक श्रद्धालुओं कतार में लगकर भगवान भोलेनाथ के जलाभिषेक किया। मंदिर भव्य तरीके सजाया गया है। वहीं शहर के रामशिला स्थित स्फटिक शिवलिंग के पूजा-अर्चना को लेकर सुबह से श्रद्धालु मंदिर पहुंच रहे थे।

अमेरिकी नागरिक से ठगी करने वाले पांच धराये

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। साइबर थाना की पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर कॉल सेंटर के माध्यम से इंटरनेशनल कॉल कर अमेरिकी नागरिक को ऑनलाइन सर्विस देने के नाम पर अमेरिकी नागरिक के साथ साइबर फ्रॉड करने वाले कोलकाता के पांच आरोपी को जंदाहा थाना क्षेत्र अंतर्गत एक घर से गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किया गए व्यक्ति के पास से पुलिस ने पांच लैपटॉप, 10 पीस मोबाइल 16 पीस डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड, राउटर हेडफोन माउस अन्य सामान बरामद किया। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी कोलकाता के रहने वाला बताया गया। यह जानकारी एसपी ललित मोहन शर्मा ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर दी। उन्होंने कहा गिरफ्तार किया गया व्यक्ति कॉल सेंटर के माध्यम से अमेरिकी नागरिक को वाइप इंटरनेशनल कॉल करके रिमोट एक्सेस सॉफ्टवेयर बेचता था। अमेरिकी नागरिक किस सॉफ्टवेयर खरीदने पर उसका पूरा सिस्टम को अपने कब्जे में कर, उसके बाद वह डाटा अपने मुख्य सरगना बिरजू सिंह को भेज देता था। उसके बाद बिरजू सिंह ऑनलाइन ठगी करता था।

कई अमेरिकी नागरिक के मोबाइल नंबर, अकाउंट नंबर, यूपीआई बरामद कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी को बिरजू सिंह नौकरी देने के नाम पर लाकर अपने घर में रखता था।

सभी को 1 महीने का राशन एवं जरूरत के सभी सामान उपलब्ध करवा कर उक्त काम करता था। सभी आरोपी को महीने में मोटी रकम एवं बोनस भी बिरजू सिंह देते थे। बीते छह महीने से यह कॉल सेंटर संचालित किया जा रहा था। बिरजू सिंह फिलहाल सिलीगुड़ी में है। उसकी गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है।

एसपी ने बताया कि बीते रविवार को साईबर थाना को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जंदाहा थानांतर्गत ग्राम लक्ष्मणपुर कद्दु टांड में चुल्हाई सिंह अपने मकान में पुत्र बिरजू सिंह के द्वारा अपने साथियों के साथ साइबर फ्रॉड करने का काम करते हैं।

प्राप्त सूचना का सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु साइबर थाना, हाजीपुर एवं थानाध्यक्ष जंदाहा द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए उक्त स्थल ग्राम लक्ष्मणपुर कद्दुटांड स्थित बिरजू सिंह के घर छापेमारी की गई। छापेमारी के क्रम पांच साइबर फ्रॉड डानियाल अख्तर,सैयद मोहम्मद शादाब अली,शेख आजीम, नूर आलम, मोहम्मद एहतशाम के पास से पांच लैपटॉप, 10 मोबाइल फोन, 16 डेबिट कार्ड, छह क्रेडिट कार्ड, दो राउटर पांच हेडफोन, पांच आधार कार्ड, दो माउस, दो वोटर कार्ड एवं साइबर फ्रॉड संबंधित अन्य सामान बरामद किया गया।

माले विधायक हिरासत में

जहानाबाद। वर्ष 2001 में सड़क जाम के एक मामले में अरवल के माले विधायक महानंद सिंह को अदालत ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। विधायक के वकील ने केस में जमानत के लिए जहानाबाद व्यवहार न्यायालय में अर्जी दाखिल की थी, जिसे खारिज करते हुए अदालत ने विधायक को दो-तीन दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। विधायक को मंडल कारा जहानाबाद भेजा गया है। इससे पूर्व सदर अस्पताल में विधायक की कोविड जांच की गई। जहानाबाद सदर थाने में 61/2001 केस दर्ज हुआ था। चार अगस्त 2025 को जहानाबाद व्यवहार न्यायालय में जमानत के लिए अर्जी दाखिल की थी।

केस में दर्ज नाम महानंद शर्मा था, जबकि विधायक का नाम महानंद सिंह, इसलिए मामले पर विधायक ने संज्ञान नहीं लिया। जब घर पर पुलिस पहुंची और पूछताछ की तब पता चला। जिसके बाद कोर्ट में जाकर जमानत अर्जी दाखिल की।

भाकपा माले के राष्ट्रीय महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य की झारखंड में गिरफ्तारी के विरोध में जहानाबाद में माले नेताओं व कार्यकर्ताओं ने सड़क जाम किया था।

स्वतंत्रता दिवस समारोह की तैयारी को ले बैठक

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

अररिया। स्वतंत्रता दिवस की पूर्व तैयारी को लेकर सोमवार को समाहरणालय स्थित परमान सभागार में जिला पदाधिकारी अनिल कुमार एवं पुलिस अधीक्षक अंजनी कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में सबंधित पदाधिकारियों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के साथ बैठक आहूत की गई। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा संबंधित पदाधिकारियों को कई जरूरी दिशा निर्देश दिये गये।

बैठक में वरीय उप समाहर्ता सह प्रभारी पदाधिकारी जिला सामान्य प्रशाखा,अररिया द्वारा स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित होने वाले विस्तृत कार्यक्रमों की रूप रेखा से अवगत कराया गया। बताया गया कि मुख्य कार्यक्रम नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम,अररिया में निर्धारित है। मुख्य कार्यक्रम के उपरांत जिला स्तरीय पदाधिकारीगण द्वारा चिन्हित महादलित टोलों में झंडोत्तोलन के कार्यक्रम में भाग लिया जायेगा। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा कार्यपालक पदाधिकारी,नगर परिषद,अररिया को सम्पूर्ण शहर,विभिन्न प्रतिमा स्थल सहित मुख्य समारोह स्थल पर विशेष रूप से साफ-सफाई की व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण को नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में आयोजित होने वाले मुख्य समारोह स्थल पर रंग-रोगन सहित सुरक्षा व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए स्टेडियम परिसर में आवश्यकतानुसार बैरिकेटिंग लगाने का हेतु निर्देशित किया गया। प्रभारी पदाधिकारी सामान्य प्रशाखा, अररिया को समारोह में भाग लेने वाले महानुभावों को ससमय आमंत्रण कार्ड प्रेषित करने हेतु कई आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। जिला शिक्षा पदाधिकारी को राष्ट्रीय गान के लिए बेहतर टीम तैयार करने को कहा गया। इसी प्रकार संबंधित साभी विभागों को स्वतंत्रता दिवस को लेकर सभी आवश्यक तैयारियां ससमय सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में राष्ट्रभक्ति पर आधारित सांस्कृतिक कार्यक्रम के आयोजन को लेकर एक समिति भी गठित की गई। इसके अलावा बैठक में खेलकूद कार्यक्रम को लेकर भी विस्तार पूर्वक चचार्की गई। उक्त बैठक में अपर समाहर्ता,सिविल सर्जन,अनुमंडल पदाधिकारी,जिला परिवहन पदाधिकारी,वरीय उप समाहर्ता, जिला जन सम्पर्क पदाधिकारी सहित सभी संबंधित सभी जिलास्तरीय पदाधिकारी, पुलिस पदाधिकारी एवं गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

मधुबनी में भी कुत्ता के लिए आवासीय प्रमाण पत्र

मधुबनी। पटना के मसौढ़ी में 'डॉग बाबू' के नाम पर आवास प्रमाणपत्र जारी होने के बाद मधुबनी जिले में कुछ इसी तरह का मामला सामने आया है। यहां के बाबूबरही आरटीपीएस कार्यालय में एक कुत्ते का आवास प्रमाणपत्र बनाने के लिए ऑनलाइन आवेदन प्राप्त हुआ है।इससे पहले, पूर्वी चंपारण में सोनालिका ट्रैक्टर नाम से आवास प्रमाणपत्र के लिए आवेदन दिया गया था। बाबूबरही आरटीपीएस कार्यालय में मिले आवेदन की तिथि तीन अगस्त, 2025 है। आईटी सहायक कमलेश कुमार ने इस आवेदन की सूचना सीओ को दी। सीओ लीलावती कुमारी ने आवेदन को अस्वीकृत करते हुए फर्जी प्रमाणपत्र के लिए आवेदन देने वाले व्यक्ति पर प्राथमिकी दर्ज करने के लिए बाबूबरही थाने में आवेदन दिया है। प्राप्त आवेदन में आवेदक का नाम टोपी, लिंग-पुरुष, पिता-का नाम पिल्ला, ग्राम व पोस्ट पचरुखी, प्रखंड बाबूबरही, जिला मधुबनी लिखा है। मोबाइल नंबर भी दिया गया है। सपोर्ट में जो आधार कार्ड लगाया गया है, उसमें आवेदक का नाम टोमी सिंह, पिता शेरु सिंह, जन्मतिथि 26 नवंबर, 2009 तथा कार्ड संख्या 548550008000 दर्ज है।

अब भगोड़े शिक्षकों की खैर नहीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। राज्य में सरकारी विद्यालयों में शिक्षकों की उपस्थिति को लेकर शिक्षा विभाग ने शिंकजा कस दिया है। खास तौर से विद्यालयों के भगोड़े शिक्षकों की अब खैर नहीं है। ऐसे शिक्षकों की निगरानी अब मुखिया, वार्ड सदस्य एवं गांव वाले भी करेंगे। इस संबंध में शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव डा. एस. सिद्धार्थ ने सोमवार को सभी जिला शिक्षा पदाधिकारियों, जिला कार्यक्रम पदाधिकारियों, कार्यक्रम पदाधिकारियों एवं प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों को निर्देश दिया। निर्देश के मुताबिक यदि मुखिया, वार्ड सदस्य, ग्रामीण जनता एवं अन्य किसी को यह सूचना प्राप्त होती है कि कोई शिक्षक, प्रधान शिक्षक या प्रधानाध्यापक विद्यालय में हाजिरी लगाकर गायब रहते हैं, तो वे इसकी सूचना विभागीय काल सेंटर टाल फ्री नंबर-14417 एवं 18003454417 पर देंगे। इसकी जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी, ताकि विद्यालय में शैक्षणिक वातावरण एवं अनुशासन सुनिश्चित हो सके।

यह नई व्यवस्था राज्य के सभी 81,223 सरकारी प्रारंभिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक में लागू की गई है। विद्यालय परिसर से बाहर उपस्थिति दर्ज करायी तो होगा अमान्य घोषित अपर मुख्य सचिव ने अपने निर्देश में कहा है कि प्रधान शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक विद्यालय में शिक्षकों की उपस्थिति पर कड़ाई से नजर रखेंगे और यह सुनिश्चित करेंगे कि शिक्षक समय पर विद्यालय आएं एवं समय से विद्यालय छोड़ें। सभी शिक्षक अपनी उपस्थिति विद्यालय परिसर के अंदर आकर ही दर्ज करेंगे, इसे सुनिश्चित किया जाए। ऐसे शिक्षकों की पहचान की जाए, जो विद्यालय परिसर के बाहर से उपस्थिति दर्ज करते हैं। ऐसी उपस्थिति अमान्य होगी।

प्रधान शिक्षक एवं प्रधानाध्यापक वैसे शिक्षकों पर विशेष निगरानी रखेंगे, जो उपस्थिति बना कर विद्यालय परिसर से बाहर चले जाते हैं और शाम में आकर अपनी उपस्थिति बना लेते हैं। वे इसकी सूचना जिला शिक्षा पदाधिकारी (डीईओ) को देंगे, जो ऐसे शिक्षकों के विरुद्ध अविलंब कार्रवाई करेंगे।

करंट से युवक की मौत

खगड़िया। जिले के परबत्ता थाना क्षेत्र स्थित रहीमपुर मोड़ पर सोमवार की सुबह एक हृदयविदारक घटना ने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया। अहले सुबह अपनी डब्बा दुकान में काम कर रहे 22 वर्षीय राजा कुमार की बिजली के करंट की चपेट में आने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के घर में कोहराम मचा हुआ है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, राजा कुमार, जो वासुदेव दास के पुत्र थे, रोज की तरह अपनी दुकान में काम कर रहे थे। सावन माह के अंतिम सोमवार को कांवरियों की भीड़ कम होने के बाद वे दुकान में लगे बल्ब को होल्डर से निकालने का प्रयास कर रहे थे, तभी उन्हें तेज बिजली का झटका लगा। करंट लगते ही वे अचेत होकर गिर पड़े।

परिजनों और स्थानीय लोगों ने तुरंत उन्हें परबत्ता अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। राजा कुमार अपने तीन भाइयों में सबसे छोटे थे और अविवाहित थे।

उनके असामयिक निधन से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में शोक का माहौल है।

स्नान करने गयी दादी-पोती गंडक में डूबीं

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

हाजीपुर। सदर थाना क्षेत्र के चंद्रालय में सोमवार को गंडक नदी में स्नान करने गई दादी-पोती नदी में डूब गई। मौके पर मौजूद लोगों ने नदी में डूब रही महिला को तो किसी तरह बचा लिया, लेकिन पोती की मौत हो गई। मृतका की पहचान चंद्रालय निवासी चंदन पासवान की 13 वर्षी पुत्री प्रियंका कुमारी के रूप में हुई। वहीं 50 वर्षीय रेणु देवी को इलाज के लिए सदर अस्पताल ले जाया गया। इस घटना के बाद स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

मिली जानकारी के अनुसार सावन की अंतिम सोमवारी के अवसर पर प्रियंका अपनी दादी रेणु देवी के साथ गांव में ही गंडक नदी किनारे स्नान करने गई थी। स्नान करने के दौरान प्रियंका गहरे पानी में डूबने लगी। पोती को डूबता देख रेणु देवी उसे बचाने गई। पोती को बचाने के क्रम में वह भी भी डूबने लगी। दादी-पोती को डूबता देख मौके पर मौजूद लोगों ने शोर मचाया। शोर सुनकर काफी संख्या में आसपास के लोग मौके पर जुट गए। घटना की सूचना पर स्वजन भी मौके पर पहुंच गए।

स्थानीय लोगों ने घंटों कड़ी मशक्कत के बाद दादी-पोती को नदी के पानी से बाहर निकाला। दोनों को आनन-फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया। वहां पहुंचाया। डाक्टर ने जांच के बाद प्रियंका कुमारी को मृत घोषित कर दिया। वहीं रेणु देवी को इलाज के लिए भर्ती कराया गया। घटना की जानकारी स्थानीय थाना की पुलिस को दी गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव स्वजनों को सौंप दिया।

घटना के संबंध में मृतका के चाचा ने बताया कि प्रियंका अपनी दादी के साथ गंडक नदी में स्नान करने गई थी। वहां स्नान करने के क्रम में प्रियंका डूबने लगी। उसे बचाने के प्रयाद में दोनों दादी-पोती डूब गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों को नदी से बाइर निकालने के बाद सदर अस्पताल लाया गया। यहां डाक्टर ने प्रियंका को मृत घोषित कर दिया।

सर्पदंश से नानी और नतिनी की मौत

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पूर्णिया। जिले में सर्पदंश की एक दर्दनाक घटना सामने आई है, जहां जहरीले सांप के काटने से एक महिला और उसकी नातिन की मौत हो गई। घटना के. नगर थाना क्षेत्र अंतर्गत गणेशपुर पंचायत के जमाय टोला गांव की है। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय पूनम मुर्मू और 12 वर्षीय आरोही किस्कू के रूप में हुई है। दोनों रिश्ते में नानी-नतिनी थीं।घटना रविवार देर रात करीब दो बजे की बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, पूनम मुर्मू और आरोही किस्कू घर में चटाई पर सोई हुई थीं, तभी एक विषैला सांप घर में घुस आया और दोनों को डस लिया। सर्पदंश के बाद चीख-पुकार सुनकर घर के लोग जागे और घबराहट में दोनों को अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़फूंक कराने लगे।

परिजनों ने दोनों को पास के ओझा के पास ले जाकर करीब पांच घंटे तक झाड़फूंक कराई। जब हालत बिगड़ने लगी तो ओझा ने अस्पताल ले जाने की सलाह दी। इसके बाद आनन-फानन में दोनों को पूर्णिया जीएमसीएच लाया गया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया।गांव के मुखिया अंजनी कुमार पासवान ने बताया कि मृतक बच्ची आरोही किस्कू मूल रूप से झारखंड की रहने वाली थी, लेकिन वह बचपन से ही अपनी नानी के साथ पूर्णिया में रह रही थी और यहीं पली-बढ़ी थी।

घटना की सूचना मिलने पर के. नगर थानाध्यक्ष नवदीप गुप्ता पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और जांच की। उन्होंने बताया कि सांप के काटने से महिला और बच्ची की मौत हुई है। फिलहाल परिजनों ने शव का पोस्टमार्टम कराने से इनकार कर दिया है।

गांव में इस हृदयविदारक घटना को लेकर मातम पसरा है और लोग झाड़फूंक में की गई देरी को लेकर चर्चा कर रहे हैं। इस घटना ने एक बार फिर ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जागरूकता और समय पर चिकित्सकीय हस्तक्षेप की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

मां काली की निर्माणाधीन मूर्ति से छेड़छाड़, रोष

मुंगेर। जिले के जमालपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत सदर बाजार के मोहनपुर मोहल्ले में मां काली की निमार्णाधीन मूर्ति को कुछ अज्ञात असामाजिक तत्वों ने तोड़कर पास के नाले में फेंक दिया। यह घटना सोमवार को मां शक्ति काली मंदिर नंबर-2 परिसर में हुई।

इस घटना से इलाके में आक्रोश फैल गया है। स्थानीय लोगों और मंदिर समिति के सदस्यों ने इसे आस्था के साथ खुला खिलवाड़ बताया है। समिति के सदस्यों का कहना है कि यह कृत्य जानबूझकर किया गया है, क्योंकि मंदिर की जमीन पर कुछ लोगों की नजर है और इसी कारण लगातार इस तरह की हरकतें की जा रही हैं।

वहीं, पूर्व वार्ड पार्षद और जन सुराज नेता रोहित सिंहा ने घटना को अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण करार दिया। उन्होंने कहा कि यह आपसी विवाद का परिणाम है, जो वर्षों से चला आ रहा है। रोहित सिंहा ने आरोप लगाया कि प्रशासन को कई बार मामले की जानकारी दी गई, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। हर बार सिर्फ आश्वासन ही दिया जाता है।

डीएम कार्यालय में हाई वोल्टेज ड्रामा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जहानाबाद। जिला समाहरणालय परिसर में सोमवार को उस समय अफरा-तफरी का माहौल उत्पन्न हो गया जब एक महिला ने जमीन विवाद को लेकर अपने पति और बहू की सरेआम पिटाई कर दी। यह घटना उस स्थान पर हुई जहां जिले के जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक का कार्यालय स्थित है। हैरत की बात यह रही कि आसपास मौजूद कर्मचारी मूकदर्शक बने रहे और कुछ ने मोबाइल से वीडियो भी बना लिया।

घटना टेनी बिगहा गांव निवासी एक परिवार की है, जो किसी जमीनी विवाद को लेकर जिला भू-अर्जन कार्यालय पहुंचा था। परिवार में शामिल महिला, उसका पति, बेटा और बहू डीएम कार्यालय में पहुंचे थे। बताया गया कि महिला को शक था कि उसका पति सारी जमीन एक बेटे और बहू के नाम ट्रांसफर कर रहा है, जबकि दूसरे बेटे को हिस्सा नहीं मिल रहा है।

इसी बात को लेकर परिवार के बीच कहासुनी शुरू हो गई, जो देखते ही देखते मारपीट में बदल गई। महिला ने आवेश में आकर कार्यालय परिसर में ही अपने पति और बहू की पिटाई शुरू कर दी। मौके पर मौजूद कर्मचारी केवल तमाशा देखते रहे, किसी ने बीच-बचाव की कोशिश नहीं की। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, घटना के दौरान कार्यालय में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई लोग घटना का वीडियो बनाने में जुटे रहे, लेकिन कोई भी हस्तक्षेप करने आगे नहीं आया। इस घटना ने न सिर्फ पारिवारिक मूल्यों में गिरावट और संपत्ति विवाद की भयावहता को उजागर किया, बल्कि परिसर में पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की भी पोल खोल दी है।

बख्तियारपुर-मोकामा हाईवे साइड स्लोप धंसा, गुणवत्ता पर उठ रहे सवाल

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

पटना। सीएम नीतीश कुमार ने जिस डबल डेकर पुल और बख्तियारपुर-मोकामा हाईवे का शुभारंभ किया था, उसकी गुणवत्ता पर अभी से ही सवाल उठने लगे हैं। बिहार के पहले डबल डेकर पुल की सड़क पर गड्ढे दिख रहे और बख्तियारपुर-मोकामा हाईवे साइड स्लोप धंस गया। इसके बाद पटना के लोग गड्ढे और धंसे हुए स्लोप की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर कर नीतीश सरकार पर सवाल उठा रहे हैं। लोगों में नाराजगी है।

बिहार के पहले डबल डेकर पुल की सड़क की गुणवत्ता की पोल बारिश ने खोलकर रख दी। 422 करोड़ की लागत से बनी डबल डेकर पुल पर बनी सड़क की परत उखड़ने लगी। स्थानीय लोगों ने कहा कि बारिश के कारण परत निकल गई। इससे कुछ जगह गड्ढे

▶ बारिश ने खोली पोल

दिखने लगे। हालांकि पुल पूरी तरह सुरक्षित है। लेकिन, लोग सड़क की गुणवत्ता पर सवाल उठाने लगे। इसके बाद बिहार राज्य पुल निर्माण निगम ने इस मामले को गंभीरता से लिया। कुछ ही घंटे में इसे ठीक करवा लिया। इसके बाद पुल निर्माण निगम की ओर से कहा गया कि डबल डेकर पुल के संबंध में विभिन्न चैनलों, सोशल मीडिया पर क्षतिग्रस्त होने की खबर चलाई जा रही है।

इस संबंध में स्पष्ट करना है कि लगातार मूसलाधार बारिश के कारण अशोक राजपथ पर बने बिटुमिनस परत के एक छोटे हिस्से में आंशिक रूप से स्लीपैज है। पुल पूरी तरह से सुरक्षित है तथा पुल की संरचना पर इसका कोई असर नहीं है। वियरिंग कोर्स (बिटूमिनस लेयर) में हुए आंशिक स्लीपैज का मरम्मति करवा दी गई है।

पटना जिले के मोकामा-बख्तियारपुर फोर लाइन का साइड स्लोप धंस गया है। जिससे एक किलोमीटर में कई मोटे दरारें भी आ गया है।

दरअसल, कुछ महीने पहले ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के द्वारा इस सड़क का उद्घाटन किया गया था। उद्घाटन के कुछ महीने बाद ही पहली बारिश में सड़कों की हालत खस्ता हाल हो गया है। मोकामा बख्तियारपुर फोर लाइन के कई जगह पर साइड स्लोप धसने की बात सामने आ रही है। मोकामा से लेकर बख्तियारपुर तक कई जगह यही स्थिति देखने को मिल रहा है। बख्तियारपुर के रानी सराय के पास फोर लाइन के पुल का एक लाइन ही निर्माण कार्य हुआ है। जबकि मोकामा के औंटा स्टेशन के सामने भी 4 लाइन की स्थिति जर्जर की तरह बनी हुई है।

वहीं स्थानीय मुखिया शशि भूषण कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि साइड स्लोप धंस चुका है और रोड में दरारें भी आ चुकी है। सीएनसी कंपनी के भ्रष्टाचार को यह दिखाता है।

वहां कभी भी बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसके बारे में कंपनी के अधिकारियों को भी इसकी जानकारी दी गई है। वही बख्तियारपुर के पूर्व विधायक व भाजपा नेता रणविजय सिंह उर्फ लल्लू मुखिया ने कहा कि सरकार किसी को छोड़ने वाली नहीं है, इंजीनियर और ठेकेदार जेल जाएंगे। उनका लाइसेंस रद्द होगा, साइड सलोप में गड्ढे हुए हैं तो इस पर कार्रवाई होगी।

अशोक धाम में उप मुख्यमंत्री ने की पूजा-अर्चना

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

लखीसराय। सावन की चौथी और अंतिम सोमवारी के अवसर पर बिहार के उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने लखीसराय जिले स्थित सुप्रसिद्ध अशोकधाम मंदिर में सपरिवार पूजा-अर्चना की। अपने दो दिवसीय लखीसराय दौरे के तहत डिप्टी सीएम ने भगवान भोलेनाथ से राज्य और देश की शांति, समृद्धि एवं जनकल्याण की कामना की।इस अवसर पर उनके साथ लखीसराय के जिलाधिकारी मिथिलेश मिश्र, बीजेपी प्रदेश परिषद सदस्य बिपीन कुमार, पार्टी पदाधिकारी और जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। मंदिर परिसर में सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे और बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पूजा-अर्चना में भाग लिया।

पूजा के बाद मीडिया से बातचीत करते हुए विजय कुमार सिन्हा ने विपक्षी दलों पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तीखा हमला करते हुए कहा कि विपक्ष का काम केवल आलोचना करना और जनता को गुमराह करना रह गया है। उन्होंने कहा कि जनता सब देख और समझ रही है। अब वह ऐसे नेताओं को पूरी तरह नकारने का मन बना चुकी है, जो विकास की बात नहीं करते, बल्कि राजनीतिक लाभ के लिए विवाद खड़े करते हैं।

मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम को लेकर विपक्ष की आपत्तियों पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह अभियान लोकतंत्र को मजबूत बनाने की दिशा में एक अहम कदम है, लेकिन विपक्ष इसमें भी राजनीति खोज रहा है। डिप्टी सीएम ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार मिलकर बिहार के सर्वांगीण विकास के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि चाहे वह शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों में सुधार हो या फिर धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों का विकास हर क्षेत्र में ठोस पहल की जा रही है।

CMYK

चुनाव आयोग को भाजपा ने किया हाईजैक : प्रणव झा

चुनाव आयोग की मतदाता सूची ड्राफ्ट में भारी विसंगतियां : राजेश राम

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में आज राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने बिहार प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष राजेश राम के साथ संयुक्त रूप से संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा ने संवाददाता सम्मेलन में कहा कि बिहार में चुनाव की जारी मतदाता पुनरीक्षण कार्यक्रम में मृत व्यक्तियों के नामों का भी सत्यापन कर दिया गया और जिन्होंने कागज जमा नहीं किया उनको बगैर संज्ञान में लिए उनका फॉर्म भी जमा कर दिया गया जो बताने के लिए काफी है कि चुनाव आयोग पहले भाजपा के हाथों कैद हुई और अब हाईजैक हो चुकी है। भाजपा ने बिहार में चुनाव आयोग को ओवरटाइम करने भेजा था, लेकिन ओवरटाइम करने में भारी गड़बड़ी चुनाव आयोग की पकड़ी गई है और सूबे के लगभग प्रत्येक जिले में मतदाताओं के नाम काटने की कवायद की गई जो हड़बड़ी में गड़बड़ी की ओर इंगित करता है। कांग्रेस पार्टी ऐसे मतदाता पुनरीक्षण के नाम पर हो रहे मजाक की भर्त्सना करती है। साथ ही विसंगतियों को अविलंब सुधार करने के बाद ही चुनाव की प्रक्रिया शुरू करने की मांग करती है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने कहा कि चुनाव आयोग बिहार में भाजपा की कठपुतली बनकर काम कर रही है। चिन्हित करके नाम काटे और उनका मतदाता सूची में क्रमांक बदला जा रहा है। साथ ही मृत को जीवित और जीवित मतदाताओं का नाम काट दिया जा रहा है। इस तरीके की भारी विसंगतियों के कारण चुनाव आयोग के मंशा पर प्रश्नचिन्ह लगता है। चुनाव आयोग ने जितने कम समय में मतदाता पुनरीक्षण का कार्य किया है वो खुद संशय पैदा करती है। प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय सदाकत आश्रम में प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम और राष्ट्रीय सचिव प्रणव झा के हाथों बेगूसराय निवासी सामाजिक कार्यकर्ता नीरज कुमार ने कांग्रेस पार्टी की विचारधारा एवं नीतियों से प्रभावित होकर अपने सैकड़ों समर्थकों के साथ कांग्रेस परिवार में शामिल हुए। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने उन्हें पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के बाद कहा कि नीरज कुमार जैसे समाजसेवियों का कांग्रेस में शामिल होना यह दर्शाता है कि आज भी देश की एकता, समाजिक न्याय और समावेशी विकास के लिए कांग्रेस पार्टी ही सबसे उपयुक्त मंच है उनके अनुभव और जनसम्पर्क से पार्टी को लाभ मिलेगा। नीरज कुमार ने हमारे नेता राहुल गांधी के सामाजिक न्याय और आम लोगों के लिए जारी संघर्ष को देखते हुए पार्टी की नीतियों और सिद्धान्तों को अपनाया है। इस दौरान सदस्यता ग्रहण करने के बाद नीरज कुमार ने कहा कि देश के उज्ज्वल भविष्य के लिए कांग्रेस पार्टी ही एकमात्र विकल्प है। देश के सभी वर्गो और समुदायों को साथ लेकर चलने में कांग्रेस पार्टी ही सक्षम है।

कोटेश्वर नाथ मंदिर भक्तों के आकर्षण का केंद्र : डॉ.प्रेम कुमार

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार भाजपा के वरीय नेता व बिहार सरकार के सहकारिता मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने सावन मास की चौथी सोमवारी को गया जिले के सीमा पर स्थित कोटेश्वर नाथ मंदिर में पूजा अर्चना के बाद कहा कि यह मंदिर एक प्राचीन मंदिर है जहां बाबा भोले की भव्यता, दिव्यता एवं कोटेश्वरनाथ की सत्ता को प्रतिबिंबित करता है। कोटेश्वर नाथ मंदिर भक्तों के आकर्षण का केंद्र है। यह मंदिर अपनी पौराणिक वास्तु कला और कथाओं में प्रचलित भी है। कहा जाता है कि मंदिर का निर्माण पांचवी सदी के आसपास हुआ था। मंदिर के गर्भ गृह का लाल पत्थर मंदिर की सुंदरता को और भी बढ़ता है। कहा जाता है कि राक्षस राज बाणासुर की बेटी उषा भगवान कृष्ण के पोते अनिरुद्ध से प्रेम करती थी। बाणासुर, कृष्ण जी को अपना दुश्मन मानता था। अनिरुद्ध से उषा का प्रेम संबंध बना रहे इसके लिए उषा ने इस मंदिर का निर्माण कराया।

वोटर आइडी कार्ड के फरेब के लिए तेजस्वी यादव माफी मांगे : मंगल पाण्डेय

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

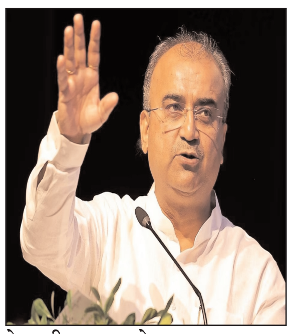

पटना। स्वास्थ्य व विधि मंत्री मंगल पाण्डेय ने कहा है कि एस आई आर के बाद ड्राफ्ट वोटर लिस्ट के प्रकाशित होते ही नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने जिस तरह से उसमें अपना नाम नहीं होने का फर्जी दावा किया, वह दुर्भाग्यपूर्ण है। इस फरेब के लिए उन्हें चुनाव आयोग से माफी मांगनी चाहिए। श्री पाण्डेय ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने दो वोटर कार्ड रख कर जानबूझ कर अपराध किया है। बिहार में विगत महीने हुए मतदाता सूची की विशेष गहन पुनरीक्षण को लेकर भ्रम फैलाने और लोकतांत्रिक संस्थाओं पर हमला करने वाले तेजस्वी यादव को यह स्पष्ट करना चाहिए कि किस परिस्थिति में उन्होंने दो इपिक नम्बर से मतदाता सूची में दो जगह अपना नाम दर्ज करवाया था। इस पूरे मामले में पूरी तरह से बेनकाब हो चुके तेजस्वी यादव की असली मंशा एस आई आर और चुनाव आयोग के विरोध के साथ ही जनता में भ्रम फैलाना था। विशेष गहन पुनरीक्षण को रोकवाने के लिए सुप्रीम कोर्ट तक जाने वाले तेजस्वी यादव दरअसल अभी से ही संभावित हार की हताशा में हैं। श्री पाण्डेय ने कहा है कि चुनाव आयोग ने उन्हें नोटिश देकर स्पष्ट तौर पर कहा है कि उनका दूसरा इपिक नम्बर आधिकारिक तौर पर जारी प्रतीत नहीं होता है। इसलिए उस पर जारी मतदाता पहचान पत्र वे चुनाव आयोग को सौंपे ताकि उसकी जांच हो सके। उम्मीद है नेता प्रतिपक्ष इस फर्जीवाड़ा के मामले की जांच में चुनाव आयोग को सहयोग करेंगे।

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का 32वां अधिवेशन 'संकल्प 2025' संपन्न

मारवाड़ी समाज से तीन पीढ़ियों का जुड़ाव : विजय कुमार चौधरी

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन का 32वां प्रादेशिक अधिवेशन 'संकल्प 2025' पटना में भव्यता के साथ संपन्न हुआ। अधिवेशन का उद्घाटन जल संसाधन एवं संसदीय कार्य मंत्री विजय कुमार चौधरी, ग्रामीण विकास मंत्री अशोक कुमार चौधरी, राजस्व एवं भूमि सुधार मंत्री संजय सरावगी और विधान पार्षद ललन कुमार सराफ ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर अपर महाधिवक्ता सत्यदर्शी संजय, बिहार राज्य व्यवसायी आयोग के अध्यक्ष सुरेश कुमार रूंगटा, राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, नव निर्वाचित राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन गोयनका, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष रमेश केजड़ीवाल, कमल नोपानी, विजय किशोरपुरिया, पवन सुरेका, निर्मल झुनझुनवाला, विनोद तोदी, महेश जालान सहित कई राष्ट्रीय और प्रादेशिक पदाधिकारी मंच पर मौजूद थे। पटना समेत राज्य के विभिन्न कोनों से आए करीब 2500 समाजबंधुओं, महिलाओं और युवाओं ने इस अधिवेशन में भाग लिया। विजय कुमार चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि उनका मारवाड़ी समाज से तीन पीढ़ियों का जुड़ाव रहा है और समाज की सेवा भावना एवं योगदान अनुकरणीय है। अशोक कुमार चौधरी ने कहा कि आज राजनीति समाज की जरूरत बन चुकी है और युवाओं को समाजहित में राजनीति में भागीदारी करनी चाहिए। उन्होंने बिहार के विकास में मारवाड़ी समाज की भूमिका को भी रेखांकित किया। संजय सरावगी ने मारवाड़ी समाज को 'नियोक्ता समाज' कहा और बताया कि यह समाज हमेशा रोजगार देने वाला रहा है। उन्होंने मतदाता सूची में नाम सत्यापन की अपील की और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। ललन कुमार सराफ ने कहा कि बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन समाज के सर्वांगीण विकास के लिए लगातार उपयोगी योजनाएं बना रहा है।

जलजमाव से राहत के लिए प्रयास तेज

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारी शरीफ। संपतचक नगर परिषद क्षेत्र के कई वार्डों में लगातार बारिश के कारण उत्पन्न जलजमाव की स्थिति से निपटने के लिए प्रशासन ने अभियान तेज कर दिया है। क्षेत्र के निचले इलाकों, खासकर अब्दुल्ला चक बैरिया और अन्य वार्डों में बाढ़ जैसी स्थिति बनी हुई है जहां खेतों में बसे घर और बिना नाले वाले इलाकों में पानी घुस गया है। ऐसे हालात में नगर परिषद ने त्वरित कार्रवाई करते हुए जेसीबी मशीनों की सहायता से जल निकासी के रास्तों से अतिक्रमण हटाने का कार्य शुरू कर दिया है। परिषद का ध्यान खासतौर पर उन पुराने पोखरों, नालों और आहरों की सफाई पर है जहां पानी का बहाव बाधित हो रहा था।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन के निधन पर राजेश राम ने जताया शोक

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री, झारखंड आन्दोलन के प्रणेता एवं झारखंड मुक्ति मोर्चा के संरक्षक शिबू सोरेन के निधन पर बिहार प्रदेश कांग्रेस कमिटी के अध्यक्ष राजेश राम ने गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। राजेश राम ने अपने शोक संदेश में कहा कि शिबू सोरेन के निधन का समाचार अत्यन्त ही दुखद एवं पीड़ादायक है। वे एक सच्चे जनसेवक, सामाजिक न्याय के पक्षधर और सदैव गरीब, शोषित, वंचित वर्गो की आवाज उठाने वाले नेता थे। शिबू सोरेन ने पूरे जीवन आदिवासी समाज, मजदूर, किसानों के अधिकारों के लिए संघर्ष किया। उन्होंने देश की राजनीति में संघर्ष और सिद्धान्तों की जो मिशाल पेश की वह सदैव स्मरणीय रहेगा। उनका जाना सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए अपूरणीय क्षति है। मैं दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं तथा शोकाकुल परिजनों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूं। ईश्वर उन्हें अपनी श्रीचरणों में स्थान दें। शिबू सोरेन के निधन पर बिहार कांग्रेस के प्रभारी कृष्णाअल्लावरू, कांग्रेस विधान मंडल दल के नेता डा. शकील अहमद खान, विधान परिषद में कांग्रेस दल के नेता डा. मदन मोहन झा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष चंदन वागची, प्रेमचन्द्र मिश्रा, मोती लाल शर्मा, राजेश राठौड़, आनन्द माधव ने भी शोक व्यक्त किया।

झूठे मुकदमे के खिलाफ माले व महागठबंधन का विरोध

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारी शरीफ। जानीपुर थाना अंतर्गत दो मासूम बच्चों की जघन्य हत्या के खिलाफ हुए शांतिपूर्ण प्रदर्शन पर झूठा मुकदमा दर्ज किए जाने को लेकर राजनीतिक उबाल तेज हो गया है। भाकपा माले विधायक दल के नेता सह बलरामपुर विधायक महबूब आलम और फुलवारी शरीफ के विधायक गोपाल रविदास ने शुक्रवार को बिहार के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) से मुलाकात की और एक ज्ञापन सौंपते हुए मुकदमे की तत्काल वापसी की मांग की है।

ज्ञात हो कि यह मुकदमा तब दर्ज किया गया जब विधायक गोपाल रविदास के नेतृत्व में जानीपुर कांड के खिलाफ प्रदर्शन किया गया था। प्रदर्शन में स्थानीय जनता के साथ नेताओं ने अपराधियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की थी।

पूर्व मंत्री डा. रवीन्द्र चरण यादव ने ली कांग्रेस की सदस्यता

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व मंत्री, बिहारीगंज एवं उदाकिशुनगंज से कई बार विधायक रह चुके डा. रवीन्द्र चरण यादव कांग्रेस के बढ़ते जनाधार को देखते हुए भाजपा छोड़ एनडीए से मोह भंग होकर कांग्रेस पार्टी एवं राहुल गांधी में आस्था व्यक्त करते हुए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम के हाथों आज प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय, सदाकत आश्रम में विधान मंडल दल के नेता डा. शकील अहमद खान की उपस्थिति में अपने सैकड़ों समर्थकों जिसमें कई जिला परिषद सदस्य, मुखिया, सरपंच एवं अन्य जनप्रतिनिधि के साथ कांग्रेस पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। डा. रवीन्द्र चरण यादव के साथ सदस्यता ग्रहण करने वाले जनप्रतिनिधि में ग्वालपाड़ा के प्रमुख संतोष कुमार, पिपराकरोती के मुखिया संजीव कुमार यादव, पूर्व मुखिया पवन कुमार यादव, सुनील कुमार सिंह, अरविन्द कुमार, ललन कुमार यादव, आलोक कुमार, महेश्वरी यादव सहित सैकड़ों जनप्रतिनिधि शामिल थे। इस अवसर पर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश राम ने डा. यादव का कांग्रेस परिवार में स्वागत करते हुए कहा कि रवीन्द्र चरण यादव जैसे ऊर्जावान और लोकप्रिय नेता का कांग्रेस में आना इस बात का संकेत है कि बिहार में बदलाव की लहर शुरू हो चुकी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी सभी वर्गों एवं समुदायों के हितों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। इस अवसर पर डा. रवीन्द्र चरण यादव ने कहा कि उन्होंने कांग्रेस की धर्मनिरपेक्ष और जनहितकारी नीतियों से प्रेरित होकर पार्टी में शामिल होने का निर्णय लिया है।

फैबइंडिया ने लांच किया रक्षाबंधन कलेक्शन

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। फैबइंडिया ने रक्षाबंधन के अवसर पर अपना नया फेस्टिव कलेक्शन लॉन्च कर दिया है। यह खास कलेक्शन पारंपरिक भारतीय कारीगरी और आधुनिक डिजाइन सौंदर्य का सुंदर संगम है। कपड़े और होम एंड लाइफस्टाइल श्रेणियों में उपलब्ध यह कलेक्शन भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को कोमलता, प्रेम और गरिमा के साथ दर्शाता है। इस वर्ष का कलेक्शन एक आकर्षक गुलाबी रंग-पैलेट पर आधारित है जिसमें हल्का गुलाबी, गहरा गुलाबी और फ्यूशिया जैसे जीवंत रंग शामिल हैं। हर डिजाइन में पारंपरिक 'खड़ी प्रिंटिंग' और 'मेटैलिक एम्ब्रॉयडरी' जैसी कारीगरी का उपयोग किया गया है जो परिधानों को एक खास फेस्टिव लुक और चमक प्रदान करते हैं। यह कलेक्शन राखी में गिफ्टिंग के इरादे से भी एक बेहतरीन विकल्प है।

मां का दूध बच्चे के लिए अमृत समान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। इनर ह्वील क्लब ऑफ पाटलिपुत्र द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन निरामया सेंटर फॉर वूमेन केयर डायग्नोस्टिक, कंकड़बाग में किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य माताओं एवं समाज में स्तनपान के महत्व एवं लाभों के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम में डॉ निमिषा अग्रवाल एवं वरिष्ठ डॉ. उषा अग्रवाल ने स्तनपान से होने वाले स्वास्थ्य लाभों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध और पहला दूध कितना लाभकारी होता है। ये बच्चों को पहला टीका का काम करता है जिससे बच्चों में इम्यून सिस्टम मजबूत होता है और साथ ही बच्चों और माताओं के बीच भावनात्मक रिश्ता मजबूत करता है। स्तनपान शिशु के शारीरिक और मानसिक विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। साथ ही यह मां के स्वास्थ्य के लिए भी कई लाभकारी है। वक्ताओं ने सही स्तनपान की तकनीक, समय और सामान्य समस्याओं जैसे विषयों पर भी जानकारी दी। इनर ह्वील क्लब पाटलिपुत्र की अध्यक्ष शीतु गांधी ने उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह जागरूकता अभियान क्लब की सामाजिक जिम्मेदारियों का हिस्सा है और भविष्य में भी ऐसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। सेंटर की ओर से आई हुई महिलाओं और परिवारजनों ने विशेषज्ञों से सवाल पूछे और अपनी शंकाओं का समाधान प्राप्त किया।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम ने किया आश्रित हितलाभ का भुगतान

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। कर्मचारी राज्य बीमा निगम बिहार क्षेत्र के क्षेत्रीय निदेशक सीए निरंजन कुमार द्वारा सादे समारोह में मेसर्स आर. एस. इंटरप्राइजेज के अंतर्गत पंजीकृत बीमित व्यक्ति पवन कुमार जो अनमोल बिस्कुट फैक्टरी हाजीपुर में हेल्पर के पद पर कार्यरत थे, उनकी आश्रिता पत्नी-रूबी देवी, पुत्र-प्रिंस कुमार एवं प्रकाश दीप, पुत्री-बबली कुमारी को कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 के अंतर्गत आश्रित हितलाभ प्रदान किया गया और संवेदना व्यक्त की गयी। स्व. पवन कुमार की मृत्यु 05-06-2024 को कार्य के दौरान रोजगार चोट के कारण हुई थी। वे परिवार में अकेले कमाने वाले थे व परिवार पूर्णतः आर्थिक रूप से उन पर निर्भर था। नियोजक द्वारा दुर्घटना रिपोर्ट भेजे जाने के पश्चात इसकी जांच की गयी तथा ई.एस.आई.सी. द्वारा आश्रितों के लिए मासिक पेंशन स्वीकृत किया गया। पेंशन के रूप में 522 रु. प्रतिदिन की दर से लगभग प्रतिमाह (15660/-) आश्रितों को मिलेगा।

पूर्व कार्मिक मंत्री मिथिलेश सिंह की चौथी पुण्यतिथि पर दी गई श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पूर्व कार्मिक मंत्री एवं जेपी सेनानी सम्मान योजना के पूर्व अध्यक्ष स्व. मिथिलेश सिंह की चौथी पुण्यतिथि श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। श्रद्धांजलि समारोह की अध्यक्षता समाजसेवी विशाल सिंह ने की। कार्यक्रम में स्व. मिथिलेश सिंह के तैल चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया गया। वक्ताओं ने कहा कि स्वर्गीय मिथिलेश सिंह न सिर्फ एक प्रखर समाजवादी नेता थे बल्कि उन्होंने जेपी आंदोलन के मूल्यों को जीवनभर जीया। बिहार की राजनीति और प्रशासन में उनका योगदान सदैव प्रेरणास्रोत रहेगा। इस अवसर पर स्व. मिथिलेश सिंह के पुत्र एवं जदयू बिहार प्रदेश राजनीतिक सलाहकार समिति के सदस्य विशाल सिंह, राजनंदन पांडेय, जेपी सेनानी शंभू प्रसाद सिंह, बीस सूत्री कार्यक्रम के सदर उपाध्यक्ष सत्यनारायण सिंह, पैक्स अध्यक्ष विश्वजीत कुमार सिंह उर्फ पप्पू सिंह, जनसुराज नेता सुरेश कुमार सिंह सहित बड़ी संख्या में गणमान्य लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और श्रद्धासुमन अर्पित किए। वक्ताओं ने स्व. मिथिलेश सिंह के व्यक्तित्व और कृतित्व पर चर्चा करते हुए उन्हें एक कर्मठ, निष्ठावान और जनसमर्पित नेता बताया। कार्यक्रम का समापन दो मिनट के मौन व श्रद्धांजलि के साथ किया गया।

समस्तीपुर मंडल के विभिन्न स्टेशनों पर ट्रेनों का ठहराव

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

हाजीपुर। यात्रियों की सुविधा के मद्देनजर विभिन्न स्टेशनों पर सदभावना एक्सप्रेस, लिच्छवी एक्सप्रेस, सरयू जमूना एक्सप्रेस एवं शहीद एक्सप्रेस का विभिन्न स्टेशनों पर 02 मिनट का ठहराव प्रदान किया गया है जिनका विवरण निम्नानुसार है- गाड़ी सं. 14018 आनंद विहार-रक्सौल सदभावना एक्सप्रेस 07.08.2025 से 18.51/18.53 बजे रुन्नी सैदपुर, 19.56/19.58 बजे बैरगनियां एवं 20.22/20.24 बजे घोड़ासहन स्टेशनों पर रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 14017 रक्सौल-आनंद विहार सदभावना एक्सप्रेस 08.08.2025 से 00.13/00.15 बजे घोड़ासहन, 00.34/00.36 बजे बैरगनियां एवं 01.52/01.54 बजे रुन्नी सैदपुर स्टेशनों पर रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 14007 रक्सौल-आनंद विहार सदभावना एक्सप्रेस 07.08.2025 से 00.13/00.15 बजे घोड़ासहन एवं 01.52/01.54 बजे रुन्नी सैदपुर स्टेशनों पर रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 14008 आनंद विहार-रक्सौल सदभावना एक्सप्रेस 06.08.2025 से 18.51/18.53 बजे रुन्नी सैदपुर एवं 20.22/20.24 बजे घोड़ासहन स्टेशनों पर रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी। गाड़ी सं. 14005 सीतामढ़ी-आनंद विहार लिच्छवी एक्सप्रेस 06.08.2025 से 02.52/02.54 बजे रुन्नी सैदपुर स्टेशन पर रूकते हुए आगे के लिए प्रस्थान करेगी।

जल जीवन हरियाली के संगम से बदलेगी बिहार की तस्वीर

2025-26 में 5 करोड़ पौधे लगाए जाएंगे

नवबिहार टाइम्स ब्यूरो

पटना। पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग की ओर से 'जल जीवन हरियाली अभियान' के अंतर्गत 'पौधशाला सृजन एवं सघन वृक्षारोपण' विषय पर परिचर्चा किया गया। बिहार सरकार ने वर्ष 2019 में 'जल जीवन हरियाली' अभियान की शुरूआत की थी। इस अभियान का उद्देश्य राज्य में जलवायु परिवर्तन से निपटना, हरित आवरण बढ़ाना, जल स्रोतों का संरक्षण और ऊर्जा बचत को प्रोत्साहित करना है। इस अभियान के तहत राज्य के सभी क्रियान्वयन विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि प्रत्येक माह के पहले मंगलवार को 'जल जीवन हरियाली दिवस' मनाया जाए। इस अभियान का कार्यान्वयन पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग 15 अन्य हितधारक विभागों के साथ मिलकर कर रहा है। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय के लिए ग्रामीण विकास विभाग को नोडल विभाग नामित किया गया है। इस योजना के कुल 11 अवयवों पर काम किया जा रहा है। पर्यावरण विभाग के जिम्मे अवयव 5 और अवयव 8 आता है जिसके अंतर्गत यह विभाग छोटी- छोटी नदियों, नालों एवं पहाड़ी क्षेत्रों के जल संग्रहण क्षेत्रों में चेकडैम एवं जल संचयन के अन्य संरचनाओं का निर्माण के साथ ही पौधशाला सृजन और सघन वृक्षारोपण करता है। विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक कुल 26482 चेक डैम एवं जल संरचनाओं का निर्माण कराया गया है। इसके साथ ही अवयव 8 के अंतर्गत कुल 20.20 करोड़ पौधों का रोपण किया जा चुका है। विभाग के प्रधान मुख्य वन संरक्षक पी के गुप्ता ने बताया कि इस वित्तीय वर्ष 2025-26 में 5 करोड़ पौधारोपण करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके विरूद्ध अबतक कुल 1 करोड़ पौधारोपण हो चुका है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में यह लक्ष्य 4.67 करोड़ था जिसके विरूद्ध 4.14 करोड़ पौधारोपण हो चुका था। इस प्रकार लक्ष्य का 90 प्रतिशत हासिल किया गया था।

एम्स पटना में डॉक्टरों की हड़ताल जारी

आइजीआइएमएस और पीएमसीएच के डॉक्टरों का मिला समर्थन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

फुलवारी शरीफ। शुक्रवार को रेजिडेंट डॉक्टरों ने घोषणा की कि हड़ताल आज भी जारी रहेगी। सुबह 11 बजे वे आईपीडी बिल्डिंग से प्रशासनिक भवन तक शांतिपूर्ण मार्च निकालकर प्रदर्शन की शुरुआत की। इस प्रदर्शन में बड़ी संख्या में रेजिडेंट डॉक्टर, जूनियर चिकित्सक और चिकित्सा कर्मी हिस्सा लेकर अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार नारेबाजी करते रहे। विधायक चेतन आनंद प्रकरण को लेकर एम्स पटना में रेजिडेंट डॉक्टरों की हड़ताल शुक्रवार को चौथे दिन में प्रवेश कर गई है। हड़ताल का दायरा अब और भी व्यापक होता जा रहा है। पहले ओपीडी सेवाएं बंद थीं अब अस्पताल की आईपीडी यानी भर्ती सेवाएं भी ठप हो गई हैं। स्थिति यह हो गई है कि अब गंभीर मरीज भी इलाज के अभाव में तड़प रहे हैं। हड़ताल पर डॉक्टर का कहना है कि उन्हें आई जी आई एम एस और पीएमसीएच के डॉक्टर का समर्थन मिल रहा है। हड़ताल से मरीजों की परेशानी चरम पर है। भर्ती मरीजों को भी जरूरी इलाज नहीं मिल पा रहा है। परिजन असहाय हो चुके हैं। प्रशासनिक स्तर पर प्रयास जरूर हो रहे हैं, लेकिन डॉक्टरों के आक्रोश और आत्म-सम्मान के मुद्दे को देखते हुए हल निकलता फिलहाल नजर नहीं आ रहा। एक रेजिडेंट डॉक्टर ने कहा वे इलाज की उम्मीद में आते हैं, लेकिन सब कुछ बंद है। यह स्थिति हमें भी परेशान कर रही है, लेकिन हम झुकेंगे नहीं। हमारा सम्मान कोई समझौते की चीज नहीं है। हड़ताली डॉक्टरों का कहना है कि यह सिर्फ नौकरी या सेवा का सवाल नहीं, बल्कि आत्मसम्मान का मामला है। हम पर झूठा मुकदमा दर्ज कर हमारी गरिमा को ठेस पहुंचाई गई है जब तक वह एफआईआर रद्द नहीं की जाती, हम पीछे हटने वाले नहीं हैं। यह डॉक्टरों का स्पष्ट और दृढ़ संदेश है। डॉक्टरों ने मांग की है कि सरकार और प्रशासन को उनकी परेशानी को गंभीरता से समझना चाहिए जब हर आपदा और संकट में हम दिन-रात मरीजों की सेवा करते हैं तो जब हम खुद संकट में हों तो हमारा भी सम्मान और सुरक्षा सुनिश्चित होनी चाहिए। मेडिकल बिरादरी में इस मुद्दे को लेकर भारी नाराजगी है। उनका कहना है कि अगर डॉक्टरों के साथ इस तरह का व्यवहार होगा, तो भविष्य में कोई भी गंभीर स्थिति में काम करने से हिचकेगा।

संपादकीय

ट्रंप की दादागिरी के आगे न झुके सरकार

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप अचानक से भारत को लेकर बेहद आक्रामक हो गए हैं। उन्होंने भारत पर 25त्न टैरिफ लगाने का ऐलान किया है और यह भी चेताया है कि रूस से व्यापार की एवज में कुछ एक्स्ट्रा टैक्स भी लगाया जाएगा। ट्रंप के इस फैसले का क्या असर पड़ सकता है, इस बारे में सरकार आकलन कर रही है। बातचीत के रास्ते खुले हैं और वह होनी भी चाहिए, लेकिन इस मामले में भारत को अपने हितों को भी मजबूती से रखना होगा।ट्रंप का हालिया बयान केवल टैरिफ या व्यापार घाटे से नहीं जुड़ा। इसके पीछे लंबी हताशा और अपनी इमेज बचाने की चिंता है। कई चरण की बातचीत के बावजूद दोनों देशों की ट्रेड डील किसी अंजाम तक नहीं पहुंच पाई है। रोड़ा अटका हुआ है कृषि और डेयरी सेक्टर पर। हर डील अपनी शर्तों पर करने वाले ट्रंप इन दोनों सेक्टर में अमेरिका के लिए खुली छूट चाहते हैं। ऐसा करना भारतीय किसानों के हित में नहीं होगा और सरकार को इस मामले में बिल्कुल भी नहीं झुकना चाहिए। व्यापार एकतरफा फायदे को देखकर नहीं किया जा सकता। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने भारत के साथ असहमति की जो वजहें गिनाई हैं, उसमें रूस से तेल खरीदना प्रमुख है। 2022 तक भारत की तेल आपूर्ति में रूस का हिस्सा सिर्फ 1 प्रतिशत था। आज यह आंकड़ा 35-40प्रतिशत है, और जरूरत पड़ने पर इससे पीछे हटना संभव है, क्योंकि अब रूसी तेल पर पहले जितना फायदा नहीं हो रहा। लेकिन, यहां बात केवल फायदे नहीं, दो देशों के रिश्तों और हक की भी है। भारत की अपनी ऊर्जा जरूरतें हैं। आखिर अमेरिका ने भी तो उस पाकिस्तान के साथ डील की, जो वैश्विक मंचों पर कई बार आतंकवाद की शरणस्थली साबित हो चुका है।ट्रंप न अपने बयानों पर स्थिर रहते हैं और न पॉलिसी पर। जिन देशों ने उनके साथ डील की है, उन्हें भी कोई फायदा नहीं हुआ। ब्रिटेन, वियतनाम से डील के बावजूद टैरिफ बढ़ रहा है। इसी तरह, ईयू के कई देश नाराज हैं क्योंकि आयात शुल्क औसत 4.8प्रतिशत से बढ़कर अब 15प्रतिशत हो चुका है। यानी किसी भी सूरत में टैरिफ की स्थिति पहले वाली नहीं रहेगी। इसलिए भारत को किसी दबाव में नहीं आना चाहिए।रुबियो ने भारत को अमेरिका का सहयोगी और रणनीतिक भागीदार बताया है। उनके देश को चीन का सामना करने के लिए भारत जैसे सहयोगी की दरकार है। लेकिन, उनका बर्ताव एक दोस्त जैसा नहीं है। भारत को अगर कुछ मामलों में अमेरिका की जरूरत है, तो अमेरिका को भी कई जगह भारत का साथ चाहिए।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

मालेगांव विस्फोट एवं भगवा पर कलंक की साजिश

(ललित गर्ग)

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना।

29 सितंबर 2008 को मालेगांव में हुए बम विस्फोट की न्यायिक परिणति ने एक बार फिर यह सिद्ध किया है कि कैसे सत्ता, वोटबैंक और वैचारिक पूर्वाग्रहों ने भारतीय न्याय और निष्पक्षता की नींव को झकझोर दिया। मुंबई की एनआईए कोर्ट द्वारा सातों आरोपियों-प्रज्ञा सिंह ठाकुर, लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित को सबूतों के अभाव में बरी कर देना न केवल कानूनी दृष्टि से एक महत्वपूर्ण फैसला है, बल्कि यह उस भगवा आतंकवाद की मिथ्या कथा पर भी करारा प्रहार है जिसे वर्षों तक कांग्रेस ने राजनीतिक मंचों और मीडिया के जरिए प्रचारित किया गया। यह कांग्रेस की फर्जी कहानी का अंत एवं सत्य की जीत का एक अमूल्य आलेख है।

अदालत का यह वक्तव्य कि 'आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता', भारतीय संस्कृति और न्यायशास्त्र की मूल आत्मा को पुनः जीवित करता है। यह वही भारत है जहां 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' और 'अहिंसा परमो धर्मः' की गूंज होती रही है, लेकिन दुर्भाग्यवश 2008 के बाद हिंदू धर्म, हिंदुत्व और भगवा पर ऐसा कलंक मढ़ा गया मानो वे आतंकवाद के स्रोत हों। मालेगांव विस्फोट मामले में एनआइए की विशेष अदालत उस नतीजे पर पहुंची, जिस पर बांबे हाई कोर्ट ट्रेन विस्फोट कांड की सुनवाई करते हुए पहुंचा था। ऐसा कई आतंकी घटनाओं के मामलों में हो चुका है। इससे यही पता चलता है कि कभी जांच एजेंसियां, कभी अदालतें और कभी दोनों अपना काम सही तरह और समय पर नहीं करतीं। जांच और फिर अदालती कार्यवाही में देरी तथा ढिलाई एक बड़ा रोग है। आतंक के मामलों की जांच में यह भी कोई दबी-छिपी बात नहीं कि संकीर्ण राजनीतिक स्वार्थ, मुस्लिम तुष्टिकरण एवं वोट बैंक बाधा बनते हैं। आतंकी घटनाओं को राजनीतिक रंग दिया जाता है। मालेगांव विस्फोट कांड में प्रज्ञा ठाकुर, सुधाकर द्विवेदी आदि की गिरफ्तारी के आधार पर हिंदू और भगवा आतंक का जुमला उछाला गया। इसका मकसद कथित भगवा आतंक को जिहादी आतंक जैसा बताना था। यह हिंदू ही नहीं, देश विरोधी साजिश थी। इसका लाभ पाकिस्तान को मिला, क्योंकि कांग्रेस के कई नेताओं ने समझौता एक्सप्रेस कांड पर भी एजेंसियों के सहारे भगवा आतंक की फर्जी कहानी गढ़ी।

भगवा आतंकवाद शब्द का पहली बार प्रयोग उस समय के कुछ कांग्रेसी नेताओं ने किया, जिनका उद्देश्य स्पष्ट था, वोटबैंक की तुष्टिकरण नीति, मुस्लिम समाज को डराकर एकतरफा ध्रूवीकरण और हिंदू संगठन व सनातन मूल्यों को कलंकित करना। इसका परिणाम हुआ कि वर्षों तक निर्दोष लोग जेल में सड़ते रहे। साध्वी प्रज्ञासिंह ठाकुर को एक संन्यासी जीवन से घसीट कर हिरासत में लिया गया, प्रताड़ित किया गया और उनके आध्यात्मिक जीवन को ध्वस्त कर दिया गया। सवाल यह है कि जब सबूत नहीं थे, तब उन्हें जेल में रखने की ज़रूरत क्यों पड़ी? क्यों जांच एजेंसियों ने बेसिर-पैर की कहानियों को सच मान लिया? क्यों मीडिया ने बिना परीक्षण के 'हिंदू आतंकवाद' की ब्रेकिंग न्यूज़ चला दी? यह वही मानसिकता थी जो आतंकवाद को धर्म से जोड़कर एक खास समुदाय को डराने और एक संप्रदाय को बदनाम करने में लगी थी। यह कांग्रेस का एक षडयंत्र एवं साजिश थी जो अब पर्दापाश हो गयी है। कांग्रेस शासित प्रांत में सत्ता का जमकर दुरुपयोग किया गया।

मुंबई से लगभग 200 किलोमीटर दूर मालेगांव शहर में एक मस्जिद के पास एक मोटरसाइकिल पर बंधे विस्फोटक उपकरण में विस्फोट होने से छह लोगों की मौत हो गई थी। धमाके में 100 से अधिक घायल हुए थे। न्यायाधीश ने फैसला पढ़ते हुए कहा कि मामले को संदेह से परे साबित करने के लिए कोई विश्वसनीय और ठोस सबूत नहीं है। मामले में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के प्रावधान लागू नहीं होते। कोर्ट ने यह भी कहा कि यह साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल प्रज्ञा ठाकुर के नाम पर पंजीकृत थी, जैसा कि अभियोजन पक्ष ने दावा किया है। यह भी साबित नहीं हुआ है कि विस्फोट कथित तौर पर बाइक पर लगाए गए बम से हुआ था। कोर्ट ने कहा, श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला। अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी।

इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। आरोपी जमानत पर बाहर थे। मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे। उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था। इस पूरे प्रकरण में न्यायपालिका की देरी और जांच एजेंसियों की लापरवाही स्वयं अदालत द्वारा उजागर की गई। अदालत ने कहा कि ना तो घटनास्थल का स्केच बनाया गया, ना फिंगरप्रिंट लिए गए, ना बम के सटीक स्रोत की पुष्टि हुई और ना ही आरोपियों के खिलाफ कोई प्रत्यक्ष प्रमाण था। अभियोजन पक्ष ने जिस मोटरसाइकिल को बम के लिए इस्तेमाल होने की बात कही थी, वह भी प्रज्ञा ठाकुर से जुड़ी नहीं पाई गई। यह सब कुछ बताता है कि पूरा केस पूर्वग्रहों, दुर्भावना और राजनीतिक साजिश से प्रेरित था। यदि न्याय के नाम पर निर्दोष लोगों को प्रताड़ित किया जाए, तो वह केवल व्यक्ति नहीं, बल्कि समस्त समाज और संस्कृति को दंडित करने जैसा होता है। प्रश्न यह उठता है-तो क्या अब तक इन आरोपियों को गलत तरीके से आतंकवादी घोषित कर वर्षों तक सलाखों के पीछे रखा गया?

हिंदू धर्म और आतंकवाद-ये दो शब्द आपस में मेल नहीं खाते। सनातन संस्कृति का मूल आधार ही शांति, सहिष्णुता और करुणा है। विश्व में यदि कोई धर्म ऐसा है जिसने 'युद्ध नहीं, यज्ञ', 'हिंसा नहीं, अहिंसा' का मार्ग दिखाया है, तो वह हिंदू धर्म है। राम, कृष्ण, महावीर, बुद्ध, विवेकानंद और गांधी-इन सभी की परंपरा में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं। 'भगवा आतंकवाद' एक गढ़ा गया मिथक था, जो ना केवल हिंदू समाज को कलंकित करता है, बल्कि भारत की आत्मा को भी चोट पहुंचाता है। भगवा वस्त्र तो त्याग, तपस्या और आत्मशुद्धि का प्रतीक है। उसे बम और खून से जोड़ना स्वयं भारतीयता के खिलाफ साजिश है।

इस फैसले ने जहां एक ओर निर्दोषों को न्याय दिया, वहीं दूसरी ओर यह देश के जनमानस को आत्ममंथन का अवसर भी देता है, क्या हम इतनी आसानी से किसी को भी आतंकवादी घोषित कर देंगे? क्या हम किसी राजनीतिक विचारधारा के विरोध के कारण पूरे धर्म को कटघरे में खड़ा कर देंगे? क्या धर्म का दुरुपयोग कर वोटबैंक की राजनीति करते रहेंगे? साध्वी प्रज्ञा ठाकुर की प्रतिक्रिया-आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है इस बयान में उनके दर्द एवं यथार्थ को समझने की आवश्यकता है। यह केवल एक साध्वी की व्यक्तिगत मुक्ति की खुशी नहीं, बल्कि उन करोड़ों लोगों की आवाज़ है जिनके लिए भगवा आस्था और अस्मिता का प्रतीक है।

वर्षों तक मीडिया ने इस मामले को सनसनीखेज बनाकर 'हिंदू आतंकवाद' को ग्लैमराइज किया। प्राइम टाइम पर भगवा को हिंसा से जोड़ना, साध्वी प्रज्ञा ठाकुर को 'संदिग्ध आतंकी' की तरह चित्रित करना और बिना न्यायिक पुष्टि के चरित्रहनन करना, पत्रकारिता के मूलभूत सिद्धांतों के खिलाफ था। वहीं, तथाकथित बुद्धिजीवियों एवं देश की सबसे पुरानी कांग्रेस पार्टी ने भी इस मामले में एकतरफा विचारधारा के चलते भगवा को 'खतरा' घोषित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी। ऐसे लोगों से अब यह सवाल पूछा जाना चाहिए कि क्या आप सार्वजनिक रूप से माफी मांगेंगे?

मालेगांव विस्फोट मामले में आया फैसला केवल न्यायिक विजय नहीं, बल्कि सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक है। यह भारत की न्याय प्रणाली, समाज की सहिष्णुता और धर्म की शुद्धता का प्रमाण है। आज समय है, जब राष्ट्र को यह समझना चाहिए कि धर्म को आतंक से जोड़ना स्वयं एक मानसिक आतंक है। सत्य को स्वीकारने का साहस कीजिए, क्योंकि न्याय तभी पूर्ण होता है जब उसमें निष्पक्षता, संवेदना और सत्य का साथ हो। यह मामला दर्शाता है कि सत्य परेशान हो सकता है, लेकिन पस्त या पराजित नहीं। सत्यमेव जयते- यह सत्य की जीत है, सनातन की जीत है। भगवा वस्त्रों पर लगे झूठे दाग अब धुल चुके हैं, अब समय है संस्कृति के गौरव को फिर से स्थापित करने का। लेखक, पत्रकार, स्तंभकार हैं। (इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

आत्मघाती साबित हो सकता है ट्रंप का टैरिफ

(डा. रवीन्द्र अरजरिया)

अमेरिका अपने स्लीपर सेल की दम पर समूची दुनिया में सरकारें बदलने का षडयंत्र लम्बे समय से करता आ रहा है। बांग्लादेश से लेकर श्रीलंका तक, कनाडा से लेकर स्कॉटलैंड तक और मेक्सिको से लेकर यूक्रेन तक अमेरिका ने हमेशा ही सरकार गठन के दौरान हस्तक्षेप किया है। वह विदेशों में वहां के मीरजाफरों की फौज एकत्रित करता है, उन्हें पैसों की चमक दिखाता है और फिर सरकार विरोधी दलों के साथ सांठगांठ करके अपने षडयंत्र की अमली जामा पहनाने में जुट जाता है। बांग्लादेश इसका जीता जागता उदाहरण है जहां उसने एक विशेष भू भाग हथियाने का प्रयास किया जिसमें सफल न होने पर वहां के सरकार विरोधियों के सहयोग से अपने पसन्दीदा व्यक्ति को सिंहासन पर बैठा दिया। यूक्रेन पर दबाव बनाकर अपने इच्छित समझौते पर हस्ताक्षर करवाने की कोशिश तो अमेरिकी राष्ट्रपति अपने ही घर में कर चुके हैं। अब भारत की बढती अर्थव्यवस्था और एक विशाल बाजार देखकर अमेरिकी राष्ट्रपति नित नये फरमान जारी करके दबाव बनाने की जी तोड कोशिश कर रहे हैं। वर्तमान में दुनिया की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में भारत सम्मानित है। विगत चार सालों में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 6 प्रतिशत से अधिक ही रही है। वर्ष 2023 में यह आंकडा 9.2त्न तक जा पहुंच गया था। जबकि अमेरिका की अपनी जीडीपी ग्रोथ रेट वर्ष 2022 से 2025 के मध्य मात्र 3 प्रतिशत से ऊपर ही नहीं गई। अमेरिका की कुल आबादी से लगभग दो गुना लोग तो भारत में केवल नौकरीपेशा ही है। अभी हाल ही में इंटरनेशनल मॉनेटरी फंड यानी आईएमएफ के घोषणा की है कि वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत की अर्थव्यवस्था 6.5त्न की दर से बढ़ सकती है जो कि एक उपलब्धि होगी। ऐसे में अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के द्वारा भारतीय अर्थ व्यवस्था को डेड इकनॉमी बताकर अपनी षडयंत्रकारी प्रवृत्ति का स्वयं ही खुलासा कर दिया है। भारत के संसदीय सत्र के दौरान ट्रंप ने बयान दिया जिसके आधार पर नेता विपक्ष यानी राहुल गांधी ने तत्काल सरकार को घेरने की अपनी नाकाम कोशिश शुरू कर दी। यह अगल बात है कि उन्हें उनकी ही पार्टी के नेताओं ने ही आइना दिखा दिया। टैरिफ की गीदड़ भभकी देने वाले ट्रंप ने 7 अगस्त से अपना फरमान लागू करने की घोषणा कर दी है जिससे 69 देशों सहित पूरा यूरोपीय संघ सीधा प्रभावित हो रहा है। टैरिफ के अनुसार अफगानिस्तान पर 15, एलजीरिया पर 30 प्रतिशत, अंगोला पर 15 प्रतिशत, बांग्लादेश पर 20, बोलीविया पर 15, बोस्निया पर 30, हर्जेगोविना पर 30, बोत्सवाना पर 15, ब्राजिल पर 10, ब्रुनेई पर 25, कंबोडिया पर 19, कैमरून पर 15, कोस्टा रिका पर 15, कोटे डी आइवर पर 15, कांगो 15, इक्वेडोर पर 15, इक्वेटोरियल गिनी पर 15, यूरोपीय संघ पर 15, फाकलैंड द्वीप समूह पर 10, फिजी पर 15, घाना पर 15, गुयाना पर 15, आइसलैंड पर 15, भारत पर 25, इंडोनेशिया पर 19, इराक पर 35, इजराइल पर 15, जापान पर 15, जॉर्डन पर 15, कजाखस्तान पर 25, लाओस पर 40, लिसोटो पर 15, लीबिया पर 30, लिकटेंस्टाइन पर 15, मेडागास्कर पर 15, मलावी पर 15, मलेशिया पर 19, मॉरीशस पर 15, मोलदोवा पर 25, मोजाम्बिक पर 15, म्यांमार यानी बर्मा पर 40, नामिबिया पर 15, नाउरू पर 15, न्यूजीलैंड पर 15, निकारागुआ पर 18, नाइजीरिया पर 15, उत्तर मैसेडोनिया पर 15, नॉर्वे पर 15, पाकिस्तान पर 19, पापुआ न्यू गिनी पर 15, फिलिपींस पर 19, सर्बिया पर 35, दक्षिण अफ्रीका पर 30, दक्षिण कोरिया पर 15, श्रीलंका पर 20, स्विट्जरलैंड पर 39, सीरिया पर 41, ताइवान पर 20, थाईलैंड पर 19, त्रिनिदाद पर 15, टोबैगो पर 15, ट्यूनीशिया पर 25, टर्की पर 15, युगांडा पर 15, यूनाइटेड किंगडम पर 10, वानुअतु पर 15, वेनेजएला पर 15, वियतनाम 20, जाम्बिया पर 15 तथा जिम्बाब्वे पर 15 प्रतिशत टैरिफ देना होगा। सबसे ज्यादा टैक्स रेट वाले देशों में सीरिया को 41, स्विट्जरलैंड को 39, लाओस और म्यांमार को 40, इराक और सर्बिया को 35 और लीबिया और अल्जीरिया को 30 प्रतिशत की सीमा में रखा गया हैं जबकि ताइवान, भारत और वियतनाम जैसे अन्य देश 20 से 25 प्रतिशत की सीमा में हैं। इस सबके पीछे भारत का वैश्विक मंच पर बढता कद, स्वदेशी उत्पादन की वृद्धि, रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता का बढता ग्राफ, ब्रिक्स करैन्सी की योजना, रूस के साथ गहरे संबंध, चीन के साथ कायम होता संतुलन, मालदीप जैसे देशों का पुनः जागता भारत प्रेम जैसे अनेक कारण हैं जिनके कारण डोनाल्ड ट्रंप अपनी गिरती साख को बचाने के लिए मुहम्मद तुगलक बनकर एक पागल बादशाह का पर्याय बनते जा रहे हैं। अमेरिका ने पहली बार भारत पर षडयंत्र शस्त्र से आक्रमण नहीं किया है बल्कि इतिहास के पन्नों में उसकी घातक मानसिकता के संदर्भ भरे पडे हैं। सन् 1962 में भारत-चीन युद्ध होने के कारण देश के हालत चिन्ताजनक हो गये थे। उसके बाद सन् 1965 में भारत को पाकिस्तान से युद्ध करना पड गया। तब अमेरिका से आने वाले अनाज पर ही देश पूरी तरह निर्भर था। ऐसे में युद्ध के मध्य ही अमेरिकी राष्ट्रपति लिंडन बेन्स जॉनसन ने भारत को अनाज देने से मना कर दिया था। उसका मानना था कि भारतवासी अब अमेरिका के सामने घुटना टेककर आत्मसमर्पण कर देंगें मगर देश के तत्कालीन प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री ने अपने नागरिकों के साथ मिलकर हरित क्रांति शंखनाद करके अमेरिका के मंसूबों पर पानी फेर दिया था। इसी तरह सन् 1998 में परमाणु परीक्षण के दौरान भी अमेरिका ने भारत पर अनेक प्रतिबंध लगाने का ऐलान किया किन्तु देश एक बार फिर अपने आत्मविश्वास की दम पर सीना ताने खडा रहा। आज देश में मिसाइलों से लेकर फाइटर जेट तक, कम्प्यूटर से लेकर मोबाइल फोन तक, अत्याधुनिक मशीनरीज से लेकर भारी संयत्रों तक का निर्माण हो रहा है। अंतरिक्ष से लेकर समुद्र की गहराइयों तक में भारत का डंका बज रहा है। ऐसे में दबाव की राजनीति, दमन का षडयंत्र और पीठ में छुरा भौंकने में माहिर अमेरिका अपनी खोखली धमकियों और देश में स्लीपर सेल के रूप में छुपे मीर जाफरों की दम पर भारत को एक बार फिर झुकाने का मंसूबा पाल बैठा है जो आने वाले समय में आत्मघाती कदम हो सकता है।

राजनीति में भद्रता की मिसाल थे अरुण जेटली, उन पर धमकाने का आरोप लगाना घटिया राजनीति है

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूँढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं।

(नीरज कुमार दुबे)

राहुल गांधी के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है।

खुद कई मामलों में जमानत पर चल रहे राहुल गांधी की सारी राजनीति आरोप लगाते रहने पर ही टिकी हुई है। वह भारत में बोलें या विदेशी धरती पर, उनके संबोधनों में सिर्फ भारत की सरकार और भारत के संवैधानिक संस्थान ही निशाने पर होते हैं। राहुल गांधी पहले प्रधानमंत्री के लिए 'चौकीदार चोर है' वाली टिप्पणी का उपयोग करते थे, मगर सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें फटकार लगाई तो वह संवैधानिक संस्थानों को चोर बताने लग गये हैं। एक दिन पहले राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के अधिकारियों को धमकाते हुए कहा था कि रिटायर हो जाओगे तब भी तुम्हें ढूँढ़ निकालेंगे और आज उन्होंने उन लोगों पर हमले शुरू कर दिये जोकि इस धरा पर अपना पक्ष रखने के लिए नहीं हैं।

राहुल गांधी ने स्वर्गीय पूर्व केंद्रीय मंत्री अरुण जेटली पर जो आरोप लगाये हैं वह बेहद निचले स्तर की राजनीति है। राहुल गांधी अमीर घराने से जरूर हैं लेकिन सभ्यता के मामले में बेहद गरीब हैं क्योंकि वह यह सामान्य-सी बात भी नहीं जानते कि हमारे धर्म और संस्कृति में यही सिखाया जाता है कि स्वर्गीय व्यक्ति के प्रति कभी भी अनादर नहीं प्रकट करना चाहिए। राहुल गांधी आरोप लगा रहे हैं कि अरुण जेटली ने उन्हें धमकाया जबकि असलियत यह है कि स्वर्गीय अरुण जेटली जनवरी 2019 से ही एक तरह से बिस्तर पर थे। हम आपको याद दिला दें कि फरवरी 2019 में जब जेटली को बतौर वित्त मंत्री लोकसभा चुनावों से पहले संसद में अंतरिम बजट पेश करना था तब उनकी अमेरिका में सर्जरी होने की

वजह से उनकी जगह वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल को वित्त मंत्रालय का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा गया था। उसके बाद जेटली की जगह पीयूष गोयल ने अंतरिम बजट पेश किया था।

हम आपको यह भी बता दें कि अरुण जेटली की 14 मई 2018 को किडनी प्रत्यारोपण सर्जरी हुई थी और उसके बाद से वह घर से ही काम कर रहे थे। वह अपने मंत्रालय की बैठकों में भी ऑनलाइन शामिल होते थे और अत्यंत आवश्यक होने पर ही लोगों से मुलाकात करते थे क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें किसी से मिलने से मना किया हुआ था। ऐसे में राहुल गांधी का यह दावा कि अरुण जेटली उन्हें धमकाने गये थे ना सिर्फ सफेद झूठ है बल्कि देश के ईमानदार नेताओं में शुमार रहे व्यक्ति की छवि पर प्रहार भी है। देखा जाये तो राहुल गांधी कहने को तो कांग्रेस के लीगल कॉन्कलेव में बोल रहे थे लेकिन यहां बातें उन्होंने इल-लीगल कह दीं।

दूसरी ओर, राहुल के बयान पर भाजपा नेता तो पलटवार कर ही रहे हैं साथ ही स्वर्गीय अरुण जेटली के पुत्र रोहन जेटली ने भी राहुल गांधी के बयान को तथ्यात्मक रूप से गलत और दिवंगत नेता की स्मृति के प्रति अनादरपूर्ण बताया है। उन्होंने कहा, मेरे पिता का 2019 में निधन हो गया था, जबकि कृषि कानून 2020 में पेश किए गए थे। राहुल गांधी का यह दावा समय-सीमा के हिसाब से असंभव है। रोहन ने यह भी कहा कि अरुण जेटली लोकतांत्रिक मूल्यों में विश्वास रखते थे और कभी भी दबाव की राजनीति नहीं करते थे। रोहन ने कहा कि वह संवाद और सहमति निर्माण में विश्वास रखते थे। यदि कोई राजनीतिक मतभेद होता भी, तो वे खुली और रचनात्मक चर्चा के माध्यम से समाधान निकालने का प्रयास करते थे। उन्होंने राहुल गांधी को चेतावनी दी कि दिवंगत नेताओं को राजनीतिक विवादों में न घसीटें। रोहन जेटली ने कहा कि राहुल गांधी ने मनोहर पर्रिकर जी के मामले में भी कुछ ऐसा ही किया था। कृपया डिपेर्ड लीडर को शांति से रहने दें।

इस बीच, गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने भी राहुल गांधी पर जमकर हमला बोला है। उन्होंने - पर लिखा, राहुल गांधी के झूठ अब बर्दाश्त से बाहर हैं। वह बार-बार भाजपा के वरिष्ठ नेताओं का नाम अपनी कल्पनाओं से भरे बयानों में घसीटते हैं। यह दावा कि अरुण जेटली जी ने उन्हें कृषि कानूनों पर धमकाया, न सिर्फ हास्यास्पद है बल्कि पूरी तरह से शर्मनाक और घृणित है। प्रमोद सावंत ने यह भी याद दिलाया कि राहुल गांधी ने स्वर्गीय मनोहर पर्रिकर के मामले में भी गलत बयान दिए थे। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी ने राफेल सौदे पर झूठा आरोप लगाने के लिए पर्रिकर जी से मुलाकात का गलत अर्थ प्रस्तुत किया था। ऐसे बयान न केवल तथ्यों को तोड़-मरोड़ कर पेश करते हैं, बल्कि उन नेताओं की गरिमा को ठेस पहुंचाते हैं जिन्होंने देश के लिए अपना जीवन समर्पित किया।

बहरहाल, देखा जाये तो राहुल गांधी की यह आदत बन गयी है कि वह राजनीतिक लाभ के लिए दिवंगत नेताओं के नाम और छवि का इस्तेमाल करते हैं। यह न केवल राजनीतिक शिष्टाचार के खिलाफ है बल्कि सामाजिक दृष्टि से भी अनुचित है। साथ ही ऐसे बयानों से न केवल राजनीतिक विमर्श का स्तर गिरता है, बल्कि दिवंगत नेताओं की छवि भी अनावश्यक रूप से विवादों में घसीटी जाती है। राजनीतिक दलों को चाहिए कि वे तथ्यों के साथ अपनी दलीलें रखें और व्यक्तिगत या मृत नेताओं पर हमले करने से बचें।(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

संक्षिप्त समाचार

खैराचातर मंदिर में कांवरियों ने किया जलाभिषेक

कसमार (बोकारो)/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कसमार प्रखंड के खैराचातर पंचायत में सोमवार को ग्रामीण कांवड़ यात्रा का आयोजन किया गया। इस संबंध में पंचायत के मुखिया विजय कुमार जायसवाल ने बताया कि खैराचातर के विद्याहा नदी से शिव मंदिर तक भक्तों द्वारा कावड़ यात्रा निकाली गई। भरी संख्या में महिला एवं पुरुष कावड़ियों ने शिवलिंग पर जलार्पण किया । उन्होंने बताया कि शिव मंदिर का नवनिर्माण का कार्य चल रहा है। ग्रामीणों के सहयोग से बहुत अच्छे और बहुत भक्तिमय वातावरण में कार्यक्रम को सफल बनाया गया। इस दौरान श्रीकेश जायसवाल, विनय, दे, अमितेज जायसवाल, मनीष गौतम आदि उपस्थित थे।

गिरिडीह सृजन शाखा ने गायों की सेवा की

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। मारवाड़ी महिला सम्मेलन गिरिडीह सृजन शाखा ने पशु सेवा के तहत गिरिडीह पचंबा श्री गोपाल गौशाला में वृद्ध गायों एवं बछडो को गुड, केला, हरी सब्जियां खिलाकर गायों की सेवा की गौ माता की सेवा देकर संस्था के सभी सदस्यगण बहुत ही प्रसन्न हुए और इस तरह की सेवा आने वाले दिनो मे जारी रखने का संकल्प लिया इस कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष प्रिया जालान, सचिव निधि खंडेलवाल ,कोषाध्यक्ष मेघा जालान ,निक्की गाड़िया, कोमल केडिया, सलोनी सिंघानिया, लीना झुनझुनवाला, स्वाति बसइवाला, रक्षा जालान इत्यादि का भरपूर सहयोग मिला इस गौ सेवा के आयोजन से गौसवेकों ने बहुत ही खुशी जताई और कार्यक्रम की सराहना की।

जमुआ विधायक ने विधानसभा में होम गार्ड बहाली में जमुआ एवं देवरी में पद निर्धारित करने की मांग की

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान जमुआ विधायक मंजु कुमारी ने गिरिडीह जिले में चल रही होम गार्ड बहाली प्रक्रिया में जमुआ और देवरी प्रखंड को पूरी तरह से वंचित रखे जाने पर कड़ी आपत्ति जताई। उन्होंने शून्यकाल के माध्यम से सरकार से पत्र लिखकर मांग की है कि दोनों प्रखंडों में भी होम गार्ड के पद सृजित कर विशेष बहाली प्रक्रिया शीघ्र शुरू की जाए विधायक मंजु कुमारी ने बताया कि विज्ञापन संख्या 01/2023 के तहत गिरिडीह जिला में कुल 708 पदों के लिए होम गार्ड की बहाली की प्रक्रिया प्रारंभ की गई है, लेकिन इस प्रक्रिया में जमुआ और देवरी जैसे बड़े प्रखंडों को पूरी तरह से अनदेखा किया गया है। उन्होंने कहा कि इन क्षेत्रों में बड़ी संख्या में युवा इस सेवा में शामिल होने को इच्छुक हैं, लेकिन पद नहीं रहने से वे अवसर से वंचित हो रहे हैं। उन्होंने सरकार से मांग की कि इस अन्याय को शीघ्र दूर करते हुए दोनों प्रखंडों के लिए भी पद निर्धारित किए जाएं, जिससे युवाओं को रोजगार के अवसर मिलें और सुरक्षा व्यवस्था में स्थानीय भागीदारी सुनिश्चित हो।

बाल शिक्षा मंदिर विद्यालय में 'हर हर महादेव' कार्यक्रम का आयोजन

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। आज बाल शिक्षा मंदिर विद्यालय में 'हर हर महादेव' नामक एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें कक्षा 3 से 8 तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों ने भगवान शिव की सुंदर-सुंदर चित्रकलाएँ बनाई और अपनी अद्भुत प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं से जोड़ना था, ताकि वे अपनी जड़ों को पहचान सकें और उनमें गौरव महसूस करें। बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए अपनी रचनात्मकता और सांस्कृतिक समझ को उजागर किया। इस आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य श्री प्रभाकर घोष, उप-प्राचार्या श्रीमती बेबी सिंह तथा शिक्षिकाएँ श्रीमती संगीता सिन्हा, राधा थापा, रिंकी ठाकुर, सरिता सहित अन्य शिक्षिकाएं उपस्थित रही और कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई विद्यालय परिवार द्वारा इस प्रकार के कार्यक्रम भविष्य में भी आयोजित किए जाते रहेंगे, जिससे बच्चों में संस्कृति, कला और शिक्षा के प्रति रुचि बनी रहे।

ट्रांसफॉर्मर जलने से बिजली आपूर्ति बाधित

नरकटियागंज/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। प्रखंड के राजपुर तुमकड़िया पंचायत के वार्ड संख्या 13 मठीया गाव में सोमवार की सुबह विधुत ट्रांसफॉर्मर में अचानक आग लग गई। जिससे पूरे वार्ड के घरों के बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। बिजली आपूर्ति ठप होने के चलते सभी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बंद हो गया। जिससे उपभोक्ताओं को काफी परेशानी हुई। स्थानीय अखिलेश्वर मिश्रा, आर्यन मिश्रा, नासिर मियां, मजीद मियां आदि ग्रामीणों ने बताया कि रविवार की शाम से ही लो वोल्टेज की समस्या शुरू हो गई थी। जिसके चलते दर्जन भर घरों में विधुत आपूर्ति बाधित थी। सोमवार की सुबह विधुत कर्मियो ने आकर देखा तो ट्रांसफॉर्मर के फ्यूज को ठीक किया । जिसके कुछ देर के बाद ट्रांसफॉर्मर से धुआं निकलने लगा और ट्रांसफॉर्मर जल गया। ग्रामीणों ने विभाग से ट्रांसफॉर्मर को जल्द से जल्द ठीक कराते हुए। बिजली आपूर्ति बहाल करने की मांग की है। इधर बिजली एसडीओ सूचित कुमार ने बताया कि ट्रांसफॉर्मर खराब होने की सूचना मिली है। विधुत कर्मियो को भेजकर उसे जल्द ही ठीक कराने का प्रयास किया जा रहा है।

फरार चल रहे अभियुक्त सुनील मोदी को पुलिस ने किया गिरफ्तार

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। देवरी थाना क्षेत्र अन्तर्गत ग्राम जालखरियोडीह स्थित साहु फ्युल सेन्टर में दिनांक 22.09.2020 को अज्ञात लोगों के द्वारा लूट - पाट की घटना को अंजाम दिया गया था। उक्त घटना के संदर्भ में देवरी थाना काण्ड संख्या 268/20 दिनांक - 22/09/2020 धारा - 392 भा० द० वि० के तहत अज्ञात अपराधकर्मियों के विरुद्ध दर्ज करते हुए अनुसंधान प्रारंभ किया गया। दिनांक 22/10/2020 को देवरी थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान एक बिना नम्बर का काला रंग के पल्सर 220एफ मोटरसाईकिल पर सवार तीन लोगों को रोका गया, जिसमें एक व्यक्ति सुशील पासवान पिता हरिनन्दन पासवान, सा० लक्ष्मीपुर, थाना सकुड़ा, पोस्ट - मुजफ्फरपुर, जिला - मुजफ्फरपुर (बिहार) के कमर से एक लोहे का देशी पिस्टल जिसमें दो जिन्दा कारतुस तथा सुनील कुमार दास पिता - राजेन्द्र दास सा० चाई, थाना झाझा, जिला जमुई, (बिहार) के जिन्स के पॉकेट से दो जिन्दा कारतुस को बरामद किया गया। एक व्यक्ति जिसका नाम सुनील मोदी उम्र 32 वर्ष पिता स्व० नरेश मोदी सा० साऊथ बाजार कॉलोनी अण्डाल, थाना -अण्डाल, जिला - पश्चिम बर्धमान (पश्चिम बंगाल) भागने में सफल रहा। उक्त घटना के संदर्भ में देवरी थाना काण्ड संख्या 296/20 दिनांक - 22/10/2020 धारा 414/34 भा० द० वि० एवं 25 (1बी)ए/26/35 आर्म्स एक्ट दर्ज किया गया। गिरफ्तार दोनों अभियुक्तों ने अपने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में देवरी थाना काण्ड संख्या 268/20 दिनांक 22/09/2020 धारा 392 भा० द० वि० में अपनी संलिप्तता को स्वीकार किये तथा बतलाये कि उपरोक्त लोगों ने कई स्थानों पर अण्डाल, दुर्गापुर, कुल्टी, मैथन, निरसा, झाझा वगैरह स्थानों पर चोरी छिनतई, लूटपाट, गोलीबारी जैसे घटना को अंजाम दे चुके हैं। जिसके बाद से ही आरोपी सुनील मोदी उम्र 32 वर्ष पिता स्व० नरेश मोदी सा० साऊथ बाजार कॉलोनी अण्डाल, थाना अण्डाल, जिला- पश्चिम बर्धमान (पश्चिम बंगाल) फरार चल रहा था। गुप्त सुचना एवं तकनिकी साक्ष्य के आधार पर पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा फरार चल रहे अभियुक्त की गिरफ्तारी हेतु एक छापामारी दल का गठन कर तारापीठ, जिला बीरभूम (पश्चिम बंगाल) भेजा गया। जहां पर तारापीठ थाना के सहयोग से दोनों कांडों में फरार चल रहे अभियुक्त सुनील मोदी को गिरफ्तार कर लाया गया। अभियुक्त सुनील मोदी ने अपने अपराध स्वीकारोक्ति बयान में कांड में अपनी संलिप्तता की बात को स्वीकार किये हैं गिरफ्तार अभियुक्तों की विवरणी सुनील मोदी उम्र 32 वर्ष पिता स्व० नरेश मोदी सा० साऊथ बाजार कॉलोनी अण्डाल, थाना- अण्डाल, जिला - पश्चिम बर्धमान (पश्चिम बंगाल) वर्तमान में सा० साशपुर, थाना तारापीठ, जिला - बीरभूम (पश्चिम बंगाल)।अभियुक्त का अपराधिक इतिहास अंडाल थाना कांड सं090/16, दिनांक 03.04.2016, धारा-3 डब्लू.बि. गंभीलिंग एंड प्राइज कम्पटीशन्स एक्ट. 1957 कुल्टी थाना कांड सं0 49/20, दिनांक 02/02/2020, धारा 399 / 402 भा०द०वि० एवं 25/27/35 आर्म्स एक्ट निरसा थाना कांड सं0 300/20, दिनांक 23/09/2020, धारा-392/411 भा०द०वि० एवं 27 (1) आर्म्स एक्ट देवरी थाना कांड सं0268/20, दिनांक 22/09/2020, धारा 392/411 भा०द०वि० ।देवरी थाना कांड सं0 296/20, दिनांक 22/10/2020, धारा 414 / 34 भा०द०वि० एवं 25 (1) /26/35 आर्म्स एक्ट अंडाल थाना कांड सं0264/22, दिनांक 21/07/2022, धारा 399 / 402 भा०द० वि० एवं 25 (1बि) ए आर्म्स एक्ट छापामारी दल में शामिल पुलिस पदाधिकारी एवं कर्मी का नाम पु०अ०नि० सोनु कुमार साहू, थाना प्रभारी, देवरी थाना पु०अ०नि० गणेश कुमार यादव, देवरी थाना आ0/498- भागीरथ महतो स0आ0 82 - बिनय कुमार।

भाकपा-माले प्रखंड कमेटी के सदस्यों ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंडी अस्मिता के पहचान, शोषित पीड़ित जनता के रहबर दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोकाकुल भाकपा-माले प्रखंड कमिटी के सदस्यों ने उनके तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दिया। नावाहार गांव में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में पार्टी के जिला कमेटी सदस्य शंकर पाण्डेय ने गुरू जी को स्मरण करते हुए कहा कि आने वाली पीढ़ी को वे एहसास नहीं होने देंगे कि " शिबू सोरेन ने जो दायित्व अपने कंधे पर लिया था उसे पूरा करते हुए जिया यही विरासत आनेवाले पीढ़ियों को हमेशा प्रेरित करते रहेगा। प्रखंड कमेटी सचिव रामलाल मुर्मू ने कहा कि गुरू जी भौतिक रूप में भले अब हमलोगों के बीच नहीं रहेंगे लेकिन उनका शोषित-पीड़ीत, मेहनतकश इंसान के प्रति अगाध प्रेम और शोषण जुल्म के खिलाफ उलगुलान के लिए हमेशा प्रेरणा के स्त्रोत बने रहेंगे! शोक श्रद्धांजलि देने में रंजीत मुर्मू, जयनारायण सिंह, बालेश्वर राम, सुखदेव महतो, भीम महतो, नुनु सिंह, ललिता देवी शामिल थे।

शिबू सोरेन जी के निधन पर समाहरणालय में शोक सभा का आयोजन किया गया

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखंड राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री, राज्यसभा सांसद, आदिवासी समाज की मजबूत आवाज दिशोम गुरू आदरणीय शिबू सोरेन जी के निधन पर आज समाहरणालय में शोक सभा का आयोजन किया गया। जिला उपायुक्त, रामनिवास यादव ने शोकसभा में उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति हेतु श्रद्धांजलि अर्पित की।

उपायुक्त ने शोक संदेश में कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी का जीवन संघर्ष, आदिवासी समाज के अधिकारों एवं सम्मान के लिए समर्पित रहा। उन्होंने झारखंड राज्य की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने आदिवासी समाज के हक और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया। झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा। उनका निधन संपूर्ण राज्य के लिए अपूरणीय क्षति है। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक, उप विकास आयुक्त, अपर समाहर्ता, जिला स्तरीय पदाधिकारी, कर्मचारी उपस्थित थे। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति एवं परिजनों को इस दुःख की घड़ी में संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की।

सीएसआईआर-सीआईएमएफआर ने किया स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। सीएसआईआर-सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ माइनिंग एंड फ्यूल रिसर्च (सीएसआईआर-सीआईएमएफआर) ने अपने कर्मचारि, पेंशनभोगी और उनके जीवनसाथियों के लिए फेनोम इंडिया-सीएसआईआर हेल्थ कोहोर्ट नॉलेज बेस (पी-आई-चेक) पहल के तहत आठ दिवसीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का आयोजन किया है। भारत भर के सभी 37 सीएसआईआर प्रयोगशालाओं में लागू यह प्रमुख पहल 'स्वस्थ भारत, विकसित भारत' के सपने को साकार करने के लिए डेटा-आधारित स्वास्थ्य, वेलनेस और प्रिसिजन मेडिसिन को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखती है। इस स्वास्थ्य शिविर का उद्घाटन डॉ. अरविंद कुमार मिश्रा, निदेशक, सीएसआईआर-सीआईएमएफआर द्वारा किया गया। शिविर का आयोजन दो चरणों में होगा- 4 से 8 अगस्त तक बारवा रोड परिसर में तथा 9 से 11 अगस्त तक दिगवाडीह परिसर में। इस कार्यक्रम में लगभग 500 स्वयंसेवी प्रतिभागियों के शामिल होने की उम्मीद है। पी-आई-चेक कार्यक्रम का उद्देश्य आधुनिक कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और मशीन लर्निंग (एमएल) तकनीकों को बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य डेटा के साथ जोड़कर एक राष्ट्रीय स्वास्थ्य कोहोर्ट तैयार करना है। यह आधार भारतीय जनसंख्या के लिए विशेष रूप से तैयार प्रिसिजन मेडिसिन विकसित करने में सहायक होगा। एकत्रित आंकड़े विभिन्न बीमारियों के निदान और पूवार्नुमान बायोमार्कर खोजने में भी मदद करेंगे। उद्घाटन के बाद, डॉ. अरविंद कुमार मिश्रा ने शिविर में लगाए गए परीक्षण केंद्रों का निरीक्षण किया, व्यवस्थाओं की समीक्षा की और पी-आई-चेक टीम व स्वयंसेवकों से बातचीत की। उन्होंने सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित किया और इस महत्वाकांक्षी कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया।स्वास्थ्य परीक्षणों में कई प्रकार की जांच शामिल हैं, जैसेः ट्रांजिएंट इलास्टोग्राफी- लिवर की जांच के लिए इलेक्ट्रोकार्डियोग्राम -हृदय की जांच के लिए स्पाइरोमेट्री और ऑसिलोमेट्री झ फेफड़ों की कार्यक्षमता की जांच के लिए बायोकेमिस्ट्री पैनल्स - लिवर फंक्शन टेस्ट , किडनी फंक्शन टेस्ट , कंप्लीट ब्लड काउंट (सीबीसी), और लिपिड प्रोफाइलआहार संबंधी मूल्यांकन आयुर्वेद विशेषज्ञों द्वारा प्रकृति मूल्यांकन।

ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

कहा, हक-अधिकार की लड़ाई के प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे दिशोम गुरु

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। 'ऑल इंडिया फारवर्ड ब्लाक' ने दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए उन्हें अलग झारखंड राज्य आंदोलन का महानायक बताया। साथ ही कहा कि, इस महानायक के निधन से झारखंड ही नहीं, पूरे देश के लिए जो राजनीतिक क्षति हुई है, उसकी भरपाई निकट भविष्य में नहीं की जा सकती। पूर्व जिप सदस्य एवं ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक नेता राजेश यादव ने कहा कि, शिबू सोरेन ने झारखंड के आदिवासियों सहित हक-अधिकार से वंचित हर तबके को अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए जीने की राह दिखाई। इसे लोग नहीं भूल सकते। कहा कि, अधिकारों की लड़ाइयों में शिबू सोरेन हमेशा प्रेरणास्त्रोत बने रहेंगे। श्रद्धांजलि देने वालों में फॉरवर्ड ब्लॉक के राजेंद्र मंडल, मनोज यादव, शिवनंदन यादव, महेश निराला, रामलाल मंडल, संजय चौधरी, रामकिशोर सिंह, खीरू दास, मुकेश कुमार, रंजन कुमार सहित अन्य थे।

राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के अध्यक्ष राजकुमार राज ने शोक प्रकट किया

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। ढिशुम गुरु स्वर्गीय शिबू सोरेन जी का निधन पर राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार राज ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा है कि झारखंड निर्माण से लेकर दलित शोषितों और खास करके आदिवासियों के लिए अंधेरे से प्रकाश में लाने का आंदोलन तथा झारखंड अलग निर्माण के साथ-साथ देश में छोटे राज्यों के निर्माण के लिए पदम श्री राम विलास पासवान जी के साथ लगातार संघर्षरत रहे स्वर्गीय सोरेन के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके संघर्ष को देखते हुए उन्हें मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग करता हूं '

आदिवासी समाज के अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया शिबू गुरु नेः धनंजय सिंह

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। एक आंदोलनकारी धरतीपुत्र पूरी जिंदगी संघर्ष असाधारण व्यक्तित्व झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन आदिवासी समाज की मजबूत आवाज उनके हक और अधिकारों के लिए आजीवन संघर्ष किया झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा उनका जाना एक युग का अंत होने के समान है आज झारखंड ने अपना अभिभावक खोया है आप जहां भी रहे हम सब पर आशीर्वाद बनाए रखें।

स्व सोरेन आंदोलन से उपजे हुए नेता थे और आंदोलन के बल पर ही आगे बढ़े :सरयु गोप

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। झारखण्ड सरकार के पूर्व मुख्यमंत्री राज्य सभा सांसद शिबू सोरेन के निधन पर जदयू ने दुःख व्यक्त किया है दुःख व्यक्त करते हुए जदयू के प्रदेश सचिव सरयु गोप ने कहा कि स्व सोरेन आंदोलन से उपजे हुए नेता थे और आंदोलन के बल पर ही आगे बढ़े इनकी लड़ाई हर समय गरीबों मजदूरों की हक और अधिकार दिलाने के होती थी आज झारखण्ड ही नहीं पूरे देश ने एक आंदोलनकारी वो क्रांतिकारी नेता को खो दिया जो निकट भविष्य में इसकी भरपाई संभव नहीं है शोक व्यक्त करने वाले में मुख्य रूप से जदयू के जवाहर केशरी पवन कुमार वर्मा जिब्राइल अंसारी बासुदेव विश्वकर्मा सुधीर आनंद विनोद राणा मनोज कुमार छक्कू मंडल संजय यादव दिलीप नारायण सिंह मृत्युंजय प्रजापति राजेन्द्र उपाध्याय आदि उपस्थित थे।

गयाजी के उपथु गांव में गोल इंस्टिट्यूट द्वारा 'गोल कॉम्पिटिटीव स्किल डेवलपमेंट स्कूल' का शुभारंभ

पटना/नवबिहार टाइमस ब्यूरो। गोल इंस्टिट्यूट अपने सामाजिक दायित्व के तहत आज 'गोल कॉम्पिटिटीव स्किल डेवलपमेंट स्कूल' की स्थापना एवं प्रारम्भ गयाजी जिला के उपथु के गोल फाउण्डेशन के प्रांगण में रुद्राभिषेक के साथ सम्पन्न किया। इस स्कूल का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरूरतमंद परिवारों के छात्रों को प्रतियोगी परीक्षाओं की जागरुकता, आधारभूत शिक्षा एवं सहयोग की व्यवस्था एवं इस तरह का स्किल डेवलप कराना है जिससे छात्र एवं खासकर छात्राएं प्रतियोगी परिक्षाओं के लिए तैयारी के साथ-साथ रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्राप्त कर सकें और आसानी से नौकरी पा सकें या स्वरोजगार के साथ आत्मनिर्भर बन सकें। इस स्कूल में छात्रों को निःशुल्क कंप्यूटर ज्ञान, अंग्रेजी भाषा की पढ़ाई, गणित की पढ़ाई एवं व्यक्तित्व विकास सहित विभिन्न कौशलों की शिक्षा दी जाएगी। संस्थान का लक्ष्य है कि छात्र एवं छात्राएं कोर्स पूरा करने के तुरंत बाद प्रतियोगी परिक्षाओं में सफलता प्राप्त कर सकें, नौकरी प्राप्त करने के योग्य बन सकें या स्वयं का रोजगार शुरू करने में सक्षम हो सकें। कक्षा 6 से 10 तक के छात्रों को इस विद्यालय में निःशुल्क दाखिला दिया जाएगा। प्रवेश के लिए एक विशेष स्क्रीनिंग टेस्ट आयोजित किया जाएगा, जो छात्रों की रुचि और योग्यता पर आधारित होगा। गोल इंस्टीट्यूट के संस्थापक एवं प्रबंध निदेशक श्री बिपिन सिंह ने इस परियोजना के विजन पर प्रकाश डालते हुए कहा, "हमारा उद्देश्य समाज के आर्थिक रूप से कमजोर एवं जरुरतमंद वर्ग के छात्र और विशेषकर छात्राओं को कौशल आधारित शिक्षा प्रदान कर उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। छात्राओं को शिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाना, समाज और राष्ट्र के विकास के लिए अति आवश्यक है क्योंकि एक शिक्षित छात्र अपने पुरे परिवार के आगे आने वाले कई पीढ़ीयों को शिक्षित बना सकती है और गोल का यह प्रयास है कि छात्राओं को खासकर यह सुविधा अवश्य दी जाएगी। यह प्रयास न केवल छात्रों का भविष्य संवारेगा, बल्कि उनके परिवारों के जीवन को भी परिवर्तित करेगा।" यह विद्यालय गोल इंस्टीट्यूट के फाउंडर एवं मैनेजिंग डायरेक्टर श्री विपिन सिंह के पैतृक गाँव गयाजी जिले के महाचक के पास उपथु गाँव में स्थापित किया गया है। इसका विधिवत उद्घाटन पूजा अर्चना के साथ 3 अगस्त 2025, रविवार को किया गया।

दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल ने मनाया 5वां स्थापना दिवस, नई तकनीकों से बिहार को दी बड़ी सौगात

पटना/नवबिहार टाइमस ब्यूरो। बिहार में नेत्र चिकित्सा के क्षेत्र में अग्रणी दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल ने अपना 5वां स्थापना दिवस पटना के होटल ताज में धूमधाम से मनाया। इस अवसर पर आयोजित भव्य साइंटिफिक कार्यक्रम में प्रदेश भर के नेत्र सहायक और नेत्र चिकित्सक बड़ी संख्या में शामिल हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बिहार सरकार के नगर विकास मंत्री जीवेश कुमार थे, जबकि पुलिस महानिदेशक विनय कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे। अस्पताल के निदेशक डॉ. सत्य प्रकाश तिवारी, डॉ. बंदना तिवारी और डॉ. रत्नेश रंजन ने अतिथियों का स्वागत करते हुए पिछले पांच वर्षों की उपलब्धियों को साझा किया। डॉ. तिवारी ने बताया कि दृष्टिपुंज आई हॉस्पिटल ने बिहार को नेत्र चिकित्सा में कई अत्याधुनिक तकनीकें और सुविधाएँ प्रदान की हैं। अस्पताल में रेटिना के इलाज के लिए एलकॉन कॉन्स्टेलेशन मशीन का लूमेरा 700 माइक्रोस्कोप, ओसीटी और वाइड फील्ड फंडस कैमरा जैसी विश्वस्तरीय मशीनें लगाई गई हैं। इसके अलावा कंटोरा विजन लसीक लेजर, पेंटाकैम और कॉलेजन क्रॉस लिंकिंग जैसी नई तकनीकें भी मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही हैं। मुख्य अतिथि श्री जीवेश कुमार ने अपने संबोधन में दृष्टिपुंज परिवार को स्थापना दिवस की बधाई देते हुए कहा कि इस अस्पताल ने राज्य के लोगों को अत्याधुनिक नेत्र चिकित्सा सेवाएँ अपने ही शहर में उपलब्ध कराकर बड़ी राहत दी है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ऐसे संस्थानों को हरसंभव सहयोग देगी ताकि बिहार स्वास्थ्य सेवाओं में देश में अग्रणी बन सके। डॉ. तिवारी ने भरोसा दिलाया कि दृष्टिपुंज अस्पताल भविष्य में भी आँखों की हर जटिल से जटिल बीमारी का उन्नत इलाज देकर मरीजों की सेवा करता रहेगा। कार्यक्रम में नेत्र चिकित्सा में नए शोध और तकनीकों पर भी विशेषज्ञों ने विचार-विमर्श किया।

जूनोटिक रोगों को लेकर स्कूली बच्चों में जागरूकता फैलाने हेतु बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय द्वारा विशेष अभियान

पटना/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पशुओं से मनुष्यों में फैलने वाले संक्रामक रोगों जिसे जूनोटिक रोग कहा जाता है के प्रति स्कूली छात्रों को जागरूक करने हेतु बिहार पशु विज्ञान विश्वविद्यालय, पटना के अंतर्गत बिहार वेटनरी कॉलेज के पशु लोक स्वास्थ्य एवं महामारी विज्ञान विभाग द्वारा दिनांक 6 जुलाई से 2 अगस्त 2025 तक विशेष जागरूकता अभियान माह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के तहत तीन विद्यालयों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गएः पहला कार्यक्रम 10 जुलाई को ग्लोबल प्रतिभा स्कूल, आशियाना फेज-3, पटना में, दूसरा 23 जुलाई को हाई स्कूल चिरौरा, नौबतपुर में तथा तीसरा 2 अगस्त को बिहार सैनिक पुलिस-5 उच्च विद्यालय, कैम्प जेल, पटना में आयोजित हुआ। इन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में स्कूली छात्र-छात्राओं और शिक्षकों ने भाग लिया। जागरूकता कार्यक्रम में छात्रों को जूनोटिक रोगों के प्रकार, उनके संक्रमण के तरीके तथा रोकथाम के उपायों के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, व्यक्तिगत स्वच्छता, विशेषकर हाथों की सफाई का स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव को समझाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. पी. कौशिक (विभागाध्यक्ष) ने की, संचालन डॉ. सिवली साहा रॉय तथा सह-संचालन डॉ. अंजय द्वारा किया गया।

पतंजलि परिवार गिरिडीह की ओर से जड़ी बूटी दिवस बहुत ही धूमधाम से मनाया गया

गिरिडीह/नवबिहार टाइम्स संवाददाता। जड़ी बूटी का विख्यात कहे जाने वाले पतंजलि के आचार्य शिरोमणि बालकृष्ण जी महराज का आज 4 अगस्त को अवतरण दिवस है । उन्होंने ही आयुर्वेद को पुनर्स्थापित किया है और असाध्याय से असाध्याय बीमारियों का इलाज छोटे-छोटे जड़ी बूटियां के माध्यम से करने का नुस्खा का खोज किया है ।आज उनका जन्म दिवस पूरे विश्व स्तर पर आज मनाया जाता है।जिसमें वृक्षारोपण, औषधीय पौधों का वितरण किया जाता है। इस मौके पर गिरिडीह के विभिन्न क्षेत्रों में आचार्य शिरोमणि का जन्म दिवस उत्साह पूर्वक मनाया गया जिसके तहत जड़ी बूटी पौधों का वितरण, वृक्षारोपण तथा औषधीय पौधों व जड़ीबूटी के बारे में जानकारी दी गयी। वंही इसे लेकर सुबह सोनवाद के नजदीक विजय बरनवाल के कैंपस में पतंजलि परिवार गिरिडीह द्वारा वृक्षारोपण किया गया। जिसमें हरसिंगार नींबू, पपीता,एलोवेरा, पान पत्ता, गिलोय, तुलसी ,कदम, नीम आदि मुख्य रूप से थे। इसके बाद भंडारीडीह के नजदीक भूपेंद्र सिंह के पेट्रोल पंप में दिन के 1:00 बजे स्टॉल लगाकर जड़ी बूटी पौधों का वितरण किया गया और उसके बारे में राहगीर को जागरूक किया गया। पेट्रोल पंप पर वृक्षारोपण भी किया गया। वंही पेट्रोल पंप के मालिक भूपेंद्र सिंह के द्वारा इस कार्य में भरपूर सहयोग किया गया। इधर सरिया, राजधनवार , जमुवा, बिरनी ,पीरटांड़ ,बेंगाबाद आदि कई प्रखंडों में योग शिक्षक, प्रखंड प्रभारी के नेतृत्व में यह कार्यक्रम किया गया। भारत स्वाभिमान न्यास गिरिडीह के जिला प्रभारी नवीन कांत सिंह के नेतृत्व में आज का कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम में को सफल बनाने में संगठन मंत्री देवेंद्र सिंह, भूपेंद्र सिंह, उपेंद्र सिंह, विजय बरनवाल,युवा प्रभारी रणधीर गुप्ता,मीडिया प्रभारी पुष्पा शक्ति, मनजीत सिंह का सराहनीय सहयोग रहा। इस मौके पर निर्मल कौर सुनीता बरनवाल प्रेमलता अग्रवाल अविनाश प्रसाद राजेंद्र तर्व सरिता प्रसाद अनीता देवी मनजीत सिंह, पिंकी खेतन प्रभात खेतान , पुष्पा शक्ति,शिवानी कुमारी हेमंत सिंहा अंजू अग्रवाल,नवनीत उपाध्याय,नवनीत सिंह आदि काफी संख्या में लोगों ने भाग लेकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

आचार्य बालकृष्ण का जन्म दिन जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया

भुली/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। पतंजलि योग केंद्र में आचार्य बालकृष्ण के जन्म दिवस के मौके पर जड़ी बूटी दिवस के रूप में मनाया गया। जिसमें मुख्य रूप से पत्थरचट्टा, मोरिंगा, गिलोय, नीम, बेल, तुलसी अर्जुन के छाल एवं विभिन्न औषधीय पौधे के बारे में जानकारी दी गई। एवं सभी के बीच औषधीय पौधे को वितरित किया गया। और कोई भी बीमारी होने पर जड़ी बूटी द्वारा निर्मित औषधि को अपनाने को कहा गया है । योग केंद्र के प्रभारी अशोक गुप्ता ने कहां की आचार्य बालकृष्ण आज के धनवंतरी हैं उनके द्वारा बहुत सारे औषधीय पौधों को खोज किया गया है जो जड़ी बूटी के द्वारा बहुत सारे बीमारियों को ठीक किया जा सकता है । योग केंद्र में उपस्थित सभी लोगों ने आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर उनको दीघार्यु होने की कामना किया । झारखंड सोशल मीडिया प्रभारी रंजीत कुमार ने आचार्य बालकृष्ण के जन्मदिवस के अवसर पर उन्हें कोटि-कोटि नमन एवं दीघार्यु होने की ईश्वर से कामना किया । इस मौके पर विजय रजक, रामेश्वर कुमार, गुरु चरण सिंह, विजय श्रीवास्तव, राकेश वर्मा, ज्ञान्ती मौर्या, वंदना गुप्ता, डोमेन नोनिया, प्रवीण कुमार, विवेकानंद, सीमा देवी, कबूतरी देवी, अरविंद कुमार, सचिन कुमार, केशव कुमार सिंह सभी उपस्थित थे ।

पेरासिटामोल समेत 35 दवाएं हुई सस्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने मरीजों को बड़ी राहत देते हुए कई दवाओं की कीमत कम कर दी है। नैशनल फार्मास्युटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने 35 जरूरी दवाओं के दाम घटा दिए हैं। इनमें पेरासिटामोल, एटोरवास्टेनिन और एमोक्सिसिलिन जैसी दवाएं शामिल हैं जो हार्ट, डायबिटीज और सायकायट्रिक के मरीजों के लिए जरूरी हैं। अब ये दवाइयां कम

कीमत पर मिलेंगी। इससे खासकर उन मरीजों को काफी राहत मिलेगी जो लोग लंबे समय से बीमारियों से जूझ रहे हैं।

नई कीमत

अकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स कंपनी एसीक्लोफेनाक-पैरासिटामोल-ट्रिप्सिन काइमोट्रिप्सिन की एक टैबलेट बनाती है। इसे डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज बेचती है। अब इसकी कीमत 13 रुपये तय की गई है। वहीं, कैडिला फार्मास्यूटिकल्स इसी दवा को 15.01 रुपये में बेचेगी। इसी तरह दिल की बीमारियों में काम आने वाली एटोरवास्टेटिन 40 मिलीग्राम और क्लोपिडोग्रेल 75 मिलीग्राम की एक टैबलेट अब 25.61 रुपये में मिलेगी। बच्चों के लिए पेरासिटामाल के ओरल सस्पेंशन (घोल) भी सस्ते किए गए हैं। विटामिन डी की कमी दूर करने के लिए ड्रॉप्स और डाइक्लोफेम इंजेक्शन भी सस्ते हुए हैं।

टैरिफ के प्रभाव पर चर्चा करेगा कपड़ा मंत्रालय

- केंद्रीय मंत्री करेंगे उद्योगपतियों से मुलाकात

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र सरकार ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए 25 फीसदी टैरिफ से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। अमेरिकी निर्यात पर निर्भर देश के कपड़ा उद्योग ने भी टैरिफ के प्रभाव का आकलन करना शुरू कर दिया है। इसे लेकर कपड़ा मंत्रालय ने भी कमर कस ली है। टैरिफ

के बारे में जल्द ही केंद्रीय कपड़ा मंत्री गिरिराज सिंह बड़े उद्योगपतियों से मुलाकात करेंगे। इसमे उद्योगपतियों से टैरिफ के प्रभाव के बारे में बात की जाएगी। इस मुलाकात में भारत-ब्रिटेन एफटीए को लेकर भी चर्चा होगी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की तरफ से भारत से किए जाने वाले आयातों पर 25 फीसदी टैरिफ लगाने का आदेश सात अगस्त से प्रभावी होगा। समाचार एजेंसी पीटीआई को कपड़ा मंत्रालय के सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सरकार अमेरिकी टैरिफ के संभावित प्रभाव को कम करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहती है। सरकार और उद्योग का लक्ष्य 2030 तक 100 अरब डॉलर का कपड़ा निर्यात करना है। सूत्रों ने कहा कि टैरिफ को लेकर घरेलू कपड़ा निर्यातकों को समर्थन देने के लिए विचार किए जा रहे किसी भी उपाय के बारे में बात करना जल्दबाजी होगी, लेकिन सरकार उद्योग की प्रतिक्रिया जानना चाहती है।

तुमसे न हो पाएगा... भारत-चीन की दुकान बंद करने चले थे ट्रंप

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दुनिया भर के देशों पर टैरिफ लगाया है। हालांकि फार्मा को इससे अलग रखा गया है लेकिन ट्रंप ने इस पर भी टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इसकी वजह यह है कि ट्रंप ने फार्मा कंपनियों को अमेरिका में दवा बनाने की क्षमता का विस्तार करने को कहा है। भारत और जापान अमेरिका को जेनरिक दवाओं के सबसे बड़ा सप्लायर हैं। मतलब साफ है कि ट्रंप दवाओं के मामले में अमेरिका को आत्मनिर्भर बनाना चाहते हैं। बड़ी-बड़ी कंपनियों ने अमेरिका में अपनी कैपेसिटी बढ़ाने की बात कही है। लेकिन जानकारों का कहना है कि

एक्सपर्ट्स ने बता दी औकात

अमेरिका के लिए दवा सेक्टर में आत्मनिर्भर बनना आसान नहीं है।

ट्रंप की दवाओं के आयात पर टैरिफ लगाने की धमकी के बाद कई दवा कंपनियों ने अमेरिका में मैन्युफैक्चरिंग ऑपरेशंस बढ़ाने की बात कही है। सीएनएन की एक रिपोर्ट के मुताबिक एस्ट्राजेनेका ने अमेरिका में 50 अरब डॉलर, जॉनसन एंड जॉनसन ने 55 अरब डॉलर और एली लिली ने 27 अरब डॉलर निवेश करने की घोषणा की है। कुल मिलाकर दवा कंपनियां अमेरिका में 250 अरब डॉलर का निवेश करने जा रही हैं। ट्रंप

का कहना है कि यह देश के राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। साथ ही उन्होंने दवा कंपनियों से कीमत में कमी की भी मांग की है।

कई देशों से जुड़े हैं तार

लेकिन जानकारों का कहना है कि दवा कंपनियों के इस निवेश के बावजूद अमेरिका की विदेश पर निर्भरता में कमी आने की उम्मीद नहीं है। दवा बनाने में काम आने वाले कच्चे माल के लिए अमेरिका को विदेशों पर ही निर्भर रहना होगा। साथ ही अमेरिका के लोगों के लिए दवा की कीमत में कमी आने की भी उम्मीद नहीं है। इसकी वजह यह है कि फार्मा इंडस्ट्री के तार दुनिया के कई देशों से जुड़े हैं। अमेरिका और विदेशी कंपनियां भी लंबे समय से कई दवाएं अमेरिका में ही बना रही हैं। एनालिस्ट्स का कहना है कि ट्रंप की धमकी के बाद कुछ कंपनियां अमेरिका में प्रॉडक्शन बढ़ा सकती हैं। लेकिन जेनरिक दवा बनाने वाली कंपनियों ने ऐसा कोई वादा नहीं किया है। इसकी वजह यह है कि वे इस तरह का जोखिम नहीं ले सकती हैं क्योंकि उनका मार्जिन बहुत कम होता है। कुछ जेनरिक दवाएं अमेरिका में ही बनाई जाती हैं। इनमें स्टेराइल इंजेक्टेबल ड्रग्स, ओरल लिक्विड मेडिकेशन और कंट्रोल्ड सब्सटेंसेज शामिल हैं। लेकिन अधिकांश दवाएं और कैप्सूल विदेशों खासकर भारत में बनती हैं।

जेनरिक दवाएं

दो कंपनियों ने अमेरिका में जेनरिक दवाओं का प्रॉडक्शन बढ़ाने के लिए निवेश की घोषणा की है। लेकिन बाकी कंपनियों आगे आने को तैयार नहीं हैं। इसकी वजह यह है कि इसमें मार्जिन बहुत कम हैं और कंपनियों को संदेह है कि शायह उन्हें अपने निवेश पर रिटर्न नहीं मिल पाएगा। अमेरिका में डॉक्टरों की पर्ची में 90 फीसदी हिस्सा जेनरिक दवाओं का होता है। इसमें से ज्यादातर दवाएं विदेशों से आती हैं। अमेरिकी सांसद कई बार यह चिंता जता चुके हैं कि भूराजनीतिक संकट के समय इन दवाओं का सप्लाई बाधित हो सकती है। जानकारों का कहना है कि अगर सरकार ने स्थानीय कंपनियों को इंसेंटिव नहीं दिया तो अमेरिका में जेनरिक दवाओं के प्रोडक्शन में तेजी आने की उम्मीद नहीं है। अगर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए ऐसा करना जरूरी है तो इसके लिए अमेरिका को भारी कीमत चुकानी होगी। अभी यह साफ नहीं है कि फार्मा इंडस्ट्री पर कितना टैरिफ लगेगा।

लोगों पर बोझ

लेकिन जानकारों का कहना है कि नई फैसिलिटी बनाने में तीन से पांच साल का समय लग सकता है। उसके बावजूद भी दवा कंपनियों के लिए लॉन्ग टर्म निवेश पर कोई फैसला करना आसान नहीं होगा। अमेरिका में दवा बनाने से वे टैरिफ से तो बच जाएंगे लेकिन इसका कच्चा माल विदेशों से मंगाने के लिए उन्हें टैरिफ देना होगा। अमेरिका में दवा बनाने का यह मतलब नहीं है कि वे सस्ती होंगी। अमेरिका में उत्पादन की लागत ज्यादा होती है। अंत में इसका बोझ आम लोगों पर ही पड़ेगा।

7 साल तक सुपरवाइजरी करने के बाद उठाया बड़ा कदम

शुरू किया ये काम, अब 15 करोड़ का टर्नओवर

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली के एक युवा ने अपनी मेहनत से बड़ा कारोबार खड़ा कर दिया है। उनका नाम शिवम त्यागी है। शिवम ने 2013 में गाजियाबाद की एक दवा कंपनी के गोदाम में काम करना शुरू किया था। वह वहां ऑपरेशन सुपरवाइजर थे। सात साल बाद उन्होंने नौकरी छोड़ दी। फिर अपना बिजनेस शुरू किया। आज उनकी कंपनी फायटिका हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स ब्यूटी, वेलनेस और डाइटरी सप्लीमेंट बनाती है। इसमें न्यूट्रास्युटिकल्स और इम्युनिटी बूस्टर भी शामिल हैं। पिछले साल कंपनी ने 15 करोड़ रुपये का कारोबार किया। शिवम त्यागी ने यह सब अपनी मेहनत और लगन से किया है। उन्होंने दिखा दिया कि अगर मन में कुछ करने की ठान लो तो उसे पूरा किया जा सकता है। आइए, यहां शविम त्यागी की सफलता के सफर के बारे में जानते हैं।

साल 2013 में ग्रेजुएशन करने के बाद शिवम त्यागी ने अपने पिता की सलाह पर एक दवा कंपनी

के गोदाम में काम करना शुरू किया। वहां उन्हें फार्मास्यूटिकल इंडस्ट्री के बारे में प्रैक्टिकल जानकारी मिली।

सामने आईं कई चुनौतियां

फायटिका की सफलता का सफर चुनौतियों से भरा रहा है। त्यागी को ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म पर कड़ी प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा। साथ ही ग्राहकों को अपने उत्पादों के फायदों के बारे में शिक्षित करने में काफी मेहनत करनी पड़ी। इन चुनौतियों के बावजूद उनकी कंपनी लगातार बढ़ी। आज फायटिका के 23 से ज्यादा प्रोडक्ट बाजार में उपलब्ध हैं। वह अब मैग्नीशियम जैसे नए प्रोडक्ट और डायबिटीज तथा कोलेस्ट्रॉल को कंट्रोल करने वाले जूस की रेंज भी बढ़ाना चाहते हैं। शिवम त्यागी ग्राहकों को बनाए रखने और लॉजिस्टिक्स को बेहतर बनाने पर लगातार काम कर रहे हैं ताकि उनकी कंपनी की ग्रोथ जारी रहे।

कम हो सकती हैं पेट्रोल-डीजल की कीमतें!

ओपेक+ देशों ने हर दिन 547000 बैरल तेल उत्पादन पर जताई सहमति

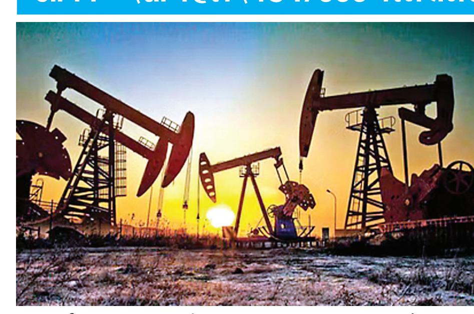

नई दिल्ली, एजेंसी। तेल निर्यातक देशों के समूह ओपेक+ गठबंधन के सदस्य देशों ने तेल उत्पादन बढ़ाने पर सहमति जताई है। अब ओपेक देश हर दिन 547000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। ओपेक देशों के इस कदम से पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आ सकती है।

ओपेक देशों के समूह ने रविवार (स्थानीय समयानुसार) को एक वर्चुअल बैठक की। इस दौरान उन्होंने घोषणा की कि समूह के आठ सदस्य देश सितंबर में प्रतिदिन 547,000 बैरल तेल उत्पादन बढ़ाएंगे। तेल उत्पादन बढ़ाने वाले देशों में सऊदी अरब, रूस, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, कजाकिस्तान, अल्जीरिया और ओमान शामिल हैं।

अभी तक ये देश अपनी मर्जी से कम तेल उत्पादन कर रहे थे। उन्होंने यह कम उत्पादन नवंबर 2023 में शुरू किया था, जिसे सितंबर 2026 तक चरणबद्ध तरीके से समाप्त करने की योजना थी। लेकिन अब यह फैसला किया गया है कि वे स्वैच्छिक उत्पादन कटौती को तय समय से पहले ही समाप्त कर देंगे।

स्मॉल बैंक के क्यू1 नतीजों से निवेशक हुए निराश

नई दिल्ली, एजेंसी। शेयर बाजार में जिन कंपनियों की हालत खराब है उन कंपनियों की लिस्ट में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक भी है। कंपनी के शेयरों में 8 प्रतिशत की गिरावट आज देखने को मिली है। कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 2023 में हुई थी। मौजूदा समय में कंपनी के शेयरों का भाव इश्यू प्राइस से भी कम का है।

52 वीक लो लेवल पर भाव

बीएसई में उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 21 रुपये के लेवल पर खुला था। दिन में कंपनी के शेयरों भाव 8 प्रतिशत टूटने के बाद 20.09 रुपये के लेवल पर आ गया। यह कंपनी का 52 वीक लो लेवल है। इस कंपनी का मार्केट कैप 2221.95 करोड़ रुपये का है।

60 प्रतिशत तक टूट चुका है शेयर- कंपनी की शेयर बाजार में लिस्टिंग 25 रुपये पर हुई थी। उसकी तुलना में भी यह स्टॉक और नीचे लुढ़क चुका है। उत्कर्ष स्मॉल फाइनेंस बैंक का 52 वीक हाई 51.40 रुपये (बीएसई में) है। तब से अबतक कंपनी के शेयरों की कीमतों में 60 प्रतिशत की गिरावट आई है। बता दें, इस साल यह स्मॉल फाइनेंस बैंक का शेयर 41 प्रतिशत गिर चुका है।

आरबीआई अगस्त एमपीसी में वित्त वर्ष 26 के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य कम कर सकता है

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) आगामी अगस्त एमपीसी (मौद्रिक नीति समिति) की बैठक में वित्त वर्ष 2025-26 के लिए अपने मुद्रास्फीति के लक्ष्य को घटा सकता है। केयरएज रेटिंग्स की एक हालिया रिपोर्ट में यह कही गई है। भारतीय रिजर्व बैंक की एमपीसी की बैठक 4 अगस्त से 6 अगस्त 2025 के बीच हो रही है। इसमें लिए गए फैसलों का एलान 6 अगस्त को होगा।

रिपोर्ट के अनुसार, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) मुद्रास्फीति वित्त वर्ष 26 में औसतन 3.1 प्रतिशत के आसपास रह सकती है, जो आरबीआई के मौजूदा 3.7 प्रतिशत के अनुमान से काफी कम है। वित्त वर्ष 26 के कम आधार प्रभाव के कारण, वित्त वर्ष 27 में मुद्रास्फीति लगभग 4.5 प्रतिशत पर उच्च रहने की उम्मीद है। रिपोर्ट में कहा गया है, एमपीसी मुद्रास्फीति लक्ष्य कम

रिपोर्ट में किया गया दावा

करेगी...वित्त वर्ष 26 में सीपीआई मुद्रास्फीति औसतन लगभग 3.1 प्रतिशत रहेगी। वित्त वर्ष 26 के निम्न आधार को देखते हुए, हमारा अनुमान है कि वित्त वर्ष 27 में औसत सीपीआई मुद्रास्फीति अधिक, लगभग 4.5 प्रतिशत रहेगी।

रिपोर्ट के अनुसार, जून में मुख्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक मुद्रास्फीति तेजी से घटकर 2.1 प्रतिशत पर आ गई, जो उम्मीद से कम है और जनवरी 2019 के बाद से सबसे निचला स्तर है। मुद्रास्फीति में यह गिरावट मुख्य रूप से खाद्य कीमतों में निरंतर नरमी और पिछले वर्ष के अनुकूल आधार प्रभाव के कारण हुई।

आंकड़ों की बात करें तो सीपीआई श्रेणी में, खाद्य और पेय पदार्थ की कीमतों में कमी आई है। यह जून में साल-दर-साल आधार पर 0.2 प्रतिशत घटी। इसकी वजह सब्ज़ियों (-19 प्रतिशत), दालों (-12 प्रतिशत), मसालों (-3 प्रतिशत) और मांस (-1.6 प्रतिशत) की कीमतों में भारी गिरावट रही।

भविष्य की ओर देखते हुए, रिपोर्ट में बताया गया है कि बेहतर कृषि उत्पादन और निरंतर आधार प्रभाव समर्थन के कारण खाद्य मुद्रास्फीति नियंत्रित रहने की उम्मीद है। इस बीच, जून में मुख्य मुद्रास्फीति मामूली बढ़कर 4.4 प्रतिशत हो गई, लेकिन रिपोर्ट में स्पष्ट किया गया है कि यह व्यापक आधारित नहीं थी और मुख्य रूप से कीमती धातुओं की ऊँची कीमतों के कारण थी।

टैक्स बचाने के साथ बेहतरीन रिटर्न भी

लंबे समय तक बाजार में निवेशित बने रहना जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। निवेश की दुनिया में रिटर्न या परिणाम अपेक्षाओं के अनुरूप न होने की भावना अक्सर निराशा के रूप में प्रकट होती है। यही निराशा निवेशकों को बाजार का समय जानने की कोशिश करने के लिए प्रेरित करती है। बाजार का समय तय करने की प्रक्रिया में किसी प्रतिभूति की कीमत में संभावित वृद्धि या गिरावट का अनुमान लगाना और उसके अनुसार प्रतिभूति खरीदना या बेचना शामिल है। सोशल मीडिया पर यही विषय इस समय चर्चा में है। हाल में पिरामल फाइनेंस के प्रबंध निदेशक जयराम श्रीधरन ने एक पोस्ट में बताया, कैसे बाजार का समय तय करने से बेहतर फायदा हो सकता है। कैसे कभी-कभी

अधिक समय तक बने रहना बाजार का समय तय करने की कोशिश का बेहतर तरीका हो सकता है। कैसे उनका 10,100 रुपये का निवेश 25 वर्षों में 7.9 लाख रुपये में बदल गया।

श्रीधरन ने पोस्ट में बताया कि 1998 में नौकरी ज्वाइन करने के तुरंत बाद उन्होंने निवेश का सफर शुरू करने का फैसला किया। उन्होंने पहले निवेश के तहत 1999 में 10,100 रुपये में ईएलएसएस यूनिट्स खरीदी थीं। 25 वर्षों में इस निवेश की कीमत बढ़कर 7,90,457 रुपये हो गई है।

श्रीधरन ने आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल की ईएलएसएस टैक्स सेवर ग्रोथ स्कीम की यूनिट्स खरीदी थी। यह निवेश 19.05 फीसदी की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर से बढ़ा है। यानी 7,726 फीसदी फायदा।

इसी अवधि में सेंसेक्स ने 12.15 फीसदी और निफ्टी-50 इंडेक्स ने 12.48 फीसदी सीएजीआर की दर से रिटर्न दिया है।

बेहतर रिटर्न के लिए लंबे समय तक निवेश जरूरी

उभरते बाजारों में आमतौर पर तेज वृद्धि देखी जाती है। पिछले 25 वर्षों में प्रमुख सूचकांकों में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। हालांकि, श्रीधरन के निवेश को देखकर हम समझ सकते हैं कि इस वृद्धि का अधिकतम लाभ उठाने के लिए बाजार में निवेशित बने रहना जरूरी है। ईएलएसएस में सबसे बड़ा फायदा कि इससे टैक्स बचाने में भी मदद मिलती है। इसमें निवेश कर सालाना आप 1.5 लाख तक की छूट प्राप्त कर सकते हैं। ईएलएसएस शेयर बाजार में निवेश करता है। इसका मतलब है कि यहां रिटर्न की संभावना अधिक होती है। हालांकि इसमें जोखिम भी होता है, लेकिन यदि आप लंबी अवधि तक निवेश करते हैं, तो यह आपको बेहतर रिटर्न दे सकता है।

दोगुना से ज्यादा बढ़ा मुनाफा, रॉकेट बन गया शेयर, पहुंचा 500 रुपये के पार

नई दिल्ली, एजेंसी। सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स के शेयरों में सोमवार को तूफानी तेजी आई है। सारदा एनर्जी के शेयर सोमवार को 20 पर्सेंट के अपर सर्किट के साथ 527.10 रुपये पर पहुंच गए हैं। चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जबरदस्त नतीजों के बाद कंपनी के शेयरों में यह तेज उछाल आया है। पहली तिमाही में सारदा एनर्जी का मुनाफा दोगुना से ज्यादा बढ़ा है। कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 565.55 रुपये है। वहीं, सारदा एनर्जी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 244.75 रुपये है।

118 प्रतिशत से ज्यादा बढ़ा सारदा एनर्जी का प्रॉफिट- सारदा एनर्जी एंड मिनरल्स लिमिटेड का मुनाफा चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 118.53 पर्सेंट बढ़कर 434.36 करोड़ रुपये पहुंच गया है।

एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी का प्रॉफिट 198.76 करोड़ रुपये था। अप्रैल-जून 2025 तिमाही में सारदा एनर्जी की सेल्स सालाना आधार पर 77.86 पर्सेंट बढ़कर 1625.50 करोड़ रुपये रही है। एक साल पहले की समान अवधि में कंपनी की सेल्स 913.91 करोड़ रुपये थी। पहली तिमाही में कंपनी का इबिट्डा बढ़कर 617 करोड़ रुपये पहुंच गया, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 261 करोड़ रुपये था। पहली तिमाही में कंपनी का मार्जिन बढ़कर 37.8 पर्सेंट पहुंच गया है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 28.1 पर्सेंट था।

छंटनी के दौर में वित्तीय स्थिरता और जरूरी खर्चों के लिए ऐसे करें तैयारी; निवेश, आपातकालीन फंड बनाएं

नई दिल्ली, एजेंसी। टीसीएस ने हाल ही में 12,000 से अधिक कर्मचारियों को बाहर निकालने की घोषणा की है। कई

अन्य कंपनियां भी छंटनी की तैयारी में हैं। इससे पूरे आईटी क्षेत्र में नौकरियों पर संकट मंडराने लगा है। नौकरी जाना हमेशा कठिन होता है। यह न सिर्फ आपकी वित्तीय स्थिरता की राह में चुनौती खड़ा कर सकता है, बल्कि रोजमर्रा के जरूरी खर्चों पर भी असर डालता है। लेकिन, कुछ समझदारी भरे कदमों से यह सुनिश्चित कर सकते हैं कि छंटनी का आर्थिक रूप से आप पर ज्यादा असर न पड़े।

मजबूत आपातकालीन फंड बनाएं - यह फंड वित्तीय सुरक्षा देता है।

हेल्थ इंश्योरेंस कराएं

नौकरी जाने पर नियोक्ता से मिला हेल्थ इंश्योरेंस भी छिन जाएगा। इस दौरान कोई भी मेडिकल इमरजेंसी आपकी बचत खत्म कर सकती है। इसलिए, अपने और परिवार के लिए एक अलग हेल्थ इंश्योरेंस पॉलिसी जरूर खरीदें।

मौजूदा स्थिति का जायजा लें - अपने नियोक्ता से पिछला वेतन, बची छुट्टियों का भुगतान सहित सभी बकाया राशि वसूलने से शुरुआत करें। फिर अपनी बचत, निवेश और आपातकालीन फंड का जायजा लें। यही वह पैसा है, जो आगे में आपके खर्चों को प्रबंधित करने में मदद करेगा। पुनर्भुगतान में मुश्किल तो बैंक से बात करें - अगर आपको ईएमआई या क्रेडिट कार्ड बिल चुकाने में मुश्किल हो रही है, तो अपने बैंक से संपर्क करें। कर्ज का बोझ घटाने के विकल्पों के बारे में पूछें। उदाहरण के लिए, आप अपनी ईएमआई कम करने के लिए कर्ज की अवधि बढ़ा सकते हैं।

New page 9_page 12 29.05.2025.qxd 04-08-2025 22:08 Page 1

गुरुजी के निधन से झारखण्ड के लोग हुए मर्माहत

जब साग भात खाकर पोखरिया से हुंकार भरे थे गुरुजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। टुंडी-गिरिडीह मार्ग पर टुंडी थाना से करीब तीन किमी आगे है कोल्हर मोड़। यहीं से सड़क शिबू सोरेन के आश्रम को जाती है। मनियाडीह थाना के ठीक सामने है पोखरिया का वह आश्रम, जिसने शिबू सोरेन के संघर्ष को दुनिया भर में पहचान दी। पोखरिया के इस आश्रम में अब श्यामलाल मुर्मू का परिवार रह रहा है। जो गुरुजी के संघर्ष के दिनों के साथी रहे। 26 मई 1994 को माओवादियों के हमले में वे मारे गए। उनके परिवार के लोग दिशोम गुरु के निधन से बेहद व्यथित हैं।

1974 से 1980 के बीच बिनोद बिहारी महतो के साथ मिलकर शिबू सोरेन ने ग्रामीण क्षेत्रों में कष्टप्रद जीवन जी रहे आदिवासियों को संगठित किया। श्यामलाल मुर्मू की पत्नी 75 वर्षीय पत्नी बहाली देवी कहतीं हैं कि गुरुजी जंगल में ही रात दिन रहते थे। तभी पोखरिया में आश्रम बनाया था। इसी आश्रम से आदिवासियों को संगठित किया, दिकू भगाओ व जमीन वापसी का आंदोलन चलाया।

आश्रम में सब मिलकर रणनीति बनाते थे। उग्रवाद प्रभावित टुंडी के गांवों में महाजनी प्रथा के खिलाफ शिबू सोरेन ने धनकटनी आंदोलन भी चलाया। वे अक्सर एक पुरानी जीप या बाइक से गांव गांव घूमकर महाजनों के खिलाफ लोगों को जागरूक करते थे।शराब के थे सख्त खिलाफ, पीने वालों को देते थे दंड बहाली कहती हैं कि गुरुजी शराब पीने वालों को दंडित करते थे। अपनी जीप के पीछे बांधकर कुछ दूरी तक घसीट देते थे। ताकि वे शर्म के कारण शराब पीने से तौबा करें। काफी लोगों को शराब की लत छुड़वा दी। उनके साथ आंदोलन में रहे जगत कहते हैं कि दिशोम गुरु शराब व मांसहार के खिलाफ थे। श्यामलाल के बेटे प्रकाश मुर्मू ने बताया कि शिबू काका यहां आते थे तो लोग डर से शराब नहीं पीते थे। उनके दंड से सभी डरते थे।मनियाडीह के थाना प्रभारी शिव कुमार कहते हैं कि करीब डेढ़ वर्ष से थाने में हैं। अक्सर देश के अलग अलग कोने से लोग दिशोम गुरु का आश्रम देखने पहुंचते हैं। सबको अचरज होता है कि किन परिस्थितियों में रहकर उन्होंने समाज के बड़े हिस्से में सकारात्मक बदलाव की ज्वाला जलाई। साग भात खाकर अलग राज्य आंदोलन को दी तेजी। बताया कि दिशोम गुरु उनके पति के काफी अजीज रहे। कई वर्ष तक उनके हाथों से बना साग भात उन्होंने खाया। उनको साग व भात मिलाकर खाना बहुत पसंद था। उनके कमरे में पति के संग दिशोम गुरु की तस्वीर लगी है।

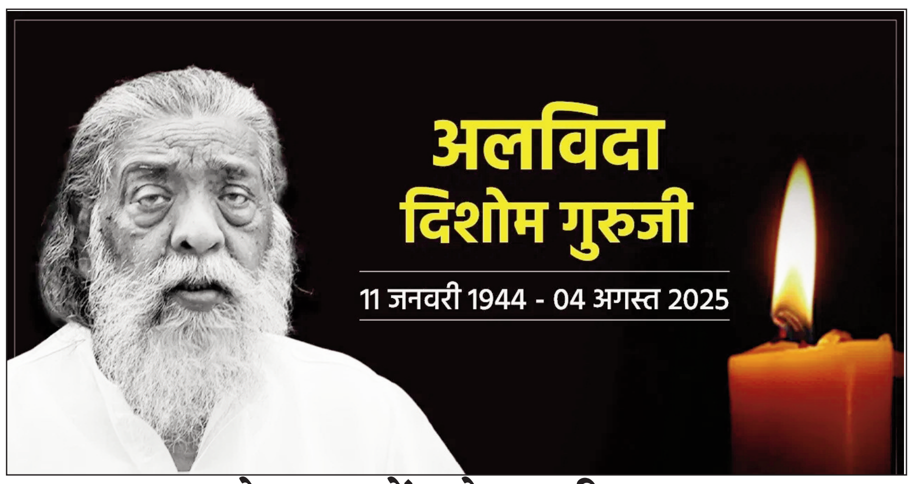

कोल्हान में शोक की लहर

चाईबासा। दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन से पूरा राज्य शोकाकुल है। इसी कड़ी में कोल्हान के राजनीतिक दल के पक्ष और विपक्ष के नेताओं ने उन्हें याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित किया है। मंत्री दीपक बिरुवा ने उन्हें ऐसा गुरु माना, जिन्होंने बिना गुरु दक्षिणा के लिए राजनीति में दक्ष बनाया।

उन्होंने कहा कि गुरुजी का जाना झारखंड ही नहीं देश के एक महान आदिवासी नेता के युग का अंत हो गया। उन्होंने 70 के दशक में जिस प्रकार लड़ाई लड़ कर आम लोगों को जागृत किया, उसका कोई जवाब नहीं है। उन्हें राज्य के महान क्रांतिकारी नेता के रुप में याद किया जायेगा। वह हमारे मन में हमेशा जिंदा रहेंगे, उनके दिखाये रास्ते से हम राज्य और देश का विकास कर सकते हैं।

लुंगी पहन देर रात कलक्टर आफिस के सामने की थी सभा

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

देवघर । आंदोलन में 1978 से देवघर में कोई साथ था तो वह मोहनपुर प्रखंड के पाटजोर के रहने वाले मो नौशाद हैं। गुरुजी के निधन की खबर सुनकर अपने को संभाल नहीं पा रहे हैं।

आंदोलन की पूरी दास्तां सुनाने के क्रम में कांग्रेस की दमनकारी नीति की चर्चा करते हुए कहा कि वह गुरुजी के साथ दुमका में स्थापना दिवस समारोह में जा रहे थे।

उस वक्त के उपायुक्त यूडी चौबे हमलोगों को खोज रहे थे। गोपनीय सूचना मिली की दोनों को खोज कर गोली मार दी जाएगी। हमलोग दुमका के जामा के पास गाड़ी छोड़कर खेते खेत भागने लगे।

रास्ते में एक सूखा कुंआ में गिर गए। पायजामा फट गई। गुरुजी ने गांव वालों से सहायता मांगी, तब लूंगी दी गई। लूंगी पहन देर रात दुमका कलक्टर आफिस के सामने मैदान में गुरुजी ने सभा की।

70 से अधिक बसंत देख चुके उम्र की पीड़ा से परेशान मो नौशाद का गांव त्रिकुट पहाड़ के पीछे है। मो नौशाद का शरीर कमजोर हो गया है ।लेकिन आज भी आंदोलन की चर्चा करते वक्त वह पुरानी ताकत लौटती दिखी। कहा कि जब रासुका लगा था और पुलिस खोज रही थी,तब त्रिकुट पर्वत के पीछे धान के खेत में हम दोनों ने दो दिन तक साथ छिपकर रात बिताए थे। यह कहकर रो पड़े कि अब झारखंड का क्या होगा।

रोते रोते यह कहते रहे कि गुरुजी का सपना गुरुजी की तरह बनकर हेमंत जी को पूरा करने की बड़ी जिम्मेदारी है।

सांसद बीडी राम ने शिबू सोरेन को दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। पलामू के सांसद बीडी राम ने झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री व राज्यसभा सांसद शिबू सोरेन के निधन की सूचना पाकर नई दिल्ली स्थित सर गंगाराम हॉस्पिटल पहुंचे।

उन्होंने श्रद्धांजलि अर्पित कर नमन किया। ईश्वर से उनकी आत्मा की शान्ति के लिए प्रार्थना की। इस दौरान केंद्रीय रक्षा राज्यमंत्री संजय सेठ, सांसद विद्युत वरण महतो, चंदप्रकाश चौधरी, पूर्व सांसद डा अजय कुमार, कांग्रेस अध्यक्ष केशव महतो कमलेश, आशा लकड़ा ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

झारखंड की आत्मा का एक टुकड़ा चला गया

महागामा। महागामा विधायक सह ग्रामीण विकास मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन का जाना सिर्फ एक युग का अंत नहीं, बल्कि झारखंड की आत्मा का एक टुकड़ा हमारे बीच से चला जाना है।

वे हमारे लिए सिर्फ एक नेता नहीं थे, वे संघर्ष की जिंदा मिसाल थे। जिनकी आवाज में आदिवासियों का दर्द था और जिनकी आंखों में झारखंड के सपनों की चमक।

आज जब हम उन्हें विदा दे रहे हैं, तो ऐसा लगता है मानो कोई पेड़ अपनी सबसे मजबूत जड़ खो बैठा हो। गुरु जी का जीवन, उनका बलिदान, उनकी दूरदृष्टि इन सबका प्रतिबिंब हम आज उनके सुपुत्र हेमंत सोरेन में देखते हैं।

हमें विश्वास है कि गुरु जी की ताकत और आशीर्वाद उन्हें मार्ग दिखाएगा, और वे उनके अधूरे सपनों को पूरा करेंगे। गुरु जी अब हमारे विचारों, हमारे संघर्षों और हमारे हर संकल्प में अमर रहेंगे। झारखंड आपको कभी नहीं भूलेगा, गुरु जी।

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और पिता शिबू सोरेन के निधन को लेकर सोमवार सुबह प्रदेश के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने एक्स पर पोस्ट लिखकर सूचना दी थी।

कांग्रेस को हराने के लिए बूथ एजेंट बने थे गुरुजी

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जमींदारों और सूदखोरों के खिलाफ त्वरित न्याय करने के लिए जाने जाने वाले दिशोम गुरु शिबू सोरेन अब हमलोगों के बीच नहीं रहे। संताल परगना में उनकी यादें जन-जन में बसी हैं।

झामुमो कार्यकर्ता अपने बाबा के निधन से मर्माहत हैं। शिबू सोरेन को लेकर कई दिलचस्प किस्से अब लोगों के जुबान पर हैं। इस कड़ी में वर्ष 1985 में गोड्डा विधान सभा चुनाव का एक वाकया खूब चर्चा में है।

जी हां, 1985 के विस चुनाव में यहां शिबू सोरेन झामुमो प्रत्याशी सुमृत मंडल के लिए बूथ एजेंट बने थे। एकीकृत बिहार में तब गोड्डा में तत्कालीन कांग्रेस विधायक हेमंत झा की तूती बोलती थी।

चुनाव में बूथ लूट की घटना तब आम थी। गोड्डा सदर प्रखंड के रमला और पथरगामा प्रखंड के फुलवड़िया गांव में बूथ लूट की शिकायत पर चुनाव आयोग ने

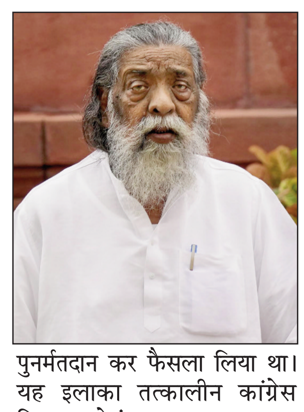

पुनर्मतदान कर फैसला लिया था। यह इलाका तत्कालीन कांग्रेस विधायक हेमंत झा का प्रभाव वाला क्षेत्र हुआ करता था।

चुनाव में झामुमो और कांग्रेस में सीधी भिड़ंत थी। लिहाजा दोनों ही दल के प्रत्याशी जानते थे कि दो बूथ में मिले वोट से ही हार जीत का फैसला होगा। सो, करो या मरो की स्थिति थी। फुलबड़िया बूथ हेमंत झा के पैतृक गांव महेशपुर से महज दो किमी की दूरी पर था वहीं, रमला बूथ सुमृत मंडल के पैतृक गांव कोरका के निकट।

आदिवासियों के मसीहा के रूप में जाने जाते थे शिबू सोरेन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

जमशेदपुर। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) के संस्थापक और झारखंड आंदोलन के दिग्गज नेता शिबू सोरेन का दिल्ली के सर गंगाराम अस्पताल में निधन हो गया।

81 वर्षीय शिबू सोरेन, जिन्हें 'दिशोम गुरु' के नाम से जाना जाता है, लंबे समय से ब्रेन स्ट्रोक और किडनी की बीमारी से जूझ रहे थे। उनके निधन से झारखंड में शोक की लहर है और विशेष रूप से जमशेदपुर, जहां उनका आंदोलन गहरा प्रभाव छोड़ गया। वहां भी उनको श्रद्धांजलि दी जा रही है। शिबू सोरेन का जन्म 11 जनवरी 1944 को हजारीबाग जिले के नामरा गांव में हुआ था। उनके पिता, सोबरन सोरेन, एक शिक्षक थे, जिनकी 1957 में सूदखोरों और शराब माफियाओं के खिलाफ आवाज उठाने के कारण हत्या कर दी गई।

इस घटना ने युवा शिबू को आदिवासी हितों और शोषण के खिलाफ लड़ाई के लिए प्रेरित किया। 1970 में उन्होंने 'धान काटो आंदोलन' शुरू किया, जिसके तहत आदिवासियों की जमीन हड़पने वाले जमींदारों की फसलों को सामूहिक रूप से काटा गया। इस आंदोलन ने उन्हें आदिवासियों के मसीहा के रूप में स्थापित किया। 1972 में, शिबू सोरेन ने बिनोद बिहारी महतो और एके राय के साथ मिलकर झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की स्थापना की। यह संगठन अलग झारखंड राज्य की मांग को निर्णायक रूप देने में महत्वपूर्ण साबित हुआ।

1987 में झामुमो की विशाल जनसभा में सोरेन ने झारखंड के लिए निर्णायक लड़ाई का आह्वान किया। 1989 में उन्होंने विधायक पद से इस्तीफा देकर अलग राज्य के लिए अल्टीमेटम दिया, जिसने आंदोलन को और तेज किया। उनकी मेहनत 15 नवंबर 2000 को फलीभूत हुई, जब झारखंड एक अलग राज्य बना।

जमशेदपुर, झारखंड का औद्योगिक केंद्र, शिबू सोरेन और झारखंड आंदोलन का महत्वपूर्ण गढ़ रहा। 1970 के दशक में, सोरेन ने जमशेदपुर के आसपास के आदिवासी क्षेत्रों में शोषण के खिलाफ आवाज बुलंद की। उनके नेतृत्व में झामुमो ने संथाल परगना और कोल्हान क्षेत्रों में मजबूत पकड़ बनाई। 2015 में जमशेदपुर में हुए झामुमो के अधिवेशन में हेमंत सोरेन को कार्यकारी अध्यक्ष चुना गया, जो शिबू सोरेन के नेतृत्व का विस्तार था।

जमशेदपुर के गोल्फ ग्राउंड में 4 फरवरी 1972 को झामुमो की नींव रखी गई थी, जहां शिबू सोरेन, बिनोद बिहारी महतो और एके राय ने अलग झारखंड के लिए आंदोलन की रूपरेखा तैयार की। इस ऐतिहासिक रैली ने झारखंड आंदोलन को नई दिशा दी और जमशेदपुर को आंदोलन का प्रतीक बनाया।

जीजा-साला गिरोह का पुलिस ने किया उद्‌भेदन

दो बाइक, एक लैपटाप और आठ मोबाइल बरामद

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू) । शहर थाना की पुलिस ने ट्रेनों और शहरी क्षेत्र में चोरी की घटनाओं को अंजाम देने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ किया है।पकड़े गए चोरों में जीजा-साला का संबंध सामने आया है, जो मिलकर ट्रेनों में यात्रियों के सामान पर हाथ साफ करते थे। एंटी क्राइम चेकिंग अभियान के तहत टीओपी-2 पुलिस ने शनिवार को तीन चोरों को गिरफ्तार किया।

गिरफ्तार चोरों में तरहसी निवासी प्रमोद पांडेय, वर्तमान पता कुम्हारटोली दो नंबर टाउन, पंडवा के कोकरसा निवासी अनिकेत तिवारी, औरंगाबाद जिला के कुटुंबा थाना के रामपुर गांव निवासी संजीत ओझा शामिल हैं। उनके पास से दो बाइक, एक लैपटाप और आठ मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

शहर थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि टीओपी-2 प्रभारी राकेश कुमार सिंह के नेतृत्व में डालटनगंज रेलवे कालोनी के पास तलाशी अभियान में संदिग्ध अवस्था में प्रमोद पांडेय को पकड़ा गया।

तलाशी में उसके पास से चुनार-बरवाडीह पैसेंजर ट्रेन से चुराया गया एक नोकिया मोबाइल मिला। पूछताछ में उसने कई और चोरियों का खुलासा किया। प्रमोद ने बताया कि वह अपने ममेरा साला अनिकेत तिवारी और सगा साला संजीत ओझा के साथ मिलकर न केवल ट्रेनों में बल्कि शहर के हास्पिटल चौक से भी बाइक चोरी करता था।

इसमें 1 अगस्त को रांची-बनारस इंटरसिटी ट्रेन से स्लीपर बोगी में लैपटाप और मोबाइल चोरी, 27 जुलाई को इंटरसिटी ट्रेन से एक लैपटाप की चोरी, 23 जुलाई को चुनार-चोपन से बरवाडीह ट्रेन से मोबाइल चोरी, 18 जुलाई को दिल्ली-रांची गरीब रथ एक्सप्रेस से आईफोन व कागजात चोरी की थी।

1973 में धनबाद में किया था झामुमो का गठन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

धनबाद। खेत, खलिहान व आंगन में चौपाल लगती थी। अलग राज्य आंदोलन के अग्रणी नेता बिनोद बिहारी महतो, वामपंथी चिंतक एके राय व दिशोभ गुरु शिबू सोरेन बैठते थे। अलग राज्य आंदोलन को धार देने व शोषित, वंचित और आदिवासी समाज की आवाज उठाने को झारखंड मुक्ति मोर्चा का धनबाद में चार फरवरी 1973 गठन हुआ।

अनेक उतार चढ़ाव के बावजूद पार्टी ने जमीन पर काम किया। आज वह राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बन चुकी है। खैर हम बात करते हैं झारखंड मुक्ति मोर्चा के गठन की।

शिबू सोरेन के संघर्ष के दिनों के साथी जगत महतो बताते हैं कि उस दौरान लोग गांव गांव से ढोल, मांदर के साथ पारंपरिक वेशभूषा व तीर कमान के साथ रैली में पैदल चलकर पहुंचे थे।

आगे-आगे बिनोद बाबू, एके राय व शिबू सोरेन थे। विशाल रैली निकाली गई थी। रैली रणधीर वर्मा चौक से गया पुल झरिया, सिंदरी, बलियापुर होते हुए धनबाद पहुंची थी। दो पहिया वाहन से भी रैली में लोग शामिल थे। एक खास बात और कि उस रैली में एक भी चारपहिया वाहन नहीं था। इस रैली में आई भीड़ ने साबित कर दिया था कि उसे भरोसा है- दिशोम गुरु ही आदिवासी समाज के दर्द पर मरहम लगाएंगे।

इसलिए लोगों का साथ भी भरपूर मिला। टुंडी से उठी सामाजिक न्याय की आवाज देखते ही देखते पूरे झारखंड में गूंज उठी। रणधीर वर्मा चौक से शुरू हुई यह रैली बताती है कि लोगों को दिशोम गुरु पर कितना भरोसा था, जो सामाजिक न्याय की आवाज को पूरे झारखंड में फैला रहे थे।

झारखंड की धरती के लाल थे शिबू सोरेन : डीआईजी

डीआईजी ने जवानों के साथ दो मिनट का किया मौन धारण, दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

मेदिनीनगर (पलामू)। झारखंड के धरती के लाल दिशोम गुरू शिबू सोरेन का आकस्मिक निधन दिल्ली के श्री गंगा राम अस्पताल में हो गया। उनके निधन की खबर झारखंड समेत पूरे देश में आग की तरह फैल गई। इसे सुनकर लोग स्तब्ध हो गये। उनकी आत्मा की शांति के लिए मंदिर, मस्जिद, गिरिजाघर व गुरूद्वारा में विशेष प्रार्थना किया गया। इसी क्रम में पलामू प्रक्षेत्र के डीआईजी नौशाद आलम के आवास पर सोमवार की संध्या में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। डीआईजी ने जवानों के साथ दो मिनट मौन धारण किया। ईश्वर से आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। साथ ही दिशोमगुरू शिबू सोरेन की तस्वीर पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी।

डीआईजी आलम ने कहा कि शिबू सोरेन झारखंड आंदोलन के प्रणेता थे। उनके अथक प्रयास के कारण

झारखंड अलग राज्य बना। आज उनके संघर्ष व तपस्या के कारण आदिवासी समाज ही नहीं, झारखंडवासी शोकाकुल हैं। वे झारखंड की अस्मिता व स्वाभिमान के प्रतीक थे। शिबू सोरेन झारखंड के जननायक थे। इनके एक आह्वान पर लोग आंदोलन में कूद पड़ते थे। आज उनका योगदान व त्याग झारखंडवासियों के दिलों में अमर रहेगा। उनके आदर्शों को आत्मसात करने की जरूरत है। उन्होंने एक घटना का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 2001 में जामा थाना में जब वे थाना प्रभारी के रूप में पदस्थापित थे तो उस समय उन्हें उनका आशीर्वाद मिला। वे उनके लिए प्रेरणादायक रहा। डीआईजी ने कहा कि स्व दुर्गा सोरेन में भी पिता की ही भांति वह ज्वाला दिखती थी, जो युवाओं के लिए प्रेरणाश्रोत थे। उनका भी स्नेह उन्हें मिला है। शिबू सोरेन के निधन हो जाने पर वे मंदिर व मस्जिद में जाकर लोगों से मिलकर उनकी आत्मा की शांति प्रदान करने के लिए आग्रह करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करने को कहा। इसमें लोगों ने दुआ व प्रार्थना किया।

शिबू सोरेन को प्रशासनिक अधिकारियों ने दी श्रद्धांजलि

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

खूंटी। आज समाहरणालय स्थित सभागार में शोकसभा का आयोजन कर उपायुक्त आर. रॉनिटा, उप विकास आयुक्त आलोक कुमार समेत समाहरणालय के सभी पदाधिकारियों एवं कर्मियों द्वारा दो मिनट का मौन रखकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मियों ने शिबू सोरेन के योगदानों को स्मरण करते हुए उनके जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही।

शिबू सोरेन ने झारखंड राज्य की पहचान, आदिवासी समाज के अधिकारों एवं सामाजिक न्याय के लिए जो संघर्ष किया, वह हम सभी के लिए प्रेरणा एवं हमेशा स्मरणीय रहेगा। जिला प्रशासन खूंटी की ओर से उन्हें सादर नमन एवं विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

जिले में बालू माफिया हो रहे बेलगाम

बाइक से भी होता है बालू का परिवहन

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

गोड्डा। जिले में एनजीटी के आदेश का कोई असर नहीं दिख रहा है। यहां की अमूमन सभी नदियों से मानसून सीजन में भी बालू का अवैध खनन और ढुलाई धड़ल्ले से हो रही है। प्रशासन के कई प्रयासों के बाद भी माफियाओं के हौंसले बुलंद हैं।

दरअसल, अधिवक्ता अमित कुमार मीत की ओर से एनजीटी में याचिका दायर की गई थी। इसमें गोड्डा जिले के हनवारा, पथरगामा, बसंतराय आदि प्रखंड की प्रमुख नदियों के पुलों के आसपास बालू खनन से पुल धंसने के खतरे को इंगित करते हुए कार्रवाई की मांग की गई थी।

वहीं, एनजीटी की ओर से बीते दो अप्रैल 2025 को बालू खनन पर रोक लगाने का आदेश दिया था। नदी पुलों के संरक्षण को लेकर जिला प्रशासन ने जगह-जगह बोर्ड भी लगाया था। यहीं नहीं कालांतर में जिला प्रशासन ने शपथ पत्र देकर एनजीटी को आश्वस्त किया था कि नदी पुलों के आसपास बालू खनन पर रोक लगाने के लिए सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इधर एनजीटी ने बीते 10 जून से 15 अक्टूबर तक मानसून सीजन में नदियों के बालू घाटों से खनन पर प्रतिबंध लगाया, लेकिन इसके बाद भी लगातार बालू ढुलाई की शिकायतें मिलती रही हैं। बाइक और जुगाड़ गाड़ियों से बालू का परिवहन होता है।

अकेले हनवारा थाना क्षेत्र में गत माह इस कालक्रम में तीन प्राथमिकी दर्ज हुई हैं। याचिकाकर्ता की ओर से अब इस मामले में एनजीटी में रिज्वाइंडर याचिका दायर की गई है। पुलों के संरक्षण के लिए एनजीटी और राज्य प्रदूषण बोर्ड की सख्ती के बाद भी अवैध बालू का कारोबार यहां थमने का नाम नहीं ले रहा है। प्रशासन की ओर से जगह-जगह इसके लिए बोर्ड भी लगाया गया है। हनवारा, संग्रामपुर, नारोत्तमपुर,

खुर्द डुमरिया, काला डुमरिया, गोरगम्मा, डेरमा आदि पुलों की नींव बालू उठाव से खोखली हो गई है। इन प्रभावित क्षेत्रों में पुलों के अगर समय रहते हुए प्रशासन इसपर ठोस कदम नहीं उठाता है, तो यहां जान माल को नुकसान हो सकता है। इन क्षेत्र में अवैध बालू खनन को रोकने में पुलिस प्रशासन पूरी तरह से नाकाम दिख रहा है।

एनजीटी की ओर से अमित कुमार मीत की याचिका पर सुनवाई करते हुए बीते दो अप्रैल को ही आदेश पारित किया था, जिसमें गोड्डा की सुंदर नदी और गेरुआ नदी में मानकों की अनदेखी कर अवैध तरीके से बालू खनन मामले में प्रशासन ने टीम गठित कर कार्रवाई का निर्देश दिया गया था।

अपैल माह में ही कैटेवरी वन के घाटों पर बोर्ड लगाकर बालू उठाव बंद करने का निर्देश दिया गया, लेकिन इसका अनुपालन नहीं हुआ। बालू माफियाओं को स्थानीय पुलिस प्रशासन का संरक्षण मिल रहा है।

पूर्व मंत्री को लगा झटका

नवबिहार टाइम्स संवाददाता

केरेडारी (हजारीबाग)। बड़कागांव के पूर्व विधायक सह पूर्व कृषि मंत्री योगेंद्र साव की 30 वर्ष पूर्व चट्टी बरियातू कोल माइंस के अधिकृत क्षेत्र जोरदाग के झुमरी टांड़ में बनी लक्ष्मण सिरामिक आफ मिनरल फायर क्ले प्राईवेट लिमिटेड को जमींदोज कर दिया।

इसकी सूचना मिलते ही श्री साव जोरदाग कार्य स्थल पर अपने अंगरक्षकों के साथ पहुंचे। वहां सबसे पहले हाइवा चालकों और जेसीबी आपरेटर की पिटाई कर दी। कोयला ट्रांसपोर्टिंग को बंद करा दिया।

इसके आलावा एमडीओ ऋत्विक माइंस के सहायक प्रबंधक अनुराग गुप्ता और सेवानिवृत डीएसपी अवधेश सिंह को बंधक बना कर झुमरी टांड़ अपने घर में रखा। पुलिस प्रशासन ने करीब दो घंटे बाद उन्हें मुक्त कराया। पहले भी अपने अलग अंदाज को लेकर सुर्खियों में रहे हैं। योगेंद्र साव की पत्नी निर्मला देवी तथा बेटी अंबा प्रसाद भी कांग्रेस से विधायक रही हैं।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव का कहना था कि बिना मेरी जानकारी के और बिना मुआवजा भुगतान किए कैसे मेरी ईंट और चिमनी की संरचना को ध्वस्त किया गया। सीनियर मजिस्ट्रेट के रूप में नियुक्त सीओ रामरतन कुमार वर्णवाल से वार्ता के बाद अधिकारियों को छोड़ा गया।

मां ने की बच्चों के साथ आत्महत्या

रांची। रविवार सुबह शहर में एक दिल दहला देने वाली घटना ने सभी को स्तब्ध कर दिया। जगरनाथपुर थाना क्षेत्र के लटमा स्थित एक अपार्टमेंट में एक महिला ने अपने दो बच्चों के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना में 14 वर्षीय बेटा, 12 वर्षीय बेटी और उनकी मां की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद थाना प्रभारी दल-बल के साथ मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

CMYK

जसप्रीत बुमराह को लगी एक और चोट

टीम से बाहर होते ही आई बुरी खबर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह ओवल टेस्ट में नहीं खेले और इसकी वजह अब सामने आई है. ऐसा माना जा रहा था कि बुमराह को आराम दिया गया है लेकिन रिपोर्ट्स हैं कि वो चोटिल हो गए हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को इस बार घुटने में चोट लगी है. बता दें 31 जुलाई को जब ओवल टेस्ट का आगाज हुआ था उसी दिन बुमराह को टीम इंडिया से रिलीज कर दिया गया था. बीसीसीआई ने प्रेस रिलीज जारी कर इसकी जानकारी दी थी. लेकिन अब उन्हें रिलीज करने की वजह सामने आ गई है.

बुमराह को लगी चोट गंभीर?

रिपोर्ट के मुताबिक जसप्रीत बुमराह को घुटने में चोट लगी. अच्छी बात ये है कि बुमराह की चोट ज्यादा गंभीर नहीं है और उसकी सर्जरी नहीं होगी. हालांकि बुमराह के घुटने का स्कैन कराया गया है और बीसीसीआई की मेडिकल टीम को उनकी स्कैन रिपोर्ट्स का इंतजार है. ऐसी खबर है कि 31 साल का ये गेंदबाज बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में रिकवरी के लिए जाएगा. वहां उनपर काम किया जाएगा ताकि वो भविष्य में होने वाले मैचों के लिए फिट हो सकें. हालांकि ऐसी खबरें भी हैं कि बुमराह एशिया कप नहीं खेलेंगे. एहतियातन उन्हें आराम दिया जाएगा.

बुमराह के लिए इंग्लैंड दौर अच्छा नहीं रहा

जसप्रीत बुमराह के लिए इंग्लैंड का दौरा औसत रहा. ये खिलाड़ी सीरीज में 3 टेस्ट मैच खेला जिसमें उन्होंने 14 विकेट हासिल किए. बड़ी बात ये है कि बुमराह ने दो टेस्ट मैचों में पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया लेकिन इसके बावजूद वो 14 ही विकेट हासिल कर सके. इसकी बड़ी वजह उन्हें चोट का भी डर रहा. मैनचेस्टर टेस्ट में तो बुमराह ने 140 किमी. प्रति घंटे की रफ्तार भी बमुश्किल हासिल की. बुमराह की ऐसी फिटनेस से फैंस भी काफी निराश हैं क्योंकि ओवल टेस्ट में वो नहीं खेले जब टीम को उनकी काफी जरूरत थी.

Durand Cup 2025:

नामधारी एफसी का विजय अभियान जारी, भारतीय वायुसेना को 4-2 से हराया

कोलकाता, एजेंसी। नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबाल में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए भारतीय वायुसेना को 4-2 से हरा दिया। टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है। नामधारी एफसी ने 134वें डूरंड कप फुटबाल में अपना विजय अभियान जारी रखते हुए भारतीय वायुसेना को 4-2 से हरा दिया। टीम ग्रुप ए में शीर्ष पर पहुंच गई है। विवेकानंद युबा भारती क्रीड़ागन में पहला गोल वायुसेना की ओर से सैमुअल ने 7वें मिनट में किया। उसके बाद नामधारी के लिए क्लेडसन (पेनाल्टी, 37वां मिनट), अमनदीप (45वां मिनट) औ दूसरे हाफ में धर्मप्रीत (60) और स्थानापन्न सेलिंगथांग (74 वां मिनट) ने नामधारी को 4-1 से आगे कर दिया। वायुसेना के लिए दूसरा गोल संकित ने 78वें मिनट में किया लेकिन यह गोल टीम की वापसी नहीं करा सका।

भारतीय तीरंदाजी संघ ने तीरंदाजी लीग के पहले सत्र की घोषणा की

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है।भारतीय तीरंदाजी संघ (एएआई) ने सोमवार को पहली तीरंदाजी लीग की घोषणा की जिसमें दुनिया भर के महिला और पुरूष रिकर्व और कंपाउंड तीरंदाज फ्रेंचाइजी आधारित टूर्नामेंट में भाग लेंगे। लीग का पहला सत्र दिल्ली के यमुना खेल परिसर में अक्टूबर में आयोजित हो सकता है जो

11 दिन तक चलेगा । इसे विश्व तीरंदाजी, विश्व तीरंदाजी एशिया और खेल मंत्रालय से मंजूरी मिल चुकी है। भारतीय तीरंदाजी संघ के अध्यक्ष अर्जुन मुंडा ने कहा, हमें यकीन है कि तीरंदाजी लीग से हम युवा तीरंदाजों को और मौके देकर उनके सपने पूरे कर सकेंगे । हम सभी को मिलकर इस लीग के जरिये देश में खेल को नयी ऊंचाइयों तक ले जाना है। विश्व तीरंदाजी के महासचिव टॉम डीलेन ने कहा ,'' इस पहल से भारतीय और विदेशी तीरंदाजों में प्रतिस्पर्धी भावना विकसित होगी और उनके प्रदर्शन में और निखार आयेगा । इससे वे भविष्य में बेहतर तीरंदाज बन सकेंगे ।''

इंटर मियामी के कप्तान लियोनेल मेसी चोटिल

अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हुए; नेक्शाका के खिलाफ मैच में चोट लगी

नई दिल्ली, एजेंसी। इंटर मियामी के कप्तान लियोनल मेसी को दाहिने पैर की मांसपेशियों में चोट लगने के कारण अनिश्चित समय के लिए मैदान से बाहर हो गए हैं। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी करते हुए इस बात की पुष्टि की है। यह चोट मेसी को शनिवार को मेक्सिको की टीम नेक्शाका के खिलाफ लीग्स कप मैच के दौरान लगी। मेसी की चोट के बावजूद, इंटर मियामी ने नेक्शाका के खिलाफ पेनल्टी शूटआउट में 5-4 से जीत हासिल की। मेडिकल रिपोर्ट में मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि मेसी को केवल 11वें मिनट में मैदान छोड़ना पड़ा। हालांकि वे खुद अपने पैरों पर चलकर लॉकर रूम तक गए, लेकिन चोट की गंभीरता को देखते हुए उनका मेडिकल परीक्षण किया गया। इंटर मियामी के बयान के अनुसार,रिपोर्ट में मेसी के दाहिने पैर की मांसपेशियों में हल्की चोट की पुष्टि हुई

है। उन्हें खेलने की अनुमति उनकी मेडिकल स्थिति और उपचार पर प्रतिक्रिया के आधार पर दी जाएगी। मेसी स्स्र 2025 के टॉप गोल स्कोरर मेसी इस सीजन में इंटर मियामी के लिए 18 मैचों में 18 गोल और 9 असिस्ट कर चुके हैं। वह स्स्र (मेजर लीग शॉकर) के टॉप स्कोरर की सूची में फिलहाल पहले स्थान पर हैं। इंटर मियामी की स्थिति इंटर मियामी वर्तमान में ईस्टर्न कॉन्फ्रेंस में 12 जीत, 4 हार और 6 ड्रॉ के साथ 42 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर है। वे शीर्ष पर मौजूद फिलाडेल्फिया से 8 अंक पीछे हैं, लेकिन उनके पास तीन अतिरिक्त मैच बाकी हैं। लीग्स कप क्वालिफिकेशन के लिए स्स्र स्टैंडिंग में इंटर मियामी 5 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है और क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की करने के लिए उन्हें बुधवार को ह्वरूपुमास के खिलाफ जीत की जरूरत है।

कैनेडियन ओपनः

क्वार्टरफाइनल में पहुंचे बेन शेल्टन, डी मिनौर से होगा सामना

टोरंटो । बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के राउंड ऑफ 16 में फ्लावियो कोबोली को 6-4, 4-6, 7-6(1) से हराकर अपने टूर-स्तरीय करियर की 100वीं जीत दर्ज की। इसी के साथ उन्होंने क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। अब अगले दौर में शेल्टन का सामना ऑस्ट्रेलिया के नौवें वरीय एलेक्स डी मिनौर से होगा, जिन्होंने अमेरिका के सातवें वरीय फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 4-6, 6-4 से हराया। अपने टूर-स्तर के करियर में अब 100-69 का रिकॉर्ड रखते हुए, शेल्टन 21वीं सदी में जन्मे आठवें और 100 जीत का आंकड़ा छूने वाले नौवें सक्रिय अमेरिकी खिलाड़ी हैं। शेल्टन लगातार तीसरे टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में पहुंचे हैं। इससे पहले वह विंबलडन में क्वार्टर फाइनल और पिछले हफ्ते वॉशिंगटन डीसी में सेमीफाइनल तक पहुंचे थे। एटीपी स्टैट्स के मुताबिक, इस साल हार्ड कोर्ट पर उनका रिकॉर्ड 16-7 का है,

जिसमें ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल तक का सफर भी है। पहले सेट में अपनी धाक जमाने के बाद, शेल्टन को दूसरे और तीसरे सेट में परेशानी का सामना करना पड़ा। इटैलियन खिलाड़ी ने अपनी सर्विस का अच्छा बचाव करते हुए अमेरिकी खिलाड़ी की मजबूत सर्विस पर दबाव बनाया। कोबोली ने दूसरा सेट जीतने के बाद तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त पर मैच के लिए सर्विस की, लेकिन वहीं से चौथे वरीय शेल्टन ने जबरदस्त वापसी की। उन्होंने 12वें गेम में मैच के लिए एक और ब्रेक का मौका बनाया। इसके बाद टाईब्रेक में कोबोली के सभी सर्विस प्वाइंट जीत लिए। जीत के बाद शेल्टन ने कहा, मुझे लगता है कि मैच के अंत में मैंने रैली करने और रिटर्न को कोर्ट में लाने का अच्छा काम किया। मैं अपनी दो सबसे बड़ी ताकत, सर्विस और फर्स्ट-बॉल फोरहैंड के साथ जूझ रहा था, लेकिन आखिर में जीत हासिल करना मेरी मानसिक दृढ़ता और ऐसे पल में लड़ने की क्षमता को दर्शाता है, बजाय इसके कि मैंने कितना अच्छा खेल दिखाया।

विश्व चैंपियनशिप ट्रायल्स में अंतिम पंघाल आसानी से जीतीं, वैष्णवी और मनीषा भी भारतीय टीम में

नई दिल्ली, एजेंसी। अंतिम ने रविवार को आईजी स्टेडियम में हुए ट्रायल्स के दौरान अपनी रणनीति के साथ आक्रामक रुख अपनाया। पूजा के खिलाफ उनकी रणनीति कारगर रही। अंतिम ने पहले ही मौके पर 'फितले' का इस्तेमाल किया। महिला पहलवान अंतिम पंघाल ने रविवार को विश्व चैंपियनशिप के ट्रायल्स में 53 किग्रा भार वर्ग में बिना किसी परेशानी के भारतीय टीम में अपनी जगह पक्की कर ली जबकि वैष्णवी पाटिल (65 किग्रा) और मनीषा भानवाला (62 किग्रा) ने भी प्रभावशाली प्रदर्शन के साथ क्वालिफाई किया। अंतिम 20 साल की उम्र में सीनियर विश्व चैंपियनशिप, एशियाई खेलों और एशियाई चैंपियनशिप में पदक जीत चुकी हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश की पूजा और गुजरात की हिनाबेन को बिना एक भी अंक गंवाए हराया और विजेता बनीं। अंतिम ने 2022 में देश की पहली अंडर-20 विश्व चैंपियन बनकर सुर्खियां बटोरी थीं और 2024 पेरिस ओलंपिक के लिए भी क्वालिफाई किया था। लेकिन वह ओलंपिक में विवादों में घिर गई थीं। पेरिस में मैट में उनका प्रदर्शन फीका रहा और उन्होंने अपनी बहन को अपने मान्यता कार्ड पर खेल गांव भेजकर बड़ा विवाद भी खड़ा कर दिया था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने अनुशासनात्मक कार्रवाई पर विचार किया लेकिन ऐसा नहीं किया।

इंडिया-इंग्लैंड टेस्ट :

93 साल में पहली बार ! एक सीरीज में पांच भारतीयों के 400+ रन, शुभमन ने 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा

लंदन, एजेंसी। गिल एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा बाउंड्रीज (चौके-छक्के) लगाने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने मौजूदा इंग्लैंड दौरे पर 97 बाउंड्रीज लगाईं। इनमें 85 चौके और 12 छक्के शामिल हैं। भारत ने टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। पहली बार किसी टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400 या उससे ज्यादा रन बनाए हैं। इस ऐतिहासिक उपलब्धि में कप्तान शुभमन गिल, रवींद्र जडेजा, केएल राहुल, ऋषभ पंत और यशस्वी जायसवाल शामिल रहे। वहीं, गिल ने वेस्टइंडीज के महान सर गैरी सोबर्स का 59 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया।

भारतीय टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में पहली बार – टीम इंडिया 1932 से

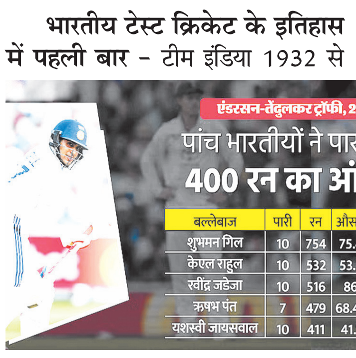

बल्लेबाज	पारी	रन	औसत	100s / 50s
शुभमन गिल	10	754	75.4	4 / 0
केएल राहुल	10	532	53.2	2 / 2
रवींद्र जडेजा	10	516	86	1 / 5
ऋषभ पंत	7	479	68.43	2 / 3
यशस्वी जायसवाल	10	411	41.1	2 / 2

टेस्ट क्रिकेट खेल रही है और 93 साल में पहली बार एक टेस्ट सीरीज में पांच भारतीय बल्लेबाजों ने 400+ रन बनाए हैं। इस लिस्ट में सबसे आगे रहे शुभमन गिल, जिन्होंने 10 पारियों में 754 रन ठोके। उनके बाद केएल राहुल ने 10 पारियों में 532 रन, रवींद्र जडेजा ने 516 रन, ऋषभ पंत ने सिर्फ सात पारियों में 479 रन और यशस्वी जायसवाल ने 10 पारियों में 411 रन बनाए। यह आंकड़े इस बात का प्रमाण हैं कि भारतीय बल्लेबाजों की निरंतरता और सामूहिक प्रदर्शन ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। भारत ने अपने प्रदर्शन से न सिर्फ विरोधी टीम पर दबाव बनाया, बल्कि यह दिखाया है कि भारतीय क्रिकेट का भविष्य उज्ज्वल है।

पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ जीती लगातार सातवीं टी20 सीरीज

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-1 से अपने नाम कर ली है। इस टीम ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फ्लोरिडा में सोमवार को खेले गए तीसरे टी20 मैच को 13 रन से अपने नाम किया। पाकिस्तान ने वेस्टइंडीज को लगातार सातवीं बार टी20 सीरीज में मात दी है। पाकिस्तान ने साल 2011 में वेस्टइंडीज का दौरा किया, जिसमें मेहमान टीम इकलौते टी20 मैच को गंवा बैठी। इसके बाद साल 2013 में पाकिस्तान ने इस टीम के विरुद्ध सीरीज के दोनों मैच अपने नाम किए। 2016/17 में पाकिस्तान ने तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज में 3-0 से क्लीन स्वीप किया, जबकि साल 2017 में सीरीज 3-1 से अपने नाम की। पाकिस्तान की टीम

ने साल 2018 में वेस्टइंडीज के विरुद्ध एक बार फिर 3-0 से क्लीन स्वीप किया। साल 2021 में टी20 सीरीज चार मुकाबलों की थी, लेकिन सीरीज के तीन मुकाबले बेनतीजा रहे। शेष इकलौते मैच को पाकिस्तान ने सात रन से अपने नाम कर सीरीज 1-0 से जीती। 2021/22 में पाकिस्तान ने अपनी सरजमीं पर वेस्टइंडीज के खिलाफ 3-0 से क्लीन स्वीप किया। इसके बाद अमेरिका में उसने पाकिस्तान को 2-1 से हराकर लगातार सातवीं टी20 सीरीज जीत ली है। फ्लोरिडा में चार अगस्त को खेले गए मुकाबले की बात करें, तो पाकिस्तान ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनते हुए चार विकेट खोकर 189 रन बनाए। साहिबजादा फरहान और सईम अयूब ने पहले विकेट के लिए 138 रन की साझेदारी की। फरहान 53 गेंदों में पांच छक्कों और तीन चौकों की मदद से 74 रन बनाकर आउट हुए, जबकि सईम अयूब ने 49 गेंदों में दो छक्कों और चार चौकों के साथ 66 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जेसन होल्डर, रोस्टन चेज और शमर जोसेफ ने 1-1 विकेट अपने नाम किया। इसके जवाब में वेस्टइंडीज की टीम निर्धारित ओवरों में छह विकेट खोकर 176 रन ही बना सकी। टीम के लिए एलिक एथनाज ने 40 गेंदों में 60 रन की पारी खेली, जबकि शेरफन रदफोर्ड ने 35 गेंदों में 51 रन बनाए, लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके। पाकिस्तान के लिए हसन अली, मोहम्मद नवाज, हारिस रऊफ, सईम अयूब और सुफियान मुकीम ने एक-एक शिकार किया।

संक्षिप्त समाचार

डीटीसी बस चालक ने गाड़ी से खोया कंट्रोल, कई वाहनों को ठोंका, ऑटो-रिक्शा चालक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके से डीटीसी बस द्वारा कई वाहनों को टक्कर मारने का मामला सामने आया है। बस चालक ने वाहन से नियंत्रण खोया और एक के बाद एक करीब छह से सात गाड़ियों को टक्कर मार दी। इस दौरान बस ऑटो-रिक्शा से भी जा टकराई, इसके चलते रिक्शा चालक की मौत हो गई है। पुलिस ने बताया कि सोमवार सुबह पूर्वी दिल्ली के शकरपुर इलाके में एक डीटीसी देवी बस के कथित तौर पर कई वाहनों से टकराने से एक ऑटो-रिक्शा चालक की मौत हो गई। अब तक की जानकारी में सामने आ रहा है कि बस चालक को किसी तरह की मेडिकल इमरजेंसी हुई थी, जिसके चलते उसका बस से कंट्रोल खत्म हो गया। बस से नियंत्रण खोने के बाद गाड़ी कई वाहनों से जा टकराई। इसमें ऑटो-रिक्शा भी शामिल था, जिससे ऑटो रिक्शा चालक की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि दुर्घटना सुबह करीब 9 बजे हुई और आगे की जानकारी जल्द ही साझा की जाएगी।

दिल्ली में परिंदों के जीवन की डोर काट रहा मांझा, रोजाना 30 पक्षी हो रहे भर्ती

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी समेत एनसीआर के शहरों में प्रतिबंध के बावजूद चाइनीज मांझे की बिक्री जारी है। यह मांझा इंसानों के साथ बेजुबानों की जिंदगी की डोर भी काट रहा है। इस वर्ष अलग-अलग स्थानों पर मांझे की चपेट में आने से कई लोगों की जान जा चुकी है। कुछ अब तक इसके जख्म से नहीं उबर पाए हैं। पक्षियों की हालत भी कुछ ऐसी ही है। पक्षी चिकित्सालयों में पहुंचे आधे से अधिक परिंदे मांझे के कारण घायल हुए हैं। चांदनी चौक के दिगंबर जैन लाल मंदिर में स्थित पक्षियों के धर्मार्थ चिकित्सालय में मांझे की चपेट में आने वाले 20 से 30 परिंदों को रोजाना भर्ती कराया जा रहा है। इनमें से कई पक्षियों की अधिक खून बहने से मौत भी हो रही है। इनमें कबूतर, चील, तोता, कौवा शामिल हैं। घायल पक्षियों में कबूतरों की संख्या सबसे अधिक है। अलग-अलग इलाकों से लोग इन पक्षियों को लेकर अस्पताल पहुंच रहे हैं। बीते तीन दिन में मांझे से घायल लगभग 100 पक्षी भर्ती कराए गए हैं। इससे चिकित्सालय के आधे से अधिक बेड भर गए हैं। अस्पताल में ढाई हजार के करीब बेड हैं। आलम यह है कि मांझे से घायल पक्षियों को ही केवल भर्ती किया जा रहा है। इसके अलावा इलाज के लिए आने वाले पक्षियों को दवा देकर वापस कर रहे हैं। वजीराबाद गांव में वाइल्ड लाइफ रेस्क्यू के पास रोजाना पांच से 10 घायल पक्षी आ रहे हैं। इनमें सबसे अधिक चील हैं। साथ ही, उल्लू भी हैं। चिंताजनक है कि पक्षियों के बच्चे भी मांझे में उलझकर जान गंवा रहे हैं। तेज धार मांझे के कारण कई पक्षियों के पंख कटकर अलग हो जा रहे हैं। तेज धार चाइनीज मांझे के साथ सादा धागा भी पक्षियों के लिए घातक साबित हो रहा है। रेस्क्यू केंद्र के अध्यक्ष मोहम्मद सऊद ने बताया कि उड़ रहे पक्षियों को मांझा नजर नहीं आया और वे उसकी चपेट में आ जाते हैं। उन्होंने बताया कि बीते वर्ष 3500 के करीब घायल पक्षी आए थे। इनमें 50 प्रतिशत मांझे से घायल पक्षी थे। पतंगबाजी का शौक रखने वालों की लापरवाही इंसानों के साथ बेजुबान पक्षियों की जान पर भारी पड़ रही है। राजधानी में जुलाई से शुरू होने वाला पतंगबाजी का दौर 15 अगस्त के बाद तक जारी रहता है। इस दौरान हर साल औसतन दो से तीन लोगों की मौत चाइनीज मांझे की चपेट में आने से हो जाती है। वहीं, 40 से ज्यादा लोग घायल होते हैं। चीनी मांझे पर प्रतिबंध के बावजूद हादसे थमने का नाम नहीं ले रहे हैं। चोरी-छिपे इनकी बिक्री जारी है। दिल्ली के जीटीबी अस्पताल, स्वामी दयानंद अस्पताल, खिचड़ीपुर स्थित लाल बहादुर शास्त्री अस्पताल, उत्तर-पूर्वी दिल्ली के जग प्रवेश चंद्र अस्पताल में हर साल मांझे से घायल करीब 20 से 25 लोग इलाज के लिए पहुंचते हैं।

दिल्ली में फिर बाढ़ का खतरा? सीजन में सबसे ऊपर पहुंचा यमुना का जलस्तर

नई दिल्ली, एजेंसी।
कई राज्यों में भारी बारिश के बाद दिल्ली में यमुना नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। रविवार सुबह यमुना नदी का जलस्तर दिल्ली के पुराने रेलवे ब्रिज पर इस मौसम के उच्चतम स्तर 204.14 मीटर तक पहुंच गया। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में पिछले 48 घंटों में हुई मूसलाधार बारिश ने नदी को नई ताकत दी। हालांकि, यह स्तर दिल्ली के आधिकारिक अलर्ट लेवल 204.5 मीटर से थोड़ा नीचे रहा। फिर भी प्रशासन की नजरें इस पर टिकी हैं।

केंद्रीय जल आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, 1 अगस्त से यमुना का जलस्तर एक मीटर से ज्यादा बढ़ा है। गुरुवार को 4 बजे यह 203.08 मीटर था, जो शुक्रवार को 203.54 मीटर और रविवार दोपहर 4 बजे 204.04 मीटर तक पहुंच गया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि अगस्त में यमुना का जलस्तर चरम पर होता है और यह सिलसिला सितंबर तक चल सकता है। इस बार यमुना का पानी न केवल ऊंचा उठा, बल्कि पहले से कहीं ज्यादा साफ भी नजर आया। साउथ एशिया नेटवर्क ऑन डैम्स, रिवर एंड पीपल के भीम सिंह रावत कहते हैं, यह प्रकृति का अपना तरीका है। बढ़ता जलस्तर प्रदूषण को बहा ले जाता है और पानी की गुणवत्ता में सुधार करता है। उनका मानना है कि यह नदी का सांस लेने का समय है, जो हर साल चक्रीय रूप से होता है। दिल्ली में चेतावनी स्तर 204.5 मीटर और खतरे का निशान 205.33 मीटर है। सिंचाई और बाढ़ नियंत्रण विभाग (ढ्ढ×स्नष्ट) के एक अधिकारी ने बताया, हम हालात पर नजर रखे हुए हैं। अगर जलस्तर और बढ़ता है, तो हमारे पास पूरी तैयारी है। मध्य जुलाई में जारी बाढ़ नियंत्रण आदेश के अनुसार, अगर हथिनीकुंड बैराज से 100,000 क्यूसेक से ज्यादा पानी छोड़ा जाता है, तो पहली चेतावनी जारी होगी और नावों को कमजोर इलाकों में तैनात किया जाएगा। पिछले साल यमुना ने 26 सितंबर को 204.38 मीटर का स्तर छुआ, लेकिन चेतावनी स्तर को पार नहीं किया। हालांकि, 2023 में 11 जुलाई को नदी 208.66 मीटर की ऐतिहासिक ऊंचाई तक पहुंच गई थी, जिसके चलते मयूर विहार, ढ्ढञ्जह्र, सलीमगढ़ बायपास और सिविल लाइंस जैसे इलाकों में पानी घुस गया था। उस दौरान 23,000 से ज्यादा लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया और दिल्ली के 25त्न पेयजल आपूर्ति करने वाले तीन प्रमुख जल शोधन संयंत्रों वजीराबाद, चंद्रावल और ओखला को बंद करना पड़ा था। पिछले 63 सालों के आंकड़े बताते हैं कि यमुना 53 बार 204.5 मीटर का चेतावनी स्तर पार कर चुकी है, 43 बार 205 मीटर, 14 बार 206 मीटर और चार बार 207 मीटर को छू चुकी है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली कांग्रेस सांसद आर सुधा की सोने की चेन छीनी

नई दिल्ली, एजेंसी।
दिल्ली के चाणक्यपूरी में सोमवार सुबह कांग्रेस सांसद आर सुधा की सोने की चेन छीन ली गई। आर सुधा तमिलनाडु के मयिलाडुतुरै की सांसद हैं। सोमवार की सुबह वह अपनी साथी सांसद के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। तभी एक बदमाश विपरित दिशा से आया और उनकी सोने की चेन लेकर फरार हो गया। आर सुधा ने दावा किया है इस घटना में उनकी गर्दन पर चोट आई हैं और उनके कपड़े भी फट गए। इस सिलसिले में उन्होंने केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को भी चिट्ठी लिखी। उन्होंने दिल्ली की कानून व्यवस्ता पर भी सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा है कि ये घटना उस राज्य की है जहां की मुख्यमंत्री एक महिला हैं। मैं इस घटना में मर भी सकती थी। बदमाश ने मेरे कपड़े भी फाड़ दिए।

उन्होंने कहा, मैं अभी भी सदमे में हूं। इस देश में महिलाओं के लिए कोई सुरक्षा नहीं है। मैं आम महिलाओं के बारे में सोच रही हूँ, वे कहां जाएंगी? एक महिला मुख्यमंत्री इस राज्य की कमान संभाल रही हैं सुरक्षा कहां है? अगर उस बदमाश ने मेरी गर्दन काट दी होती, तो मैं वहीं मर जाती।

सांसद ने कहा, उसने मेरी चेन खींची और मेरे कपड़े फाड़ दिए। मैं अपने कपड़े ठीक करना चाहती थी, इसलिए मुझे अपनी चेन की कोई परवाह नहीं थी। स्नैचिंग के बाद, वह तुरंत फरार हो गया। मैं चिल्लाई, सड़क पर सब लोग थे, लेकिन किसी ने भी आगे आकर मदद नहीं की। यह देखकर मैं दंग रह गई। फिर मैं तमिलनाडु गेस्ट हाउस गई, जहां मैंने दो पुलिसकर्मियों के साथ एक पुलिस पेट्रोलिंग टीम को देखा और हमने उन्हें घटना की जानकारी दी। लेकिन पुलिस ने ज़्यादा कुछ नहीं किया।

आर सुधा ने कहा, पुलिस ने बस हमाके फोन नंबर और नाम लिए। उन्होंने मुझे पुलिस स्टेशन आकर शिकायत दर्ज कराने को कहा। फिर मैंने अपने कांग्रेसी सहयोगी मणिकम टैगोर को फ़ोन किया। उन्होंने पुलिस भेजी और मैंने उन्हें अपनी शिकायत दी। प्रियंका गांधी मुझे स्पीकर के पास ले गई और मैंने वहां भी शिकायत दर्ज कराई। मैंने गृह मंत्री को भी ईमेल किया, मैं जवाब का इंतज़ार कर रही हूं। मैं अभी भी डिप्रेशन और सदमे में हूं। इस देश में महिलाओं की कोई सुरक्षा नहीं है।

मेट्रो के सफर के साथ शॉपिंग का मजा, ओल्ड गुरुग्राम स्टेशन के पास बनेंगे मॉल, पूरा प्लान

नई दिल्ली, एजेंसी।
ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो स्टेशन के आसपास छोटे-बड़े शॉपिंग मॉल तैयार होंगे। इस सिलसिले में गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड ने हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) से जमीन देने की मांग की है। अगले सप्ताह इस सिलसिले में एचएसवीपी प्रशासक वैशाली सिंह की अध्यक्षता में बैठक होगी।

जीएमआरएल ने 28.5 किमी लंबी ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो के तहत 27 स्टेशन तैयार करने की योजना बनाई है। इसके निर्माण पर करीब 10288 करोड़ रुपये का खर्चा आएगा। इस राशि को केंद्र और राज्य सरकार की तरफ से मिलकर वहन किया जाएगा। मेट्रो संचालन में आने वाले खर्च को निकालने के लिए जीएमआरएल ने मेट्रो स्टेशन के आसपास छोटे-बड़े शॉपिंग मॉल तैयार करने की योजना बनाई है। इसके तहत एचएसवीपी से जमीन उपलब्ध करवाने का आग्रह किया है। अधिकांश मेट्रो स्टेशन के समीप एचएसवीपी की जमीन है। कुछ मेट्रो स्टेशन के पास गुरुग्राम नगर निगम की जमीन भी है। नगर निगम के आयुक्त से भी जीएमआरएल की तरफ से जमीन उपलब्ध करवाने का आग्रह किया जाएगा। मेट्रो स्टेशन के साथ-साथ इन शॉपिंग मॉल का निर्माण किया जाएगा। दुकानों को ई-नीलामी के माध्यम से किराये पर दिया जाएगा। ओल्ड गुरुग्राम मेट्रो का निर्माण अगले महीने से शुरू होने की उम्मीद है। जीएमआरएल ने पहले चरण के तहत आमंत्रित टेंडर की वित्तीय बोली को खोल दिया है। 1286 करोड़ रुपये के इस टेंडर के तहत सबसे कम बोली करीब 1503 करोड़ रुपये आई है। बाकी पांच कंपनियों ने इस राशि से अधिक की बोली लगाई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में नेगोसिएशन के बाद टेंडर आवंटित करने की प्रकिया को शुरू किया जाएगा। माना जा रहा है कि इस माह के अंत तक टेंडर आवंटित कर दिया जाएगा। पहले चरण में 15.22 किमी लंबा मेट्रो ट्रैक तैयार किया जाएगा। इसमें 14 मेट्रो स्टेशन हैं। टेंडर आवंटन के बाद 30 महीने के अंदर यह मेट्रो ट्रैक तैयार करना होगा। इस टेंडर में बख्तावर चौक का अंडरपास भी शामिल है। इसके अलावा बता दें कि मेट्रो निर्माण के लिए आठ कंपनियां आगे आई थी। इनमें से दो कंपनियां तकनीकी जांच में बाहर कर दी गई थी। पहले चरण में मेट्रो का निर्माण मिलेनियम सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से लेकर सेक्टर-नौ तक किया जाएगा।

पत्नी के अवैध संबंध ने ली एक और पति की बलि, प्रेमी ने साथियों संग मारकर दफना दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। पत्नी के अवैध संबंध के कारण एक और पति को अपनी जान गंवानी पड़ी। पत्नी के प्रेमी ने अपने साथियों के साथ मिलकर उसे मार डाला और लाश को दफना दिया। पुलिस ने इस मामले में पत्नी, उसके प्रेमी और तीन अन्य लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।

गुरुग्राम पुलिस ने एक महिला, उसके प्रेमी और तीन अन्य लोगों को उसके पति की हत्या और लाश छिपाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि मृतक की पहचान डूंडाहेड़ा गांव निवासी 37 साल के विक्रम के रूप में हुई है। वह मूल रूप से बिहार के नवादा का रहने वाला था।

पुलिस प्रवक्ता के अनुसार, विक्रम की पत्नी सोनी देवी ने पूछताछ के दौरान पुलिस को बताया कि उसने और मुख्य आरोपी रविंदर ने हत्या की साजिश रची थी क्योंकि उसकी बेटी ने उसके फोन पर दोनों का अश्लील वीडियो देखा था और इसके बारे में पापा को बताया था। प्रवक्ता ने बताया कि सोनी देवी ने 28 जुलाई को उद्योग विहार थाने में अपने पति के लापता होने की शिकायत दर्ज कराई थी। 31 जुलाई को महिला ने एक और शिकायत दर्ज कराई। इसमें उसने आरोप लगाया कि मार्च 2025 में जब उसका पति काम पर गया हुआ था तब उसके पड़ोसी रविंद्र ने उसके साथ रेप किया। उसने दावा किया कि रविंद्र ने इसका वीडियो बना लिया था और धमकी दी थी कि अगर उसने किसी को बताया तो वह इसे सार्वजनिक कर देगा। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि जांच के दौरान पुलिस टीम ने रवींद्र को गिरफ्तार किया। उसने हत्या की बात कबूल कर ली। हत्या में कथित तौर पर मदद करने वाले मनीष और फरियाद को भी शनिवार को गिरफ्तार कर 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। पुलिस ने शव को दफनाने में मदद करने वाले रवींद्र के चाचा संतरपाल को भी शनिवार को गिरफ्तार किया और रविवार को उन्हें भी 5 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। सोनी देवी को न्यायिक हिरासत में भेजा गया है। प्रवक्ता ने बताया कि पूछताछ के दौरान रवींद्र ने दावा किया कि उसके और उस महिला के बीच संबंध थे। 26 जुलाई को उसने और उसके साथियों ने विक्रम को काम से घर लौटते समय कार में खींच लिया। उन्होंने रस्सी से गला घोंटकर उसकी हत्या कर दी और लाश को मोहम्मदपुर झाड़सा गांव के पास दफना दिया। रवींद्र के बताने पर पुलिस ने विक्रम का शव कब्र से निकलवाया। प्रवक्ता के अनुसार, पूछताछ के दौरान विक्रम की पत्नी ने पुलिस को बताया कि उसका रविंद्र के साथ लगभग एक साल से प्रेम प्रसंग चल रहा था। रविंद्र ने एक अश्लील वीडियो बनाया था, जिसे उसकी बेटी ने उसके फोन पर देखा था और विक्रम को इसके बारे में बताया था।

इसके बाद दोनों आरोपी रविंद्र और सोनी देवी ने विक्रम की हत्या और हत्या के बाद लाश को ठिकाने लगाने के लिए इंटरनेट और यूट्यूब पर कई तरीके देखे थे। योजना के अनुसार, आरोपी रविंद्र अपने चाचा संतरपाल से मिलने गया, जो मोहम्मदपुर झाड़सा गांव में गायों और भैंसों की देखभाल करते हैं। इसके बाद रवींद्र ने अपने दोस्तों के साथ मिलकर विक्रम की हत्या कर दी। उसके बाद चाचा संतरपाल द्वारा खोदे गए गड्ढे में लाश को दफना दिया।

टैरिफ लगाने के फैसले का ट्रंप ने किया बचाव

वॉशिंगटन, एजेंसी।
अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने दर्जनों व्यापारिक साझेदार देशों पर पारस्परिक टैरिफ लगाने के अपने फैसले का बचाव किया है। ट्रंप ने कहा कि ऐसा कई साल पहले कर दिया जाना चाहिए था। ट्रंप ने कहा कि टैरिफ से मिलने वाले पैसों से अमेरिका अपना कर्ज उतारेगा।

मीडिया से बात करते हुए ट्रंप ने कहा कि हम कर्ज का भुगतान करेंगे। देश में बहुत सारा पैसा आने वाला है और इतना पैसा देश में कभी एकसाथ नहीं आया होगा। इससे पहले कर्ज का भुगतान करेंगे। हमें ये कई साल पहले कर देना चाहिए था। मैंने अपने पहले कार्यकाल में चीन के साथ ये किया था, लेकिन कोरोना महामारी के चलते अन्य देशों के साथ ऐसा नहीं हो सका। ट्रंप ने कहा, मैं किसी तरह का दबाव नहीं, बल्कि निष्पक्षता चाहता हूं। हम जहां भी और जितना हो सके, पारस्परिक कर देखना चाहते हैं। कभी-कभी, यह उनके लिए बहुत ज़्यादा हो जाता है। यह एक बहुत बड़ी राशि होगी। और मैं बस इतना ही कह सकता हूं कि इससे हमारा देश सैकड़ों अरब डॉलर कमाएगा।

व्हाइट हाउस में आने के छह महीनों के भीतर ही ट्रंप ने वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को तबाह कर दिया और अमेरिका की आर्थिक ताकत का इस्तेमाल कर उन देशों को दंडित देना शुरू किया, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है। 2 अप्रैल को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने उन देशों से आयात पर 50 प्रतिशत तक पारस्परिक कर लगाने और लगभग सभी अन्य देशों पर 10 प्रतिशत आधारभूत कर लगाने की घोषणा की, जिनके साथ अमेरिका का व्यापार घाटा है। उन्होंने व्यापार घाटे को राष्ट्रीय आपातकाल घोषित करने के लिए 1977 के एक कानून का हवाला दिया, जिसके जरिए उन्होंने अपने व्यापक आयात करों को उचित ठहराया।

किम जोंग उन से रिश्ते सुधारने की कोशिश ! दक्षिण कोरिया ने उठाया बड़ा कदम

सियोल एजेंसी। दक्षिण कोरिया की सेना ने सोमवार को कहा कि उसने उत्तर कोरिया के साथ लगती अपनी सीमा पर लगे लाउडस्पीकर को हटाना शुरू कर दिया है, जो दोनों देशों के बीच तनाव कम करने की दिशा में एक कदम है। ये लाउडस्पीकर पहले सीमा पार उत्तर कोरिया विरोधी प्रचार सामग्री प्रसारित करने के लिए उपयोग किए जाते थे, लेकिन दक्षिण कोरिया की नयी उदारवादी सरकार ने जून में इनका इस्तेमाल रोक दिया था। यह कदम आपसी विश्वास बहाल करने और उत्तर कोरिया के साथ संवाद फिर से शुरू करने की कोशिश के तहत उठाया गया था, क्योंकि उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में दक्षिण कोरिया के साथ सहयोग लगभग पूरी तरह से बंद कर दिया है। दक्षिण कोरिया के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि सीमा से इन लाउडस्पीकर को हटाना एक और ''व्यावहारिक कदम है, जो युद्ध से विभाजित कोरियाई देशों के बीच तनाव कम करने के लिए उठाया गया है। मंत्रालय ने यह भी स्पष्ट किया कि इससे दक्षिण कोरिया की सैन्य तत्परता पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के इस कदम पर तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी।

शरीफ-पेजेशकियान ने अरबों डॉलर के 12 अहम समझौते किए

इस्लामाबाद , एजेंसी।
पाकिस्तान और ईरान ने रविवार को द्विपक्षीय व्यापार को मौजूदा 3 अरब अमेरिकी डॉलर वार्षिक से बढ़ाकर 10 अरब अमेरिकी डॉलर करने पर सहमति जतायी। पाकिस्तानी प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन के बीच वार्ता के बाद दोनों पक्षों ने 12 समझौतों और समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए। सरकारी 'एसोसिएटेड प्रेस ऑफ पाकिस्तान के अनुसार, प्रधानमंत्री शरीफ ने राष्ट्रपति पेजेशकियन के साथ वार्ता के बाद संयुक्त प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए नये द्विपक्षीय व्यापार लक्ष्य की घोषणा की। इस वार्ता के दौरान उन्होंने अपनी साझा सीमा पर आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर भी सहमति व्यक्त की।

द्विपक्षीय व्यापार को 10 अरब अमेरिकी डॉलर तक बढ़ाने पर सहमति सुबह पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्री जाम कमाल खान और ईरान के उद्योग, खान एवं व्यापार मंत्री मोहम्मद अताबाक के बीच हुई बैठक में बनी। शरीफ ने कहा कि ईरान को परमाणु ऊर्जा के शांतिपूर्ण उपयोग का अधिकार है, जो इजराइल के साथ वर्तमान संघर्ष का मूल कारण रहा है। शरीफ ने कहा, पाकिस्तान शांतिपूर्ण परमाणु ऊर्जा प्राप्ति के लिए ईरान के साथ खड़ा है। उन्होंने ईरान पर हाल ही में हुए इजराइली हमलों की निंदा की और देश की मजबूत रक्षा के लिए तेहरान की सराहना की। , शरीफ और पेजेशकियन की उपस्थिति में पाकिस्तान और ईरान ने 12 समझौतों और समझौता ज्ञापनों का आदान-प्रदान किया। इनमें व्यापार, कृषि, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार, सूचना एवं संचार, और समुद्री सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में सहयोग शामिल हैं। एपीपी ने कहा, ''प्रधानमंत्री शरीफ ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान और ईरान का नेतृत्व द्विपक्षीय व्यापार को यथाशीघ्र 10 अरब अमेरिकी डॉलर के लक्ष्य तक बढ़ाने के लिए उत्सुक है। दोनों नेताओं ने आतंकवाद से जुड़े मुद्दों पर भी चर्चा की और अपनी साझा सीमा पर आतंकवाद से निपटने के लिए सहयोग को मजबूत करने पर सहमति जताई। पेजेशकियान ने कहा कि हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापनों में दोनों पक्षों के बीच मुक्त व्यापार समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने से संबंधित एक समझौता भी शामिल है। अरब अमेरिकी डॉलर के अनुमानित लक्ष्य तक ले जाने के लिए प्रयास कर रहे हैं। राष्ट्रपति पेजेशकियान शनिवार दोपहर लाहौर पहुंचे और शाम को राजधानी के लिए रवाना हुए। इस बीच, अताबाक के साथ खान की बैठक के बाद, पाकिस्तान के वाणिज्य मंत्रालय द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि दोनों नेताओं के बीच उच्च-स्तरीय चर्चा ने व्यापार में तेज़ी लाने, सीमा संबंधी बाधाओं को दूर करने और प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में विश्वास-आधारित साझेदारी बनाने के लिए दोनों पक्षों की ओर से नयी प्रतिबद्धता को दर्शाया।

इजरायली मंत्री ने अल-अक्सा मस्जिद में पूजा-प्रार्थना, मुस्लिम देशों का गुस्सा सातवें आसमान पर

येरूसलम , एजेंसी। इजराइल के दक्षिणपंथी मंत्री अल अक्सा मस्जिद के परिसर पहुंचे दीर अल-बलाह (गाजा पट्टी), तीन अगस्त (एपी) इजराइल के एक दक्षिणपंथी मंत्री रविवार को यरुशलम के सबसे संवेदनशील धार्मिक स्थल अल अक्सा मस्जिद के परिसर पहुंचे और वहां प्रार्थना की जिसके बाद आशंका जताई जा रही है कि यह कदम तनाव को और बढ़ा सकता है। उनकी यात्रा ऐसे समय हुई जब गाजा के अस्पताल प्रबंधनों ने खाने के लिए दर-दर भटकने को मजबूर 27 और फिलीस्तीनियों की इजराइली सेना द्वारा गोलीबारी में मौत की सूचना दी है।

गाजा पट्टी में भुखमरी जैसी हालत को लेकर पहले ही इजराइल की दुनियाभर में आलोचना हो रही है। ऐसे में मंत्री इतमार बेन-गवीर का इस पवित्र स्थल पर जाना अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थों की उन कोशिशों को नुकसान पहुंचा सकता है, जिनका मकसद गाजा में लगभग दो साल से जारी सैन्य संघर्ष को रोकना है। उनकी यात्रा की फलस्तीनी नेताओं के साथ-साथ जॉर्डन और सऊदी अरब ने भी निंदा की।

समाहरणालय में शोक सभा का हुआ आयोजन, सबों ने रखा दो मिनट मौन

पूर्व मुख्यमंत्री सह राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर दी श्रद्धांजलि

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड आंदोलन के पुरोधा, भारत की आदिवासी चेतना के महानायक एवं पूर्व मुख्यमंत्री सह माननीय राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर सोमवार को समाहरणालय परिसर में शोक सभा का आयोजन किया गया। इस दौरान उपायुक्त अजय नाथ झा, पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार समेत सभी वरीय पदाधिकारियों एवं कर्मियों ने दिशोम गुरु की तस्वीर पर माल्यार्पण झ्र पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना किया। मौके पर उपायुक्त अजय नाथ झा ने कहा कि दिशोम गुरु शिबू सोरेन भारत की आदिवासी चेतना के महानायक थे। उनका संघर्ष, बलिदान और नेतृत्व सदैव आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देता रहेगा। झारखंड की माटी के कण - कण में वे सदैव जीवन्त रहेंगे। सभा के दौरान डीपीएलआर मेनका, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, सभी जिला स्तरीय पदाधिकारी - कार्यालय प्रमुख एवं कर्मीगण आदि उपस्थित थे।

गुरुजी के रूप में झारखंड को सबसे बड़ा नुकसान : राजेश ठाकुर

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड के जननायक, दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन झारखंड के लिए अपूरणीय क्षति है। उनके निधन पर पूरे राज्य में शोक की लहर दौड़ गई है। झारखंड कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए कहा कि यह झारखंड के 25 वर्षों की सबसे बड़ी क्षति है। उन्होंने कहा, अगर कोई वास्तविक नुकसान हुआ है तो वह गुरुजी के रूप में हुआ है।" उन्होंने आगे कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड के आदिवासी समाज को एक नई पहचान दिलाई। महाजनी शोषण के खिलाफ उनकी लड़ाई ऐतिहासिक रही है। झारखंड अलग राज्य आंदोलन में उनकी भूमिका को कोई नहीं भुला सकता। राजेश ठाकुर ने कहा कि गुरुजी सिर्फ एक नेता नहीं, बल्कि एक अभिभावक थे। "आज उनके निधन से मैं बेहद मर्माहत हूं। मैंने अपना मार्गदर्शक और अभिभावक खोया है," उन्होंने भावुक होते हुए कहा। गुरुजी का निधन झारखंड की राजनीति और समाज के लिए एक युग का अंत है।

शिबू सोरेन ने आदिवासियों को सम्मान से जीने का अधिकार दिलाया : आंदोलन के साथी

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। शिबू सोरेन के निधन पर पूरा राज्य शोक में डूबा हुआ है। गुरुजी के द्वारा महाजनो के खिलाफ चलाए गए आंदोलन के समय के साथी रहे रामा मांझी उनके निधन की खबर सुनकर व्यथित हैं। उनकी आंखों में शिबू सोरेन के जाने का दर्द देखा जा सकता है। राम मांझी जारीडीह प्रखंड के चिलगड्डा के मांझी टोला के रहने वाले हैं। उन्होंने कहा कि मुझे शिबू सोरेन के निधन की खबर सुबह 10 से 11बजे के बीच मिली। मुझे विश्वास नहीं हो रहा है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन ने झारखंड से महाजनी प्रथा को खत्म कर आदिवासियों और झारखंडियों को सम्मान के साथ जीने का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन को झारखंड का नेता बनने में सबसे बड़ा योगदान तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी का रहा है। वह इंदिरा गांधी ही थी जिन्होंने शिबू सोरेन को अपने घर पर बुलाकर उनसे पूछताछ करते हुए जांच कराया और उनके सभी मामलों को खत्म कर दिया। उन्हें एक जीप और एक ट्रैक्टर और कुछ पैसे दिए। जिस पैसे से टुंडी में आश्रम बना और शिबू सोरेन ने टुंडी के उस क्षेत्र को हरा-भरा कर दिया। वह राज्य में शिबू मांझी से शिबू सोरेन बन गए। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन को इस मुकाम तक पहुंचने वाले एक अधिकारी भी थे जो धनबाद के डीसी हुआ करते थे। जिनका नाम केबी सक्सेना था। उन्होंने कहा कि शिबू सोरेन के सपनों को हेमंत और कल्पना पूरा करेंगे। ऐसा मेरा विश्वास है। वही आंदोलन के साथी रहे ननकू मांझी ने कहा कि वर्ष 1987 में हमारे गांव चिलगड्डा मांझी टोला में महाजनों ने घरों को जलाकर नष्ट कर दिया था। उस समय शिबू सोरेन और निर्मल महतो यहां पहुंचकर हम लोगों को साथ दिया और आज हम लोग सम्मान के साथ जी रहे हैं।

बोकारो स्थित शिबू सोरेन के आवास में पसरा सन्नाटा

उदास बैठे सहयोगी कर रहे हैं पुराने दिनों को याद

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बोकारो इस्पात नगर के सेक्टर वन सी स्थित गुरुजी के आवास में उदासी छाई है। एक समय वो भी था जब झारखंड की राजनीति की दशा और दिशा इस घर से तय हुआ करती थी। अलग राज्य के आंदोलन को यही से गति दिया जाता था। अहले सुबह से देर रात तक यहां कार्यकताओं की भीड़ लगी रहती थी। जब गुरु जी कोयला मंत्री थे उस दौरान झारखंड ही नहीं बिहार बंगाल के पत्रकारों का भी यहां जमावड़ा लगता था। आज इस घर को देखभाल करने वालों की आँखें नम हैं, जैसे वे अनाथ हो गए हों। इस आवास में रह रही गुरुजी की भतीजी आशा सोरेन ने कहा, गुरुजी पढ़ाई पर बहुत जोर देते थे। 6 वर्ष की उम्र में बाबा मुझे यहां लेकर आए थे। गुरुजी के साथ बिताए पल को याद कर आशा की आँखें भर आई। बताया, उन्होंने ही मेरी पढ़ाई लिखाई कराई। उन्होंने कहा कि गुरु जी का मूल मंत्र शिक्षा था। मुझे अपने माता-पिता से अधिक गुरुजी ने प्यार दिया। वह पूरी तरह से शाकाहारी थे। आशा ने कहा कि हेमंत दादा उनकी सपनों का झारखंड को बनाने का काम करेंगे। वर्ष 1981 से गुरुजी के साथ रहने वाले बम ने कहा कि उनको आदर्श मानकर मैंने अपने सीने में गुरुजी और तीर धनुष अपने सीने पर खुदवा लिया था। इस घर की यादें झारखंड आंदोलन और झारखंड को अलग राज बनाने से जुड़ी हुई है। गुरुजी की के आवास में रहने वाले गुमला निवासी अनुज उरांव ने कहा कि वे शाकाहारी भोजन पसंद करते थे। तेल मसाला बहुत ही कम खाते थे। वह जब भी बिहार विधानसभा से आते थे। वह रात दिन नहीं देखे थे। उनके इंतजार में हम सभी देर रात बैठ कर उनका इंतजार करते थे। उनके आने के बाद मैं उनका मालिश करता था और वह सो जाते थे।

हमेशा याद किए जाएंगे दिशोम गुरु शिबू सोरेन : अनुपमा सिंह

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह के आवासीय कार्यालय जोड़ापोखर जेलगोड़ा में झारखंड आंदोलन के जनक पूर्व मुख्यमंत्री राज्यसभा सांसद दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर 2 मिनट का मौन रखकर भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई। कांग्रेस नेत्री अनुपमा सिंह ने कहा की दिशोम गुरु के निधन की खबर अत्यंत दुखद व पीड़ा दायक है दिशोम गुरु शिबू सोरेन का निधन सिर्फ झारखंड ही नहीं बल्कि संपूर्ण राष्ट्र के लिए गहरी और अपूरणीय क्षति है। दबे शोषित पीड़ित कुचले के अस्मिता वा अधिकार के सशक्त आवाज थे । झारखंड के निर्माण में उनकी भूमिका को हमेशा याद रखा जाएगा आज हमने केवल एक व्यक्ति नहीं खोया बल्कि एक पूरी पीढ़ी का मार्गदर्शन करने वाले अभिभावक तुल्य पथ प्रदर्शक को खो दिया है एक युग का अंत हो गया उन्हीं के कारण राज्य का नाम झारखंड हुआ यह उन्हीं की देन है वे केवल एक राजनेता नहीं बल्कि एक विचार चेतना और एक संघर्षशील आंदोलन का नाम थे । उनकी सादगी संघर्षशीलता दूरदर्शिता और जन सेवा के प्रतीत अटूट समर्पण हमें आजीवन प्रेरणा देता रहेगा भले हुए आज हमारे बीच नहीं है लेकिन उनके विचार हमेशा प्रासंगिक रहेंगे श्रद्धांजलि कार्यक्रम के अध्यक्षता सतपाल सिंह ब्रोका संचालन किशोर कुमार ने की श्रद्धांजलि देने वालों में राम गोपाल भुवानिया किशोर कुमार बमभोली सिंह विककी कुमार सतोंष मोदक सौरभ पांडे मनोवर हुसैन सतीश तांती अरुण कुमार रवानी महेंद्र कुमार पप्पू सिंह राजेश कुमार भगवान दास नयन चक्रवर्ती आयुष कुमार यादव सूरज कुमार राजेश कुमार अमरीक सिंह संजीव कुमार नमिता दास गोविंद निषाद ओमकार मिश्रा मनोज पासवान सुरेंद्र कुमार आदि सैकड़ों लोग उपस्थित थे ।

विश्व आदिवासी दिवस की तैयारी को लेकर बैठक

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। बाघमारा प्रखंड के अंतर्गत राजगंज स्थित आर बी बी हाई स्कूल मैदान में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस मनाने की तैयारी को लेकर बैठक हुई । विश्व आदिवासी दिवस के सफल आयोजन के लिए संचालन समिति का गठन किया गया। जिसमें संस्थापक खालसा सोरेन, अध्यक्ष मनमोहन टुडू, उपाध्यक्ष बिरजू सोरेन, सचीव रामजीत टुडू, कोषाध्यक्ष सुरेंद्र प्रसाद हेंब्रम, अध्यक्ष (एएसए) अरुण कुमार हेंब्रम सदस्य मनसा राम मुरमू, लखन टुडू, शेखर मुर्मू, मनोज मरांडी, रामलाल मुर्मू, महावीर हासदा, शिवकुमार सोरेन, प्रदीप मुर्मू का चयन किया गया। इस मौके पर झारखंड मुक्ति मोर्चा के वरिष्ठ नेता रतीलाल टुडू ने कहा कि विश्व आदिवासी दिवस आर बी बी हाई स्कूल मैदान में बहुत धूमधाम से मनाया जाएगा ।

भैरव धाम को मिले पर्यटन स्थल का दर्जा : देवाशीष मंडल

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। झारखंड का बोकारो जिला कई रहस्यों और पौराणिक मान्यताओं को समेटे हुए है। इन्हीं में एक है चंदनकियारी प्रखंड का पोलकीरी गांव जो आज धार्मिक आस्था और ऐतिहासिक मान्यता का केंद्र बनता जा रहा है। गांव में स्थित भैरवधाम को लेकर स्थानीय मान्यता है कि महाभारत काल में पांडव अपने अज्ञातवास के दौरान माता कुंती के साथ यहां आए थे। कहा जाता है कि जब माता कुंती को प्यास लगी, तो अर्जुन ने अपने दिव्य बाण से धरती से जलधारा निकाली, जो आज भी पवित्र जलकुंड के रूप में विद्यमान है। यह जलकुंड न सिर्फ श्रद्धालुओं के लिए आस्था का केंद्र है, बल्कि श्रावण मास में यहां लगने वाली भीड़ इसकी मान्यता को और अधिक पुष्ट करती है। लोग मानते हैं कि इस जल में स्नान करने से शारीरिक पीड़ाएं और रोग दूर हो जाते हैं। यहां भैरव बाबा की प्राचीन प्रतिमा और गुप्त गंगा भी स्थित हैं, जो इस क्षेत्र की धार्मिक गरिमा को और भी ऊँचाई देती हैं। हालांकि यह कथा धार्मिक ग्रंथों में वर्णित नहीं है, फिर भी स्थानीय परंपरा और लोकविश्वास में इसकी गहरी जड़ें हैं, और पीढ़ी दर पीढ़ी यह मान्यता कायम रही है।

पर्यटन स्थल की मांग तेज

जिला बीस सूत्री कार्यक्रम उपाध्यक्ष देवाशीष मंडल के नेतृत्व में सावन के तीसरे सोमवार पर भक्तों के बीच प्रसाद वितरण किया गया। इस मौके पर मंडल ने राज्य सरकार और जिला प्रशासन से मांग की कि भैरवधाम को आधिकारिक रूप से धार्मिक पर्यटन स्थल का दर्जा दिया जाए और जलकुंड जैसे पौराणिक धरोहरों का संरक्षण सुनिश्चित किया जाए।

संभावनाएं और अपेक्षाएं

भैरवधाम को पर्यटन स्थल के रूप में विकसित किए जाने से न केवल स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि झारखंड की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को भी एक नई दिशा मिलेगी।

जंगलपुर पंचायत में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर शोक सभा

धनबाद/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। गोबिंदपुर प्रखंड के अंतर्गत जंगलपुर पंचायत में दिशोम गुरु शिबू सोरेन के निधन पर मुखिया मोकिम अंसारी सहित पंचायत के लोगों ने मौन रखकर शोक सभा किया। मुखिया मोकिम अंसारी ने कहा कि पूरा झारखंड शोक में डूबा हुआ है क्योंकि झारखंड के वरिष्ठ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री शिबू सोरेन का निधन हो गया है। उनके निधन की खबर सुनकर पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई है। शिबू सोरेन , जिन्हें गुरुजी के नाम से भी जाना जाता था, आदिवासी समाज की आवाज थे और उन्होंने झारखंड के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने गरीबों, मजदूरों और वंचितों के लिए आजीवन संघर्ष किया। उनका जीवन एक प्रेरणा है। मुखिया कार्यालय के प्रांगण में एक शोक सभा का आयोजन किया गया, जिसमें पंचायत के सभी लोग उपस्थित हुए। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। मुखिया ने अपने श्रद्धांजलि संदेश में कहा शिबू सोरेन जी का निधन केवल झारखंड ही नहीं, बल्कि पूरे देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उनके आदर्श और योगदान हमें सदैव प्रेरणा देते रहेंगे।ईश्वर से प्रार्थना है कि वे दिवंगत आत्मा को शांति प्रदान करें और परिवारजनों को यह दुःख सहने की शक्ति दें।

संगठन के विचार को प्रचारित करना ही प्रचार विभाग का कार्य : ब्रह्माजी राव

रांची/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। व्यक्ति नहीं संगठन सर्वोपरि होता है। इसलिए संगठन के विचार को प्रसारित करना ही प्रचार विभाग के कार्यकताओं का दायित्व है। उपरोक्त बातें विद्या भारती द्वारा रांची ने आयोजित दो दिवसीय प्रांतीय प्रचार विभाग की कार्यशाला में विद्या भारती के अखिल भारतीय मंत्री ब्रह्माजी राव ने कही। उन्होंने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज की पत्रकारिता पूर्व से अधिक तीव्र हो गई है। आज हमें अपडेट होने की आवश्यकता है। अपने जिम्मेवारियों के प्रति न्याय करते हुए प्रसिद्धि से दूर रहकर सत्य को समाज के बीच रखना है । अपने कार्य में दक्षता के बल पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करना होगा। इसके लिए हमें प्रचार विभाग के विभिन्न कार्यकताओं से आत्मीय संबंध स्थापित कर उन तक अपना विषय रखना और उनसे अपने विभाग को और उत्कृष्ट बनाने हेतु जानकारी इकट्ठी करनी होगी। । सत्य और निष्ठा के साथ अपने कार्यो को समाज तक पहुंचाना ही अपना ध्येय है। वहीं वरिष्ठ पत्रकार संजय कुमार ने सभी कार्यकताओं को प्रिंट मीडिया के संबंध में बताते हुए कहा कि आज प्रिंट मीडिया की कार्य पद्धति का स्वरूप भी बदल रहा है। उसके अनुसार स्वयं को बदलकर उनके अनुरूप समाचार प्रेषित करें। साथ ही प्रिंट मीडिया में समाचार, फोटो, फोटोग्राफी सहित ऑपरेशन की तकनीक को बताया। विद्या भारती झारखंड के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा ने कहा कि हम सभी संघ के कार्यकर्ता हैं। शिक्षा के क्षेत्र में हमारा कार्य प्रगति के पथ पर है। प्रचार विभाग के माध्यम से अपने कार्यो को अभिभावकों एवं समाज तक पहुंचाने की कड़ी हमें बनानी है। हमें बीच-बीच में अपने विद्यालय के बालकों को भी विभिन्न अखबारों के कार्यालय का दर्शन कराना चाहिए ।उनके अंदर भी ऐसी प्रतिभा जागृत हो और अपने विद्यालयों में भी नन्हे संपादक या संवादाता बने। उन्होंने झारखंड के प्रचार विभाग की टीम को सशक्त बनने हेतु आशीर्वचन दिया । अंत में धन्यवाद ज्ञापन विद्या भारती झारखंड के संरक्षक अखिलेश कुमार जी ने किया ।अतिथियों का परिचय प्रांत संयोजक मनोज कुमार ने एवं प्रस्तावना प्रांत प्रमुख जितेंद्र तिवारी ने रखी । इस अवसर पर विद्या भारती के अखिल भारतीय सोशल मीडिया प्रमुख आलोक तिवारी, झारखंड प्रांत के सोशल मीडिया प्रमुख अरविंद पांडेय एवं प्रांत के सह प्रमुख जितेंद्र मिश्र के साथ-साथ पूरे झारखंड प्रांत के विभिन्न विद्यालयों से आए प्रचार विभाग के कुल 47 कार्यकर्ता उपस्थित हुए ।

वन विहार से कार्यकर्ताओं में उत्साह का सृजन : साध्वी झा

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। संकल्प सृजन की महिला कार्यकताओं की ओर से एक दिवसीय वन विहार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम हेतु भोजूडीह स्थित भैरवधाम का चयन किया गया। कार्यक्रम में मुख्यरूप से महासचिव साध्वी झा की उपस्थिति रही। सर्वप्रथम दामोदर नदी की पूजा अर्चना के बाद भैरवधाम परिसर में गुप्तगंगा व भैरव कुंड तथा मंदिरों में पूजा-अर्चना की गई। परिसर भ्रमण एवं संबंधित कथा श्रवण के साथ ज्ञानार्जन कराते हुए स्थानीय पुजारी ने महाभारत काल से इस स्थान का संबंध बताया। संस्था की महिला कार्यकर्ता द्वारा आस पास की बस्ती में सर्वेक्षण करते हुए बालिका व महिला शिक्षा की स्थिति का आकलन किया गया। सामुहिक बैठक में 82 सदस्यीय टोली के साथ स्थानीय बंधु-भगिनी भी उपस्थित हुए। साध्वी झा ने संस्था के क्रियाकलापों से सभी को अवगत कराते हुए सामाजिक कार्य हेतु प्रेरित किया। बैठक संबोधन के क्रम में वन विहार कार्यक्रम की सराहना करते हुए उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन कार्यकर्ताओं के अंदर उत्साह का सृजन करता है। एक तरह से यह रिचार्ज कूपन है। कार्यक्रम के अंत में सभी बहनों को हरी चुड़ी, मेंहदी एवं अन्य सुहाग प्रतीक चिह्न भेंट किया गया। कार्यक्रम में बोकारो के सोनाटांड, रितुडीह, झोपडी कलोनी, सेक्टर 4 एवं 9, चास सहित विभिन्न स्थलों से कुल 82 बहनें शामिल हुईं।

'सिमेटिक पीसीएस-07 बेसिक' पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो/नवबिहार टाइम्स ब्यूरो। मानव संसाधन के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में संयंत्र के विभिन्न विभागों के 15 कर्मचारियों के लिए "सिमेटिक पीसीएस-07 बेसिक" पर छह दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 04/08/2025 से 09/08/2025 तक के लिए किया जा रहा है. यह प्रशिक्षण कार्यक्रम विशेष रूप से हॉट स्ट्रिप मिल तथा सी आर एम -III के रोलिंग के उपयोग में आने वाले नियंत्रण प्रणाली को समझने के अनुकूल डिजाइन किया गया है. कार्यक्रम मे मेसर्स सीमेंस लिमिटेड की वरीय और अनुभवी फैकल्टी सुश्री दर्शना शिर्के के सहयोग से प्रयोगात्मक ज्ञानवर्धन का भी प्रावधान है. कार्यक्रम के उदघाटन सत्र मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग की मुख्य महाप्रबंधक सुश्री नीता बा, एवम महाप्रबंधक श्री एस के भगत उपस्थित थे. सर्वप्रथम श्री एस के डी भौमिक, कनीय प्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) ने सभी प्रतिभागियों तथा मुख्य अतिथियों का स्वागत किया तथा इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के संबंध में जानकारी दी. मुख्य महाप्रबंधक सुश्री नीता बा ने अपने सम्बोधन में स्टील प्लांट के लिये कार्यक्रम की उपयोगिता पर प्रकाश डाला तथा सभी प्रतिभगियो से इस कार्यक्रम से अधिकतम लाभ उठाने की अपील की. कार्यक्रम के आयोजन मे ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के वरीय ओपरेटिव श्री राकेश कुमार, नवनीत कुमार सिंह, कौशलेन्द्र प्रताप सिंह तथा वरीय इंस्ट्रक्टर श्री अर्जुन प्रसाद बाउरी का सराहनीय योगदान रहा.

सेल ने आईएनएस अजय और आईएनएस निस्तार के लिए इस्पात आपूर्ति कर, रक्षा आत्मनिर्भरता को मजबूत किया

भारत की सबसे बड़ी इस्पात उत्पादक कंपनी, स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने भारतीय नौसेना के दो महत्वपूर्ण जहाजों, आईएनएस 'अजय' और आईएनएस 'निस्तार' के लिए विशेष इस्पात की आपूर्ति करके देश के रक्षा स्वदेशीकरण प्रयासों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है. इन दोनों जहाजों में से आईएनएस 'अजय' को गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा पिछले जुलाई महीने के दौरान लांच किया गया जबकि आईएनएस निस्तार को भी पिछले जुलाई महीने के दौरान ही हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड (एचएसएल) द्वारा कमीशन किया गया. आईएनएस 'अजय' के लिए सेल ने जरूरत की पूरी डीएमआर ग्रेड स्टील प्लेट्स की आपूर्ति की है, जो इस उच्च-गुणवत्ता वाले इस्पात पोत की संरचनात्मक मजबूती और स्टील्थ क्षमताओं के लिए महत्वपूर्ण है. आईएनएस 'अजय' गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स लिमिटेड (जीआरएसई) द्वारा निर्मित आठवां और अंतिम स्वदेशी एंटी-सबमरीन वारफेयर शैलो वाटर क्राफ्ट (एएसडब्ल्यू-एसडब्ल्यूसी) है. इसी तरह से सेल ने हाल ही में कमीशन किए गए आईएनएस निस्तार के लिए विशेष ग्रेड प्लेट्स की जरूरत की पूरी मात्रा की सप्लाई की है. आईएनएस निस्तार भारत का पहला स्वदेशी रूप से डिजाइन और निर्मित डाइविंग सपोर्ट वेसल (ऊश्र) है। हिंदुस्तान शिपयार्ड लिमिटेड द्वारा कमीशन की गई आईएनएस निस्तार, पनडुब्बी बचाव कार्यों, गहरे समुद्र में गोताखोरी और निरंतर गश्त में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए तैयार है. सेल, भारत की नौसैनिक शक्ति को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध है, जो राष्ट्रीय रक्षा लक्ष्यों के लिए कंपनी के रणनीतिक सहयोग को दिखाता है. यह 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण में सेल की अभिन्न भूमिका को भी रेखांकित करता है. इस्पात के प्रत्येक टन के साथ, सेल भारत की समुद्री तत्परता और रक्षात्मक भरोसे की नींव को निरंतर सुदृढ़ कर रहा है.

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक कमल किशोर द्वारा डी.बी. कॉर्प. लि. के लिए भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, गोविंदपुर मेन रोड, अशोक नगर, केजी आश्रम, धनबाद (झारखंड) से मुद्रित तथा प्लांट नंबर-31, कॉपरेटिव कॉलोनी, बोकारो स्टील सिटी, जिला बोकारो (झारखंड) से प्रकाशित। संपादक कमल किशोर, नवबिहार टाइम्स (दैनिक), सत्येंद्र नगर, औरंगाबाद (बिहार), स्थानीय संपादक : मनोज विशाल
फोन नंबर- 9431145665 8210783623
आर.एन.आई. पंजीकरण संख्या : JHAHIN/2017/72655
E-mail- nbtimesbihar@gmail.com

CMYK